● सीधी, सिंगरौली,मऊगंज, रीवा एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित ● website-https://vindhyatiger.in ● epaper-https://epaper.vindhyatiger.in ● वर्ष : 36, अंक 193, पृष्ठ : 08, सीधी, रविवार, 25 अगस्त 2024 - मूल्य : 2.00 रुपया मात्र

दैनिक समाचार पत्र

विन्ध्य टाइगर

हक की बात, बुलंदी के साथ

कुमारी शैलजा ने ठोका सीएम कैंडिडेट पर दावा 5

शिखर धवन ने क्रिकेट को कहा अलविदा 6

सरकारी कर्मचारियों के लिए नई स्कीम का एलान

अब एनपीएस की जगह एकीकृत पेंशन योजना

नई दिल्ली। सरकारी कर्मचारियों में पुरानी पेंशन स्कीम (ओपीएस) की जोर पकड़ती मांग के बीच केंद्र सरकार ने बड़ा एलान किया है। बताया गया है कि सरकार ने नई पेंशन स्कीम (एनपीएस) की जगह अब सरकारी कर्मियों के लिए यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) यानी एकीकृत पेंशन योजना लॉन्च करने का फैसला किया है। केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में इसे लेकर सहमति बनी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शनिवार को एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) को मंजूरी दे दी, जिसका उद्देश्य सरकारी कर्मचारियों को सुनिश्चित पेंशन, पारिवारिक पेंशन और सुनिश्चित न्यूनतम पेंशन प्रदान करना है। इस बीच, राज्य सरकारों को भी एकीकृत पेंशन योजना चुनने का विकल्प दिया जाएगा। अगर राज्य सरकारें यूपीएस चुनती हैं, तो लाभार्थियों की संख्या करीब 90 लाख हो जाएगी।

सरकार के मुताबिक बकाया राशि (एरियर) पर 800 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। पहले साल में सालाना लागत में करीब 6,250 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी होगी। यह योजना 1 अप्रैल, 2025 से प्रभावी होगी। केंद्र सरकार के कर्मचारियों को राष्ट्रीय पेंशन योजना और पीएस में से किसी एक को चुनने का विकल्प दिया जाएगा। मौजूदा केंद्र सरकार के एनपीएस ग्राहकों को यूपीएस में स्विच करने का विकल्प भी दिया जाएगा।

कैबिनेट के फैसले का एलान करते हुए केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि देशभर में सरकारी कर्मचारियों की तरफ से हमेशा मांग आती रही कि एनपीएस स्कीम में सुधार किया जाए। इस सुधार के लिए अप्रैल 2023 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक कमेटी बनाई थी। डॉ सोमनाथन इस कमिटी के चेयरमैन थे। इस कमिटी ने 100 से अधिक सरकारी कर्मचारी संगठनों के साथ बात की। करीब सभी राज्यों के साथ इस कमिटी ने बातचीत की। राज्य सरकारों के कर्मचारियों के संगठनों को भी तरजीह दी गई। पीएम ने इस विषय को गंभीरता से लिया था। कमिटी की सिफारिश के आधार पर सरकार ने एकीकृत पेंशन स्कीम को मंजूरी दी है।

पेंशन की सनिश्चित राशि: 25 वर्ष की न्यूनतम सेवा के लिए सेवानिवृत्ति से पहले अंतिम 12 महीनों में प्राप्त औसत मूल वेतन का 50% न्यूनतम पेंशन के रूप में मिलेगा। 10 वर्ष की सेवा तक कम सेवा के लिए अनुपातिक राशि पेंशन के रूप में मिलेगी। कर्मचारी की मृत्यु होने की स्थिति में तत्काल 60% की दर से पारिवारिक पेंशन सुनिश्चित की जाएगी। 10 वर्ष की सेवा के बाद सेवानिवृत्ति पर 10000 रुपये प्रति माह की दर से सुनिश्चित न्यूनतम पेंशन राशि मिलेगी। महंगाई दर के साथ इंडेक्सेशन की सुविधा मिलेगी, सुनिश्चित पेंशन, सुनिश्चित पारिवारिक पेंशन और सुनिश्चित न्यूनतम पेंशन पर महंगाई इंडेक्स के साथ समायोजन की सुविधा मिलेगी। सेवानिवृत्ति पर ग्रेच्युटी के अलावा एकमुश्त भुगतान का भी लाभ मिलेगा। छह महीने की सेवा के लिए (वेतन+डीए) की 10 फीसदी रकम का एकमुश्त भुगतान होगा। यानी अगर किसी की 30 साल की सर्विस है तो उसे छह महीने की सेवा के आधार पर एकमुश्त भुगतान (इमॉल्यूमेंट) होगा।

आधुनिक संसाधनों और तकनीक का उपयोग कर लाएंगे सुशासन: डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में युवाओं, महिलाओं, किसानों, गरीबों सहित सभी वर्गों के उत्थान और विकास कार्य जारी हैं। युवाओं के कौशल विकास के लिए राज्य सरकार मिशन मोड में काम कर रही है। युवाओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है, उद्योगों में महिलाओं को रोजगार देने के लिए अवसर बढ़ाए जा रहे हैं। गरीबों के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं संचालित की गई हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कुशाभाऊ ठाकरे इन्टरनेशनल कन्वेंशन सेन्टर में आयोजित संवाद कार्यक्रम में प्रश्नों के उत्तर दे रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में नदी जोड़ो अभियान से किसानों को सिंचाई के क्षेत्र में बहुत अधिक लाभ होगा। उत्पादन

के क्षेत्र में मध्यप्रदेश आने वाले समय में पंजाब और हरियाणा को भी पीछे छोड़ देगा। उन्होंने कहा कि खेती के अलावा पशुपालन और दुग्ध उत्पादन को बढ़ाने के प्रयास जारी हैं। प्रदेश में आधुनिक संसाधनों और तकनीक का उपयोग करते हुए सुशासन के क्षेत्र में बेहतर कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कानून का पालन करना हम सभी का दायित्व है। सेनेटरी पेड और स्वच्छता के क्षेत्र में किए गए कार्य के लिए यूनीसेफ ने मध्यप्रदेश की पहल की सराहना की है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश से भगवान श्रीकृष्ण का गहरा संबंध है। भगवान श्री कृष्ण यहां उज्जैन के सांदीपनी आश्रम में शिक्षा ग्रहण करने आए थे। इंदौर के पास जानापाव में भगवान श्रीकृष्ण को परशुराम जी ने सुदर्शन चक्र प्रदान किया था। जन्माष्टमी हमारे लिए सौभाग्य का पर्व है। रक्षाबंधन केवल भाई-बहन का पर्व नहीं है बल्कि सबको साथ लेकर चलने वाला संस्कृति का पर्व है।

पहला रियूजेबल भारतीय हाइब्रिड रॉकेट आरएचयूएमआई-1 लॉन्च

53 सैटेलाइट सबऑर्बिटल में भेजे गए, ग्लोबल वार्मिंग और क्लाइमेट चेंज के रिसर्च में मदद मिलेगी

चेन्नई। भारत ने आज (24 अगस्त) अपना पहला रियूजेबल हाइब्रिड रॉकेट आरएचयूएमआई-1 लॉन्च किया। चेन्नई के थिरुविदंधई से मोबाइल लॉन्चर के जरिए रॉकेट की लॉन्चिंग हुई। रॉकेट को तमिलनाडु बेस्ड स्टार्टअप स्पेस जोन इंडिया और मार्टिन ग्रुप ने मिलकर बनाया है। हाइब्रिड रॉकेट आरएचयूएमआई 1 के जरिए 3 क्यूब सैटेलाइट और 50 पीआईसीओ सैटेलाइट को सबऑर्बिटल ट्रैजेक्टरी में भेजा गया। ये सैटेलाइट ग्लोबल वार्मिंग और क्लाइमेट चेंज से जुड़े रिसर्च

के लिए डेटा इकट्ठा करेंगे।

आरएचयूएमआई-1 रॉकेट जेनेरिक फ्यूल बेस्ड हाइब्रिड मोटर और इलेक्ट्रिकली ट्रिगर पैराशूट सिस्टम से लैस है। रॉकेट को फ्लेक्सिबिलिटी और रियूजेबल पर फोकस करते हुए खास तरह से डिजाइन किया गया है। हाइब्रिड रॉकेट आरएचयूएमआई 1 में इको-फ्रेंडली और कॉस्ट इफेक्टिव मैकेनिज्म है। इसमें सीओडब्ल्यू ट्रिगर पैराशूट सिस्टम लगा है। इसकी मदद से रॉकेट के कंपोनेंट सुरक्षित समुद्र पर वापस लैंड कर सकते हैं। इससे अंतरिक्ष लॉन्च की लागत कम होगी। रॉकेट के कंपोनेंट्स को आसानी से रिकवर किया जा सकता है। रॉकेट का एयर फ्रेम कार्बन फाइबर, ग्लास फाइबर से बना है। रॉकेट के साथ अंतरिक्ष में भेजी गईं तीन क्यूब सैटेलाइट्स एटमॉस्फियर कंडीशन जैसे कॉस्मिक रेडिएशन, यूवी रेडिएशन और एयर क्वालिटी की समीक्षा कर सकेंगी।

असम गैंगरेप के मुख्य आरोपी की डूबने से मौत

गुवाहाटी। असम के नगांव जिले में 14 साल की नाबालिग से गैंगरेप के मुख्य आरोपी तफजुल इस्लाम की शनिवार (24 अगस्त) को डूबने से मौत हो गई। वह पुलिस हिरासत से भागने के दौरान तालाब में कूद गया था।

नगांव के सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस स्वप्नील डेका ने बताया कि आरोपी को शुक्रवार (23 अगस्त) को गिरफ्तार किया गया था। आज सुबह 3:30 बजे उसे घटनास्थल पर क्राइम सीन रिक्रिएट करने के लिए लेकर जा रहे थे।

भारत की आबादी के हिसाब से बनाई जाए नीति: राहुल

प्रयागराज। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का शनिवार को प्रयागराज में हैं। वह करीब पांच बजे प्रयागराज एयरपोर्ट पहुंचे। यहां उनका जोरदार स्वागत किया गया। इसके अलावा वह भगवतपुर, चकिया, महाराणा प्रताप चौराहा स्थित इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन के कन्वेंशन सेंटर में आयोजित संविधान सम्मान समारोह को संबोधित करेंगे। रास्ते में जगह-जगह कांग्रेसी कार्यकर्ता उनके स्वागत के लिए खड़े हैं। एयरपोर्ट से लेकर एएमए कन्वेंशन सेंटर तक उनका जगह-जगह स्वागत किया गया। बड़ी संख्या में

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उन्हें बुके भेंट किया। कांग्रेस जिंदाबाद और राहुल गांधी जिंदाबाद के नारे लगाए गए। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था का व्यापक बंदोबस्त किया गया है।

राहुल गांधी ने कहा कि हिंदुस्तान की जो सच्चाई है जो हकीकत है। जिसकी जितनी आबादी है उसके हिसाब से पॉलिसी बनाई जानी चाहिए। यदि लोगों की आबादी के हिसाब से नीतियां नहीं बनाई जाती हैं तो जरूरतमंदों को इसका कोई लाभ नहीं मिलेगा और पॉलिसी बनाने का कोई मतलब नहीं है। राहुल गांधी ने कहा कि देश की 70 फीसदी आबादी के हिसाब से नीतियां नहीं बनाई जा रही हैं। केंद्र सरकार की नीतियां सिर्फ चुनिंदा पूंजीपतियों और तीस फीसदी लोगों के लिए है। अधिकांश आबादी को केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा है। संविधान यह कहता है कि सभी नागरिक एक समान हैं और सभी को बराबर अधिकार मिलना चाहिए।

पुणे में प्राइवेट कंपनी का हेलीकॉप्टर क्रैश

पुणे। पुणे के पौड इलाके में शनिवार को एक हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। यह हेलिकॉप्टर मुंबई से हैदराबाद जा रहा था। इसमें पायलट और तीन यात्री सवार थे। हादसे में पायलट जख्मी हुआ है, उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बाकी तीनों लोगों को ज्यादा चोट नहीं आई हैं। पुणे रूरल पुलिस के सुपरिंटेंडेंट पंकज देशमुख ने बताया कि यह हेलिकॉप्टर मुंबई की ग्लोबल वेक्ट्रा हेलिकॉर्प कंपनी का था। आशंका है कि हेलिकॉप्टर तकनीकी खराबी की वजह से क्रैश हुआ। हादसे के पीछे भारी बारिश को भी वजह माना जा रहा है।

पूर्व प्रिंसिपल के खिलाफ सीबीआई ने वित्तीय अनियमितता का केस दर्ज किया

कोलकाता/नई दिल्ली। कोलकाता रेप-मर्डर केस के 7 आरोपियों का शनिवार (24 अगस्त) को पॉलीग्राफी टेस्ट हुआ। मुख्य आरोपी संजय रॉय से जेल में, जबकि पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष, 4 फेलो डॉक्टर, 1 वॉलंटियर से सीबीआई दफ्तर में पूछताछ की गई। पॉलीग्राफी टेस्ट दिल्ली की सेंट्रल फॉरेंसिक टीम ने की।

इधर, कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश के बाद सीबीआई ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। घोष के खिलाफ भ्रष्टाचार की जांच चल रही है। सीबीआई ने एफआईआर की कॉपी अलीपुर सीजेएम कोर्ट को सौंप दी है।

9 अगस्त को कोलकाता के आरजी कर हॉस्पिटल में एक ट्रेनी डॉक्टर की रेप के बाद हत्या कर दी गई थी। सुबह उनका अर्धनग्न शव मिला था। इसके बाद देशभर में डॉक्टरों ने विरोध प्रदर्शन किया। कोलकाता के डॉक्टर्स आज लगातार 16वें दिन हड़ताल पर हैं। बाकी संगठनों ने हड़ताल खत्म कर दी है। रेजिडेंट डॉक्टरों के एक दल ने केंद्रीय जांच ब्यूरो के अधिकारियों से शुक्रवार (24 अगस्त) को मुलाकात की।

बदलापुर यौन शोषण केस, शरद पवार ने काली पट्टी बांधी

उद्धव बोले- कोर्ट ने महाराष्ट्र बंद पर रोक लगाई, लेकिन हमारी आवाज नहीं दबा सकती

मुंबई/पुणे। बदलापुर यौन शोषण केस को लेकर महाविकास अघाड़ी शनिवार को विरोध प्रदर्शन कर रही है। एनसीपी (एससीपी) के चीफ शरद पवार और उनकी बेटी सुप्रिया सुले पुणे में प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने हाथ पर काली पट्टी भी बांधी हैं।

मुंबई में प्रदर्शन के दौरान उद्धव ठाकरे ने कहा- जब सरकार को लगा कि महाराष्ट्र बंद रहेगा तो उन्होंने अपने समर्थकों को कोर्ट में भेज दिया। हमारा मामला पिछले 2 साल से सुप्रीम कोर्ट में है।

हमें तो तारीख पर तारीख मिलती है। कल कोर्ट ने दिखा दिया कि कोर्ट इतनी जल्दी फैसला ले सकता है। कोर्ट ने हमारे महाराष्ट्र बंद पर रोक लगाई, लेकिन कोर्ट हमारी आवाज नहीं रोक सकती। दरअसल, एमव्हीए ने बदलापुर मामले को लेकर महाराष्ट्र बंद का ऐलान किया था, लेकिन शुक्रवार को बॉम्बे हाईकोर्ट ने इस बंद पर रोक लगा दी। इसके बाद एमव्हीए ने शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने का फैसला किया। ठाणे के बदलापुर के आदर्श स्कूल में 13 अगस्त को 2 बच्चियों के साथ यौन शोषण हुआ था। केस में पुलिस की लापरवाही की बात सामने आई थी, जिसे लेकर एमव्हीए ने महाराष्ट्र बंद का ऐलान किया था। उद्धव ने प्रदर्शन के दौरान कहा- एक तरफ बहनों पर अत्याचार हो रहा है और दूसरी तरफ ये लोग राखी बांध रहे हैं। हमने जो शक्ति एक्ट बनाया था, उसे राष्ट्रपति के पास भेज दिया गया है। मैं राष्ट्रपति से अपील करना चाहता हूं कि जो शक्ति एक्ट आपके ऑफिस में भेजा गया है, उस पर ध्यान दें उस कानून को लागू करवाएं।

कांग्रेस हमारा एजेंडा माने तो गठबंधन को तैयार: महबूबा

पीडीपी का घोषणा पत्र जारी किया, आर्टिकल 370 और 35ए वापसी का वादा

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी चीफ महबूबा मुफ्ती ने शनिवार को पार्टी का घोषणा पत्र जारी किया। उन्होंने केंद्र शासित प्रदेश के स्पेशल स्टेटस आर्टिकल 370 और 35ए की वापसी के प्रयास और पाकिस्तान से ट्रेड दोबारा शुरू करने का वादा किया है। महबूबा ने कहा कि हमारी सरकार बनी तो आर्म्स फोर्सेस को मिली स्पेशल पावर , आतंक निरोधी कानून,

पब्लिक सेफ्टी एक्ट और ऐनेमी एक्ट हटाएंगे। उन्होंने घाटी में कश्मीरी पंडितों के लिए 2 बीएचके मकान देने का वादा किया। महबूबा ने कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस से समर्थन के सवाल पर कहा- दोनों पार्टियों के बीच गठबंधन सीट बंटवारे पर हो रहा है, ना कि एजेंडे पर। अगर दोनों दल हमारी पार्टी का एजेंडा मानेंगे तो हम गठबंधन को तैयार हैं।

हर बूथ पर संगठन पर्व कार्यशाला आयोजित करेगी भाजपा

भोपाल। मध्य प्रदेश में भाजपा संगठन ने 1.5 करोड़ नए सदस्य बनाने का संकल्प लिया है। इसी दिशा में प्रदेश भाजपा 31 अगस्त को प्रत्येक बूथ पर संगठन पर्व कार्यशाला आयोजित करेगी। 25, 26 और 27 अगस्त को मंडल स्तर की तथा 28 और 29 अगस्त को शक्ति केंद्र स्तर की कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। इसके बाद 31 अगस्त को प्रदेशर के सभी 64,523 बूथों पर ऐसी ही कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। इसके माध्यम से पार्टी का सदस्यता अभियान में एक नया रिकॉर्ड बनाने पर फोकस है। इसके लिए जिलेवार प्रभारी नियुक्त किए गए हैं। प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश प्रभारी, सह प्रभारी सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी जिलों में आयोजित कार्यशाला को संबोधित कर रहे हैं।

तेलुगु स्टार नागार्जुन के कन्वेंशन सेंटर पर बुलडोजर चला

मुंबई। तेलुगु स्टार नागार्जुन के हैदराबाद स्थित अवैध एन कन्वेंशन सेंटर को शनिवार, 24 अगस्त को बुलडोजर से तोड़ दिया गया। उन्होंने यह सेंटर रंगारेड्डी जिले के शिल्परामम के पास माधापुर में हाईटेक सिटी के पास बनाया था। एक्टर पर आरोप था कि उन्होंने झील की जमीन पर इस सेंटर का अवैध निर्माण कराया था। हैदराबाद आपदा राहत एवं संपत्ति संरक्षण एजेंसी की टीम ने आज सुबह इसे गिरा दिया।

उधर, नागार्जुन ने इस कार्रवाई पर नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने कहा, अगर कोर्ट इसे तोड़ने का फैसला देता, तो मैं खुद इसे तोड़ देता। मुझे उम्मीद है कि अफसरों की इस गलत कार्रवाई पर कोर्ट से हमें राहत मिलेगी। नागार्जुन ने इस कार्रवाई पर नाराजगी जाहिर की। अपने ऑफिशियल एक्स अकाउंट पर लिखा, कोर्ट केसेस और स्टे ऑर्डर लेने के बाद भी गैरकानूनी तरीके से कन्वेंशन सेंटर को तोड़ा गया। हमने अवैध निर्माण नहीं किया। ये जगह पट्टा भूमि है। झील की एक इंच जमीन का इस्तेमाल नहीं किया। इस सेंटर से जुड़ी जितनी भी शिकायतें हुई थीं, उन पर स्टे ऑर्डर लिया गया था। आज गलत सूचना के आधार पर इसे तोड़ा गया है। सेंटर को तोड़ने से पहले हमें कोई नोटिस भी नहीं दिया गया था। एन कन्वेंशन सेंटर 6.69 एकड़ में बना था। इसे थुम्मिडीकुंटा झील की 3.30-3.40 एकड़ की जमीन पर अतिक्रमण कर बनाया गया था। हैदराबाद के भास्कर रेड्डी समेत कई शिकायतकर्ताओं ने एचवाईडीआरए से शिकायत की थी।

मप्र में मौसम के स्ट्रांग सिस्टम के चलते हो रही झमाझम बारिश

भोपाल। मध्य प्रदेश में मौसम के स्ट्रांग सिस्टम के चलते प्रदेश भर में झमाझम बारिश हो रही है जिस वजह से कई जगह परेशानी बढ़ गई है। नदी नाले उफान पर हैं। बांधों के गेट खोलकर पानी निकाला जा रहा है। वहीं शनिवार को राजधानी भोपाल में दोपहर अयोध्या नगर क्षेत्र में मयूरी परिसर स्थित राम मंदिर के ऊपर बिजली गिर गई। इससे मंदिर क्षतिग्रस्त हो गया। साथ ही गर्भगृह में भी मलबा फैल गया। लगातार हो रही बारिश से नर्मदापुरम में तवा डैम के तीन गेट 5-5 फीट तक खोले गए हैं। वहीं भोपाल के भदभदा और कलियासोत डैम के 2-2 गेट दोपहर तक खुले रहे। इसके बाद बंद कर दिए गए। इधर मौसम विभाग ने प्रदेश के 45 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है।लगातार हो रही बारिश नर्मदापुरम में तवा डैम के तीन गेट 5-5 फीट तक खोले गए हैं। वहीं भोपाल के भदभदा डैम के दो गेट खोले गए।भोपाल के ही करियासोत डैम का एक गेट खोला। का अलर्ट जारी किया है। बारिश के चलते लैंडस्लाइड होने से शहडोल-उमरिया रेलवे अप-डाउन ट्रैक बाधित हो गया। बाद में अप ट्रैक क्लियर कर दिया गया, जबकि डाउन ट्रैक पर सुधार कार्य चल रहा है।

मध्य प्रदेश मौसम विभाग में अगले कुछ घंटे के लिए अलर्ट जारी किया है जिसके अनुसार रायसेन, राजगढ़, जबलपुर भेड़ाघाट में बिजली के साथ बहुत भारी बारिश होने की संभावना है, साथ ही अशोकनगर, सीहोर, हरदा, उत्तरी खंडवा, नर्मदापुरम

पंचमढ़ी, छिंदवाड़ा, विदिशा उदयगिरि में बिजली के साथ भारी बारिश होने की संभावना है। , शिवपुरी, निवाड़ी ओरछा, छतरपुर खजुराहो, कटनी, मंडला, उत्तरी सिवनी, उत्तरी खरगोन महेश्वर, सीधी, मैहर, नरसिंहपुर के साथ-साथ भोपाल बैरागढ़, गुना, सागर, दमोह, पांडुर्ना में बिजली के साथ मध्यम गरज के साथ बारिश, उत्तरी बैतूल, सतना चित्रकूट, रीवा, शाजापुर, नीमच, श्योपुर कलां, दतिया, ग्वालियर, पन्ना, उज्जैन महाकालेश्वर, उमरिया बांधवगढ़, शहडोल, उत्तरी डिंडोरी, धार, अलीराजपुर में बिजली के साथ हल्की आंधी बारिश होने की संभावना है। ऊपर शाम के समय अनुपपुर अमरकंटक, सिंगरौली, दक्षिण बैतूल, इंदौर, देवास, आगर-मालवा, दक्षिण खंडवा, बुरहानपुर, मुरैना, भिंड, दक्षिण सिवनी, बालाघाट, बड़वानी, झाबुआ, रतलाम, मंदसौर में बारिश होगी। मध्य प्रदेश मौसम विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार शनिवार को भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर और नर्मदापुरम समेत करीब 21 जिलों में पानी गिरा। सबसे ज्यादा उमरिया में करीब पौने दो इंच बारिश दर्ज की गई। रीवा, सागर, जबलपुर और रायसेन में 1-1 इंच बारिश हुई। सीधी, टीकमगढ़, बैतूल, धार, रतलाम, शिवपुरी, छिंदवाड़ा, दमोह, खजुराहो, मंडला, नौगांव, सतना में भी बारिश का दौर जारी रहा।

मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे में श्योपुर, शिवपुरी, गुना, राजगढ़, मंदसौर, रतलाम, उज्जैन, आगर-मालवा, शाजापुर, इंदौर, सीहोर, देवास, खरगोन, बड़वानी, झाबुआ, धार, बुरहानपुर, हरदा, बैतूल, पांढुर्णा, छिंदवाड़ा, सिवनी और बालाघाट में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं, भोपाल, ग्वालियर, नीमच, अलीराजपुर, खंडवा, अशोकनगर, विदिशा, रायसेन, नर्मदापुरम, खंडवा, नरसिंहपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, पन्ना, मैहर, उमरिया, शहडोल, अनूपपुर, डिंडोरी, मंडला और जबलपुर में भी तेज बारिश हो सकती है।

भारतीय जनता पार्टी का वृहद सदस्यता अभियान 1 सितंबर से

अभियान को लेकर जिला कार्यालय में आयोजित हुई महत्वपूर्ण कार्यशाला

सिंगरौली। आगामी 1 सितंबर 2024 से भारतीय जनता पार्टी का अखिल भारतीय स्तर पर सदस्यता महाभियान प्रारंभ होने जा रहा है। इस सदस्यता अभियान 2024 को भारतीय जनता पार्टी ने संगठन पर्व का नाम दिया है। भारतीय जनता पार्टी इस अभियान में 10 करोड़ से अधिक प्राथमिक सदस्य बनाने का लक्ष्य लेकर चल रही है। इस सदस्यता अभियान को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने अपने जिला कार्यालय के सभागार में एक कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला को संबोधित करने के लिये मुख्य वक्ता के रुप में जिले की संगठन प्रभारी श्रीमती प्रज्ञा त्रिपाठी उपस्थित रहीं, विशिष्ट अतिथि के रूप में कोल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक अनूपपुर राम लाल रौतेल उपस्थित रहे। अन्य उपस्थित अतिथियों में विधायक द्वय रामनिवास शाह, राजेंद्र मेश्राम, पूर्व विधायक राम लल्लू वैश्य, अमर सिंह, निगम अध्यक्ष देवेश पांडेय, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य वीरेन्द्र गोयल, सदस्यता अभियान के प्रभारी एवं जिला महामंत्री सुंदरलाल शाह मंचासीन रहे।

कार्यशाला का शुभारंभ भारत माता एवं पितृ पुरुषों के छायाचित्र पर माल्यार्पण से हुआ। कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन एवं विषय परिचय जिलाध्यक्ष राम सुमिरन गुप्ता ने दिया। जिलाध्यक्ष ने उपस्थित समस्त पदाधिकारियों का अभिवादन किया तथा सदस्यता महाभियान के विषय पर संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि आज के समय हमारे भारतीय जनता पार्टी का हर कार्यक्रम हाईटेक तरीके से होता है तथा सारा डिजिटल डाटा एक स्थान पर केंद्रित किया जाता है। ये सदस्यता अभियान पूरी तरह से डिजिटल होगा तथा हम सबको सदस्यता अभियान में अपने ही पिछले रिकॉर्ड को तोड़ना है। सिंगरौली जिले के संगठन? की प्रशंसा प्रदेश स्तर? पर होती है तथा हमें सदस्यता अभियान में अपनी छाप प्रदेश स्तर पर छोड़नी है।

अपने संबोधन में कोल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष राम लाल रौतेल ने कहा कि संगठन से प्रेरित कार्यकर्ताओं का समूह हमारे पास है जो किसी भी कार्य को सम्पन्न करने में पूर्ण रुपेण सक्षम है?। आज हमारे लिये समाज में जो अनुकूलता बनी है उसके पीछे हमारी पीढ़ियों का संघर्ष और बलिदान है। जन संघ से लेकर आज तक का हमारा सफर संघर्षों से भरा रहा है। आज पूरा विश्व हमें स्वीकार कर रहा है इसके पीछे हमारे नैतिक सिद्धांत ही हैं। हमारे सिद्धांत के नये कार्यकर्ता हमारे संगठन से जुड़ें और हम अपने आप को पुनः सबसे बड़े राजनैतिक संगठन के रूप में स्थापित करें इस लिये इस सदस्यता अभियान को हमें लगन और निष्ठा से पूर्ण करना है।कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता एवं संगठन प्रभारी श्रीमती प्रज्ञा त्रिपाठी ने अपने उद्बोधन में कहा कि सिंगरौली जिला अपने सांगठनिक कार्यों के लिए प्रदेश के अव्वल जिलों में गिना जाता है। आज भारतीय जनता पार्टी ने सिंगरौली के अपने कार्यकर्ताओं के उत्कृष्ट कार्यों के? कारण लोक सभा और उससे पूर्व विधानसभा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर चुकी है।

कार्यशाला को विधायक रामनिवास शाह एवं राजेंद्र मेश्राम ने भी संबोधित किया। अभियान में पदाधिकारियों तथा जन प्रतिनिधियों के दायित्वों का विवरण अभियान प्रभारी तथा जिला महामंत्री सुंदरलाल शाह ने प्रस्तुत किया, सदस्यता अभियान को डिजिटल तरीके से पूर्ण करने तथा नये सदस्यों को जोड़ने की तकनीकी विधि को जिला मीडिया प्रभारी नीरज सिंह परिहार ने कार्यकर्ताओं के समक्ष प्रस्तुत की, मंच का संचालन सदस्यता अभियान की सदस्य तथा जिलामंत्री पूनम गुप्ता ने किया तथा आभार प्रकटन अभियान के सदस्य एवं जिलामंत्री ध्रुव सिंह ने किया। कार्यशाला में मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष सरोज शाह, सरोज सिंह, आशा यादव, चंद्रिका वैश्य, प्यारेलाल चतुर्वेदी, अरविंद दुबे, राजेश तिवारी, जिला महामंत्री अरविंद तिवारी, विनोद चौबे, बबिता जैन, कलावती यादव, प्रवेन्द्र धर द्विवेदी, कोषाध्यक्ष हरिदास गुप्ता, कार्यालय मंत्री कृष्ण कुमार कुशवाहा, वरिष्ठ नेता संतोष वर्मा, राजेंद्र द्विवेदी, नरेश शाह, लालजी शाह, रमापति जायसवाल, मोर्चा जिलाध्यक्ष सीमा जायसवाल, विनोद चौबे, परवेज अहमद, समस्त मंडल अध्यक्ष एवं महामंत्री, प्रकोष्ठ संयोजक तथा अपेक्षित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वर्तमान माह में ही होगा खाद्यान्न सामग्री राशन का वितरण

सिंगरौली। जिला आपूर्ति अधिकारी पीसी चंद्रवंशी ने बताया कि खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के प्रमुख सचिव द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 अंतर्गत संचालित लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली योजना के सुचारू क्रियान्वयन और पात्र हितग्राहियों को समय पर खाद्यान्न उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वर्तमान माह में ही खाद्यान्न का वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए हैं।इन निर्देश के परिपालन मे हितग्राहियों को आगामी दिनांक 31 अगस्त 2024 तक वर्तमान अगस्त माह का खाद्यान्न वितरण किया जाएगा। उन्होने बताया कि आगामी माह (निरन्तर) में भी खाद्यात्र का वितरण संबंधित माह की 01 से 30 तारीख की अवधि में पूर्ण किया जाएगा। जिला आपूर्ति अधिकारी पीसी चंद्रवंशी द्वारा समस्त पात्रता पर्ची धारी हितग्राहियों से पात्रतानुसार अगस्त माह का खाद्यान्न आगामी 31 अगस्त तक उचित मूल्य दुकान में उपस्थित होकर प्राप्त करने का आग्रह किया गया है। उन्होंने अवगत कराया कि शासन के निर्देशानुसार आगामी सितम्बर माह में अगस्त माह के खाद्यान्न की पात्रता या राशन वितरण नहीं होगा। इसी तरह अब हितग्राहियों को वर्तमान माह की किसी भी तिथि पर खाद्यात्र सामग्री प्राप्त करना आवश्यक है।

ब्लास्टिंग के कारण जर्जर हुए मकान का हिस्सा बरसात में गिरा

मोरवा इलाके के भगत सिंह कॉलोनी की घटना

सिंगरौली

मोरवा के अधिकांश मकान एनसीएल के ब्लास्टिंग के कारण जर्जर स्थिति में हो गए हैं। ऐसे में लगातार हो रही बरसात से मकानों के धराशाही होने का खतरा बना हुआ है। शनिवार सुबह भी भगत सिंह कॉलोनी स्थित मनमोहन शर्मा पिता लक्खाराम शर्मा के मकान का एक हिस्सा बरसात के कारण गिर गया। गनीमत यह रही कि उसे समय उस कमरे में कोई नहीं था। बताया जाता है कि मकान के पिछले हिस्से में बने कमरे में मनमोहन शर्मा के भाई विपिन शर्मा सोया करते है, परंतु नाइट शिफ्ट में ड्यूटी होने के कारण वह घर पर नहीं थे। सुबह करीब 4ः30 बजे जब यह घटना घटी तो उनके परिजनों ने उन्हें सूचित किया। घर पहुंच के घर की स्थिति देख वह आवाक रह गए। घर के एक हिस्से की दीवार पूरी तरह धराशाही हो गई थी, जिस कारण पीछे की दीवार समेत एक कमरे में रखा टीवी, कंप्यूटर समेत अन्य सामान क्षतिग्रस्त हो गया। मकान का पिछला हिस्सा जो गिरा वह टीन सेड से छाया हुआ था परंतु मकान के दूसरी तरफ भारी मात्रा में जल भराव हो गया था।

अंदेशा लगाया जा रहा है कि इस कारण नींव कमजोर हो गई होगी जिससे यह हादसा पेश आया। वहीं दूसरी ओर बूढ़ी माई रोड के आगे हरामी चौराहा के पास भी एक बैगा के कच्चे मकान ढह जाने की खबर है। जानकारी मिल रही है कि इस घटना में भी कोई हताहत नहीं हुआ है परंतु इस तरह हो रहे संपत्तियों के नुकसान से लोग चिंतित हैं।

आपका थाना आपके गांव अभियान के तहत जमीन संबंधी समस्याओ का किया जा रहा समाधान

सिंगरौली। पुलिस महानिरीक्षक रीवा जोन रीवा डॉ. एमएस सिकरवार के निर्देशानुसार पुलिस अधीक्षक श्रीमती निवेदिता गुप्ता के निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार वर्मा के मार्गदर्शन में समस्त राजपत्रित अधिकारी (पुलिस), समस्त थाना/चौकी प्रभारियो को निर्देशित किया गया है की थाना क्षेत्री में जमीन संबंधी समस्याओं का समाधान क्षेत्र के तहसीलदार, पटवारी की सहायता से समाधान किया जाये।पुलिस अधीक्षक श्रीमती निवेदिता गुप्ता ?द्वारा वर्तमान समय में जिले में जमीन संबंधी शिकायतें अत्यधिक प्राप्त हो रही है जिससे आपसी विवाद में लड़ाई एवं झगडे तथा कोई बड़ी जन-हानि न हो जाये जिनको ध्यान में रखते हुये पुलिस अधीक्षक ?द्वारा विशेष अभियान चलाया जा कर जमीन संबंधी समस्याओं का समाधान किया जा रहा है।इसी क्रम में आज शनिवार को थाना बैढ़न क्षेत्रांर्गत पुलिस चौकी शासन द्वारा आवेदक कृष्ण प्रताप सिंह निवासी मझौली का जमीनी विवाद अनावेदक उदित नारायण सिंह सुदामा सिंह रमन सिंह निवासी मझौली मे चौकी शासन प्रभारी प्रियंका मिश्रा एवं पुलिस स्टाफ एवं पटवारी की उपस्थिति में मौके पर जाकर आपका थाना आपके गांव के तहत कार्रवाई कर निराकरण किया गया।

सामुदायिक भवन नवानगर में एमआईसी मेम्बर के नेतृत्व में 51 पौधे रोपित किए गए

सिंगरौली। वार्ड 24 स्तिथ सामुदायिक भवन परिसर में एक पेड़ मां के नाम अभियान को गति देते हुए वार्ड पार्षद एवं एमआईसी सदस्य श्रीमती शिव कुमारी कुशवाहा के नेतृत्व में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे नीम, करंज और अशोक के 51 पौधे रोपित किए गए। उक्त कार्यक्रम में वार्ड के नागरिकों सहित सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि सम्मिलित हुए और पौधे रोपित करते हुए उनके सुरक्षा की जिम्मेदारी ली गई।श्रीमती कुशवाहा ने इस दौरान उपस्थित नागरिकों को पौधे का रोपण नियमित करने सहित उनके सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध होना जरूरी बताया और पर्यावरण के चिंतन की बात कही।कार्यक्रम में मुख्य रूप से नीरज कुशवाहा जिला अध्यक्ष आम आदमी पार्टी यूथ विंग,विकास मिश्रा,आशीष कोल, निधि कुशवाहा, जगदीश कुशवाहा, सतीश कुशवाहा,कोमल कोल,आईईसी मैनेजर आशीष शुक्ला,स्वच्छता प्रकोष्ठ से अजय मिश्रा,धर्मेंद्र एवं संतोष कुमार के साथ पूरी टीम उपस्थित रही।

मां धनौजा मंदिर प्रागंण मे कृष्ण जन्माष्टमी के मौके पर भव्य मटकी फोड़ एवं भजन संध्या के साथ विशाल भंडारे का होगा आयोजन

सिंगरौली। माँ धनौजा मंदिर प्रांगण में कृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर भव्य आयोजन की तैयारी की जा रही है। इस खास दिन पर मंदिर परिसर को विशेष रूप से सजाया जाएगा और विभिन्न धार्मिक आयोजनों के माध्यम से भक्तों की आस्था और श्रद्धा को बढ़ावा दिया जाएगा। कार्यक्रम की शुरुआत दिन सोमवार को रामचरितमानस की बैठकी सुबह 8ः00 बजे से होगा, जिसके बाद संस्कृतिक भजन संध्या कार्यक्रम सायं 6ः00 बजे से रात्रि 9ः00 बजे तक चलेगा, बाल खेल प्रतियोगिता रात्रि 9ः00 बजे से 10ः00 बजे तक चलेगा, रात्रि 10ः00 बजे से 12ः00 बजे तक मटकी फोड़

प्रतियोगिता। इसी बीच में महाप्रसाद भंडारा रात्रि 8ः00 बजे से आपके आगमन तक चलेगा। जो इस अवसर पर एक प्रमुख आकर्षण होता है। मढकी फोड़ एक पारंपरिक खेल है जिसमें भक्त मटकी (मिट्टी की हांडी) को फोड़ते हैं, जो भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं की याद दिलाता है। इस खेल में हिस्सा लेने वाले भक्त अपने कौशल और उत्साह का प्रदर्शन करेंगे, जिससे पूरे मंदिर प्रांगण में एक उत्सवी माहौल बनेगा। मढकी फोड़ का यह आयोजन न केवल धार्मिक महत्व रखता है, बल्कि यह समुदाय के एकता और सहयोग को भी दर्शाता है। भजन गायकों की टोली कृष्ण भक्ति से जुड़े विभिन्न भजन प्रस्तुत करेगी। भजन संध्या का उद्देश्य भक्तों को भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं और शिक्षाओं से जोड़ना और उनके मन को शांति और आनंद से भरना है। भजन संध्या के दौरान भक्त श्रद्धा भाव से संगीत का आनंद लेंगे और एकजुट होकर प्रभु की आराधना करेंगे। इस भंडारे में सभी भक्तों को स्वादिष्ट और पौष्टिक भोजन परोसा जाएगा, जो इस अवसर की विशेषता को और बढ़ाएगा। यह भंडारा सबको एक साथ बैठकर भोजन करने और आपसी भाईचारे को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगा इस प्रकार माँ धनौजा मंदिर में जन्माष्टमी के मौके पर आयोजित होने वाले ये धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम भक्तों के लिए एक अद्वितीय अनुभव होंगे, जो उनके आध्यात्मिक जीवन को समृद्ध करेंगे। साथ ही खेल में शामिल होने बालें पूर्व से ही रजिस्ट्रेशन कराने का आग्रह किया गया है।

संस्कार वैली इंटरनेशनल स्कूल में धूमधाम से मनाई गई श्री कृष्णा जन्माष्टमी

सिंगरौली। मप्र शासन सामान्य प्रशाशन व् कार्यालय कलेक्टर के पत्र स्कूल में जन्माष्टमी मनाने के आदेशनुसार आज संस्कार वैली इंटरनेशनल स्कूल में धूमधाम से श्री कृष्ण जन्माष्टमी और सभी कक्षा के बच्चो के लिए मटकी फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बच्चो ने मटकी फोड़ प्रतियोगिता में बढ़चढ़ कर भाग लिया।साथ ही श्री कृष्ण की शिक्षा ,मित्रता और जीवन पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया

।नन्हे मुन्हे बच्चे श्रीकृष्ण ,राधा, बलराम,सुदामा और अन्य के रूप में सजधज कर पहुंचे थे । राधा और कृष्ण बाल गोपालो ने सभी का मन मोह लिया । बच्चो, शिक्षकों और अभिभावकों ने सर्वप्रथम माँ सरस्वती ,श्री कृष्ण ,राधा की पूजा कर, श्री कृष्ण का जन्मोत्सव मनाया ।नृत्य के माध्यम से श्री कृष्ण की सुन्दर झांकी भी प्रस्तुत की ड्ड बच्चो ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जिसमे क्रमशः राधा नर्सरी मान्या सिंह, कक्षा 1 आयुक्ता सिंह कक्षा 2 वेदिका चतुर्वेदी कक्षा 6 वर्णिका सोनी अंजली विश्वकर्मा कक्षा 7 शिक्षा साह कक्षा 8 आयशा तिवारी हंसिका जैन रिद्धि सत्तावर कक्षा 11 संजना शाह और कृष्ण कक्षा 1 अरिकेत सिंह कक्षा 2 व्योम सोनी कक्षा 3 कार्तिक सुथार कक्षा 4 वियान सिंह कक्षा 9 रूद्र प्रताप सिंह ने कृष्ण राधा के गीतों में नृत्य की प्रस्तुति दी ड्ड कार्यक्रम का सफल मंच सञ्चालन हेड प्रियंका श्रीवास्तव व् डायरेक्टर सुरेंद्र कुमार सोनी द्वारा किया गया। कार्यक्रम के बाद सभी बच्चो, अतिथियो, अभिभावकों को प्रसाद मिठाई बाटी गई ।डायरेक्टर सुरेंद्र कुमार सोनी ने छात्र-छात्राओं के इस तरह के बेहतर कार्यक्रम के संचालन के लिए सभी शिक्षकों को धन्यवाद प्रेषित करते हुए कहा कि भविष्य में स्कूल के सभी शिक्षक शिक्षिकाएं अपना बेहतर प्रदर्शन करते हुए इन छात्रों का उज्जवल भविष्य बनाने में सहयोग करें जो आगे चलकर अपने बेहतर भविष्य निर्माण के साथ साथ परिवार समाज और देश की उन्नति और खुशहाली में सहयोगी बन सके और कहा की श्रीकृष्ण जन्माष्टमी जैसे कार्यक्रमों से बच्चे हमारी संस्कृति धर्म और जीवन जीने की रह सिखाते है।

नशा और रफ्तार बनी दुर्घटना की वजह, दो बाइक सवार की टक्कर, एक की मौत, दो गंभीर

सिंगरौली। बधौरा चौकी क्षेत्र के अमिलिया घाटी में नशा और तेज रफ्तार तेज रफ्तार ने एक बार फिर एक युवक की जान ले ली. दोनों बाइक आपस में आमने-सामने से टकराने से एक युवक की मौत हो गई है, वहीं 2 युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनका इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है. जबकि एक युवक को मामूली चोट आई है। वहीं घटना के बाद कर्सुआराजा गांव में शोक की लहर है.

मिली जानकारी के अनुसार कर्सुआराजा निवासी बनवारी लाल यादव पिता सोनई यादव उम्र 47 वर्ष अपने साथी जयंत लक्ष्मी मार्केट निवासी सुजीत सिंह उम्र 42 वर्ष डोगरी स्थित एपीएमडीसी कंपनी में ड्राइवरी का काम करतें थे। ड्यूटी करने के बाद अपने घर वापस बैढ़न लौट रहे थे। इसी दौरान लल्लू सिंह गोड़ पिता बहादुर सिंह उम्र 30 वर्ष निवासी भलया टोला अपने साथी शिव कुमार सिंह पिता सुंदर पाल सिंह गोड़ उम्र 32 वर्ष निवासी भलया टोला दोनों शराब के नशे में धुत मुहेर से अपने घर वापस भलया टोला जा रहे थे।

जन जागरूकता के लिए प्रधानमंत्री जनमन योजना कार्यशाला का जिला पंचायत सभागर में हुआ आयोजन

सिंगरौली। प्रधानमंत्री जनमन योजना प्रधानमंत्री आदिवासी, जनजातीय न्याय महा अभियान अंतर्गत कार्यशाला का आयोजन जिला पंचायत सभागार में राम लाल रौतेल अध्यक्ष राज्य स्तरीय कोल जन जाति विकास प्राधिकरण के मुख्य अतिथि एवं सिंगरौली विधानसभा के विधायक राम निवास शाह, देवसर विधानसभा के विधायक राजेन्द्र मेश्राम, कलेक्टर चन्द्रशेखर शुक्ला के के गरिमामय उपस्थिति में प्रधानमंत्री जन मन योजना कार्यशाला का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत में दीप प्रज्जवलन कर एवं महात्मा गांधी, बिरसा मुंडा एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर के छाया चित्रो पर जन प्रतिनिधियों एवं अधिकारीगण द्वारा पुष्प अर्पित कर उनके जनजातीय उत्थान कार्यों का स्मरण किया गया।

सैकड़ों एकड़ शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा करने वालों पर दर्ज होगा मामला

ग्रामीणों की शिकायत पर देवसर एसडीएम ने दिया आश्वासन, शासकीय भूमि को अतिक्रमण कारियों से कराया जायेगा मुक्त

सिंगरौली। देवसर तहसील के ग्राम गौरवा, झखरावल, बम्हनी एवं बहेरवाडांड की सैकड़ों एकड़ शासकीय भूमि पर सरहंगों ने कब्जा कर रखा है। जिससे आम लोगों का निस्तार बंद हो गया है। इसके साथ ही मवेशियों के लिये भी काफी दिक्कत हो रही है। इसी मामले को लेकर शनिवार को ग्रामीणों ने एसडीएम देवसर को ज्ञापन सौंपकर शासकीय भूमि का सरहंगों से कब्जे से मुक्त कराने की मांग की है। एसडीएम देवसर ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया है कि अतिक्रमण कारियों को चिन्हिंत कर लिया गया है उनके खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज कराने के निर्देश दिये जायेंगे।

उल्लेखनीय है कि सेमरा नदी ग्राम झखरावल, गौरवा, बम्हनी , बहेरवाडांड से होकर गुजरती है। नदी के किनारे सैकडों एकड़ शासकीय भूमि है। जो ग्रामीणों एवं आम लोगों के निस्तार के साथ ही मवेशियों के चारा के रुप में उपयोग होती आ रही है। लेकिन अब उस जमीन पर कुछ सरहंगों ने अपना कब्जा जमा लिया है। वहां मवेशियों एवं आम लोगों का चलना मुश्किल हो रहा है। शासकीय भूमि पर तेजी से निर्माण हो रहे हैं एवं सरहंगों ने खेती करना शुरु कर दिया है। कुछ लोगों के सरहंगता की वजह से हजारों लोग मुश्किल में हैं। ग्रामीणों ने एसडीएम से अनुरोध किया है उक्त शासकीय भूमि पर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ निर्णायक कार्यवाही की जाय और शासकीय भूमि को

कब्जा से मुक्त कराया जाय।

एसडीएम कार्यालय पहुंचे ग्रामीण सेमरा नदी के किनारे स्थित राजस्व विभाग की भूमि वर्षों से रिक्त पड़ी हुयी थी। जिस पर कई गांव के लोग आम निस्तार करते रहे हैं। मवेशियों के चारा की व्यवस्था भी वहीं होती थी। वहां मवेशी स्वच्छंद विचरण करते रहे हैं और नदी का पानी पीते थे। लेकिन पिछले कुछ वर्षों से उक्त राजस्व विभाग की भूमि पर कुछ चंद लोगों ने गिरोह बनाकर सरहंगता पूर्वक कब्जा कर लिया है। ग्रामीणों की मांग है की सेमरा नदी के किनारे स्थित जमीन को पूर्णतः अवैध कब्जा मुक्त कराया जाय,सेमरा नदी के किनारे बने मकान एवं खेती को नष्ट किया जाय,अतिक्रमण कारियों पर मामला दर्ज कराया जाय,बहेरवाडांड में बने तालाब को अतिक्रमण कारियों से मुक्त कराया जाय,झखरावल एवं बम्हनी में बने स्टाप डेम को अतिक्रमण कारियों से मुक्त कराया जाय,ग्रामीणों को यह हो रही परेशानी ,मवेशियों को चराने के लिए भूमि, जमीन नहीं बची है शव जलाने एवं अन्य अंतिम संस्कार की क्रिया के लिए जगह नहीं ,बच्चों के खेल के लिए जगह नहीं ,नदी का दायरा सिकुड रहा, नदी का अस्तित्व संकट में। सरहंगों के हौसले बुलंद हो रहे शासकीय भूमि पर लगातार बढ़ रहे अतिक्रमण पर कार्यवाही नहीं होने से सरहंगों के हौसले बुलंद हैं। वे जहां कहीं भी खाली भूमि पाते हैं बिना डरे सहमे अंधाधुंध तरीके से अतिक्रमण कर रहे हैं। जिससे जगह का काफी कमी पड़ रही है। विवाद की स्थिति बन रही है। शासकीय भूमि पर कुछ लोगों के कब्जे से आम लोगों को चलना मुश्किल है। शासकीय भूमि पर कुछ लोगों ने सरहंगता पूर्वक कब्जा किया है। कुछ अतिक्रमण कारियों ने एक गिरोह बना रखा है। जिसमें कुछ चंद लोग शामिल है। जो आस - पास की रिक्त समस्त भूमि अपना मकान बना लिये हैं और खेती कर लिये हैं। अब ग्राम वासी जो पूर्व की तरह उक्त जमीन में सार्वजनिक रुप से निस्तार उन्हें अतिक्रमण कारी रोकते हैं विवाद की स्थित आये दिन बनती है।

पश्चिम मध्य रेल

खुली निविदा (दो पैकेट प्रणाली),
इंजीनियरिंग निर्माण शाखा

उप–मुख्य इंजीनियर (निर्माण) पश्चिम मध्य रेल, रीवा, भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ई.–निविदा आमंत्रित करते है। निविदाएँ बन्द होने की तारीख 20/09/2024 एवं समय 15:00 बजे तक है। निविदाकर्ता अपनी मूल / संशोधित निविदा बंद होने के दिनांक एवं समय तक प्रस्तुत कर सकते है। उपरोक्त निविदा में हस्त निविदाएं स्वीकार्य नही होगी तथा हस्त निविदाओं का उपेक्षित कर दिया जाएगा। निविदाए पूर्व उल्लेखित समय एवं दिनांक पर खोली जाएगी। निविदा क्रमांक: डिप्टी.सी.ई.सी – 1/रीवा–12–2024 दिनांक – 21/08/2024, कार्य का नाम लोकेशन सहित: रीवा – सीधी नई बड़ी लाइन रेल लाइन परियोजना के संबंध में सीधी में विभिन्न सेवा भवनों यथा अधिकारी विश्राम गृह (ओआरएच) अधीनस्थ विश्राम गृह (एसआरएच) निर्माण शिविर कार्यालय एईएन/एईई कार्यालय पीडब्ल्यूआई/आईओडब्ल्यू कार्यालय आदि का निर्माण।, निविदा का अनुमानित मूल्यः रू. 125637190.73, निविदा फार्म की (कीमत रूपये) : रू. 0.00, बयाना राशि (रूपयें में) : रू. 778200.00, कार्य समापन अवधि (माह): 14 माह मानसून सहित, ई– निविदा बंद होने की और खुलने की तिथि एवं समयः दिनांक 20/09/2024 को 15:00 बजे बंद एवं 15:00 बजे के बाद खोली जाएगी। निविदाकर्ताओं से अनुरोध है, कि वे समय–समय पर बदलाव व शुद्धि पत्रों हेतु IREPS की वेबसाइट https://www.ireps.gov.in देखते रहें। न्यूनतम पात्रता मानदंड टेन्डर फार्म के अनुसार इन निविदाओं के लिए लागू होगा।

उप–मुख्य इंजीनियर (निर्माण), पमरे, रीवा

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

समृद्धशाली भारत के संकल्प के साथ भाजपा के सदस्यता अभियान में जुटे : गोटिया

ढाई लाख से अधिक जिले में बनेंगे बीजेपी के सदस्य : देव कुमार

सीधी। भारतीय जनता पार्टी के सदस्यता अभियान में शामिल होना गर्व की बात है। आगामी 1 सितंबर से भारतीय जनता पार्टी का संगठन महापर्व सदस्यता अभियान के रूप में प्रारंभ होने जा रहा है। 18 करोड़ सदस्यता के साथ भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है। अंत्योदय का उत्थान , दलित, शोषित ,वंचित, गरीबों का उत्थान एवं समृद्धि करण हेतु भारतीय जनता पार्टी के सदस्यता अभियान का हिस्सा बने।

उक्त आशय के विचार भाजपा जिला अध्यक्ष देव कुमार सिंह चौहान की अध्यक्षता में आयोजित सदस्यता अभियान कार्यशाला को संबोधित करते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता पूर्व कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त विनोद गोटिया ने बतौर मुख्य अतिथि, भाजपा प्रदेश मंत्री एवं जिला संगठन प्रभारी राजेश पांडे, सांसद डॉक्टर राजेश मिश्रा, विधायक श्रीमती रीती पाठक, प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य इंद्र शरण सिंह चौहान, जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू राम जी सिंह ,जनपद अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह परिहार एवं नगर पंचायत अध्यक्ष रामकुमार साहू की विशिष्ट उपस्थिति में व्यक्त की।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए श्री गोटिया ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का सदस्य बनना केवल सत्ता के लिए नहीं बल्कि समाज और देश को समृद्धशाली एवं विश्व की महाशक्ति बनने के लिए बनना है। धारा 370, प्रभु श्री राम लला जी का भव्य मंदिर कोई साधारण घटनाएं नहीं है। भारतीय जनता पार्टी एक देशभक्त, अनुशासित और भारत माता के वैभव शाली विरासत के लिए कार्य करने वाला संगठन है। जो देश के लिए श्रेष्ठ है वहीं भारतीय जनता पार्टी का एजेंडा होता है। विपक्ष का नाम लिए बगैर श्री गोटिया ने कहा कि इसके पहले जितने भी देश के प्रधानमंत्री हुए हैं वे सभी दूसरों की कृपा से बने हैं अर्थात पहले प्रधानमंत्री बने हैं फिर चुनाव लड़े हैं जबकि भारत रत्न अटल जी और मोदी जी देश के ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने पहले जनता का चुनाव के रूप में आशीर्वाद अर्जित किया उसके बाद देश के प्रधानमंत्री बने। भारतीय जनता पार्टी का विचार है कि समता भी हो और ममता भी हो अर्थात समाज का प्रत्येक वर्ग का कल्याण हो, सभी समृद्धिशाली बने और सभी भारत माता को विश्व गुरु बनाने के लिए कार्य करें। किसी का भी शोषण ना हो। भारतीय जनता पार्टी मध्य प्रदेश के प्रदेश मंत्री एवं सीधी जिला संगठन प्रभारी कार्यशाला में शामिल हुए पार्टी पदाधिकारी का वृत्त लेने के पश्चात कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि सीधी जिला जैसे पार्टी के विभिन्न कार्यक्रमों एवं क्रियाकलापों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करता है, उसी प्रकार से सभी पार्टी कार्यकर्ता और पदाधिकारी मिलकर सदस्यता में भी नंबर एक पर रहे। यही मेरी शुभकामनाएं हैं। सदस्यता भारतीय जनता पार्टी का एक अभिन्न अंग है, इसलिए इस पुनीत कार्य में पार्टी के सभी कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी को तन मन के साथ जुटना है। कार्यशाला को संबोधित करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष देव कुमार सिंह चौहान ने कहा कि पार्टी जिले के 1035 बूथो पर 250 से अधिक सदस्य बनाने का लक्ष्य रखते रखेगी। जिसके कारण हम ढाई लाख से अधिक सदस्य बनाने में कामयाब रहेंगे। भाजपा जिला अध्यक्ष श्री चौहान ने पार्टी के स्थापना काल से लेकर आज तक का पार्टी के स्वर्णिम इतिहास को कार्यकर्ताओं के साथ समक्ष रखा, जिसका सभी ने जोरदार तालियां बजाकर अभिनंदन किया। 8800002024 मोबाइल नंबर पर 1 सितंबर से मिस कॉल के माध्यम से बन सकेंगे भाजपा के सदस्य।

स्वागत भाषण सदस्यता अभियान के प्रभारी जिला उपाध्यक्ष अनिल पांडे एवं मंच का संचालन जिला महामंत्री विनोद साकेत ने किया। सदस्यता अभियान के डिजिटल विश्लेषण को जिला महामंत्री डॉ मनोज मिश्रा ने रखा। भारतीय जनता पार्टी के इतिहास और विकास को दर्शाते हुए एक लघु फिल्म भी दिखाई गई, जिसको देखने के पश्चात कार्यकर्ता जोश और उत्साह से भर गए। भारत माता, नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद के शानदार नारे लगाते हुए दिखाई दिए। इस अवसर पर प्रमुख रूप से सांसद प्रतिनिधि डॉक्टर देवेंद्र त्रिपाठी, जिला उपाध्यक्ष अंजू पाठक, डॉ विक्रम सिंह चौहान, प्रमोद द्विवेदी, अमलेश्वर चतुर्वेदी, सरस्वती बहेलिया, सुरेश सिंह चौहान, संदीप द्विवेदी , मोतीलाल पटेल, रामप्रसाद वैश्य, संजय सिंह चौहान, पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष जितेन सिंह चौहान, संतोष पांडे, विनय सिंह चौहान, नीलम पांडे, पुष्पराज सिंह चंदेल, भानु पांडे, धर्मेंद्र शुक्ला, डॉक्टर यू के श्रीवास्तव, जिला मंत्री अमित प्रधान, लोकेश सिंह ,अखिलेश पांडे, सुनीता रानी वर्मा, पूजा सिंह कुशराम, ज्योति कुशवाहा, जिला मीडिया प्रभारी सुरेंद्र मणि दुबे, डॉक्टर मनीला सिंह चौहान, निशांत मिश्रा, पूनम सोनी, राजमणि साहू, लोरिक प्रसाद यादव, चंद्रपाल सिंह उइके, राकेश मौर्य, आगा मंसूर अली खान, शिवदान साकेत ,जनपद उपाध्यक्ष सुमन सिंह, आनंद बिहारी मिश्रा, रजनीश शुक्ला, प्रदीप शुक्ला, विनोद पटेल, सूर्य प्रताप सिंह, मुनिराज विश्वकर्मा, रामराज गुप्ता, जयशंकर प्रसाद द्विवेदी, राजेश्वर पटेल, पुनीत पांडे, प्रवीण तिवारी, कृष्ण लाल पयासी, अनीता सिंह, ईश्वर दिन सिंह सहित अनेक पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विधानसभा क्षेत्र धौहनी के बीएलओ का प्रशिक्षण 27 अगस्त से

सीधी। उपखण्ड अधिकारी एवं निर्वा. रजिस्ट्रीकरण अधिकारी विधानसभा 082 धौहनी (अजजा) ने जानकारी देकर बताया है कि मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश 17 अरेरा हिल्स भोपाल के निर्देशानुसार निर्वाचक नामावली के पुनरीक्षण का कार्यक्रम 2025 बी.एल.ओ. द्वारा मतदाताओं का घर-घर जाकर बी.एल.ओ. एप्प के माध्यम से मतदाता सत्यापन का कार्य दिनांक 20.08.2024 से 18.10.2024 तक किया जाना है। जिसके संबंध में बी.एल.ओ. बैठक का आयोजन किया गया है। उन्होने बताया कि दिनांक 27.08.2024 को दोपहर 01 बजे से सी.एम. राइज स्कूल (उत्कृष्ट) मझौली के सभागार में मतदान केन्द्र 01 से 132 एवं 136 से 151 तक, 29.08.2024 को दोपहर 12 बजे से मंगल भवन तहसील कुसमी में मतदान केन्द्र 133 से 135 एवं 152 से 219 तक तथा 31.08.2024 को दोपहर 12 बजे से शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय महुआगांव विकासखण्ड देवसर में मतदान केन्द्र 220 से 297 तक तहसील सरई में बैठक आयोजित की गई है। उन्होने तहसीलदार एवं सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी मझौली, कुसमी, सरई, देवसर, समस्त बीएलओ सुपरवाईजर एवं समस्त बीएलओ विधानसभा क्षेत्र 82 धौहनी को निर्देशित किया गया है कि नियत तिथि को स्मार्ट फोन के साथ उपस्थित होकर घर-घर मतदाता सत्यापन कार्य का प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे।

जिले में औसत वर्षा 914.5 मि.मी. दर्ज, रामपुर नैकिन में सर्वाधिक वर्षा

सीधी। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि 24 अगस्त को सीधी जिले में 45.6 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। तहसील रामपुर नैकिन में 35.0 मि.मी., चुरहट में 27.0 मि.मी., गोपद बनास में 79.8 मि.मी., सिहावल में 50.0 मि.मी., बहरी में 66.2 मि.मी., मझौली में 42.0 मि.मी. और कुसमी में 18.0 मि.मी. वर्षा हुई है। उल्लेखनीय है कि जिले में अब तक 914.5 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। 01 जून से 24 अगस्त तक तहसील रामपुर नैकिन में सर्वाधिक वर्षा 1138.1 मि.मी. दर्ज की गई है। तहसील चुरहट में 729.2, गोपद बनास में 1023.0, सिहावल में 845.8, बहरी में 799.4, मझौली में 846.0 और कुसमी में 1020.0 मि.मी. औसत वर्षा हुई है जबकि गतवर्ष इसी अवधि में जिले में 535.5 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई थी।

जन्माष्टमी पर्व समारोह पूर्वक भक्तिभाव के साथ मनाया जायेगा

सीधी। शासन द्वारा जन्माष्टमी पर्व मनाये जाने के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश जारी किये गये हैं। जन्माष्टमी पर्व पर प्रत्येक जिले में भगवान श्रीकृष्ण के मंदिरों की साफ-सफाई कार्य एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन तथा भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षा एवं मित्रता के प्रसंग तथा जीवन दर्शन पर आधारित विभिन्न विषयों पर विद्वानों के माध्यम से सभी शासकीय, अशासकीय स्कूल, कॉलेज में व्याख्यान एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।

प्रदेश के ऐसे स्थल जहां भगवान श्रीकृष्ण के जीवन में जुड़े विशेष प्रसंग रहे हैं वहाँ प्रसंगों के अनुकूल जन्माष्टमी के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जाने, शास्त्र सम्मत मंदिर निर्माण के स्थापत्य एवं उनकी विशिष्टयों को इन अवसरों पर प्रचारित प्रसारित करने, हमारे गौरवशाली इतिहास के प्रसंगों, कथानकों, आख्यानों से सभी वर्गों को अवगत कराने तथा सभी शासकीय, अशासकीय विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में भारतीय विशिष्ट परंपराओं, योग आदि पर व्याख्यान एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जाने के भी निर्देश दिये गये हैं।

एमपीआरडीसी करा रही है सडक़ों का मरम्मत कार्य

बरसात के कारण खराब हुई सडक़ों पर जगह-जगह लगाया जा रहा है पैच

सीधी। मप्र सडक़ विकास निगम द्वारा वर्षा ऋतु में आम नागरिकों को सुलभ एवं सुगम यातायात हेतु सडक़ मरम्मत का कार्य युद्धस्तर पर निगम के प्रबंध संचालक अविनाश लवानिया के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। निगम के संभाग स्तर के समस्त मैदानी अधिकारी अपने-अपने आवंटित मार्गों पर मरम्मत का कार्य करा रहे है। संभाग स्तर से मुख्यालय स्तर तक के अधिकारी मार्गों की सतत निगरानी कर रहे है एवं वर्षा ऋतु में गड्ढों को भरने का कार्य निर्बाध रूप से जारी है। मप्र सडक़ विकास निगम द्वारा 22 वरिष्ठ अधिकारियों का दल गठित कर निगम के 13 संभागों में नियुक्त किया गया हैं। नियुक्त अधिकारियों में 5 अधिकारी मुख्य अभियंता स्तर के एवं 5 अधिकारी महाप्रबंधक स्तर के एवं शेष अधिकारी संभागीय स्तर के है। उक्त सभी अधिकारी 3 दिवस दिनांक 24 अगस्त 2024 से दिनांक 26 अगस्त 2024 में प्रदेश की सभी सडक़ों का दौरा करेंगे एवं सडक़ों की विस्तृत रिपोर्ट से प्रबंध संचालक को सौपेगें। सामान्यत: सडक़ों की मरम्मत एवं रखरखाव का कार्य वर्षा ऋतु उपरांत माह अक्टूबर से प्रारंभ किया जाता है। यह पहला मौका है कि एमपीआरडीसी द्वारा वर्षा ऋतु में भी सडक़ों की मरम्मत पेच रिपेयर का कार्य किया जा रहा है। निगम द्वारा सडक़ मरम्मत का कार्य एक अभियान के रूप में किया जा रहा है। इस पहल से क्षेत्र की जनता एवं आम नागरिकों को सुगम एवं

सुलभ यातायात उपलब्ध हो रहा है। दरअसल एमपी आरडीसी द्वारा बरसात के दिनों में जहां सडक़ उखडऩे के मामले सामने आ रहे हैं वहां पैच लगाने का काम शुरू कर देने से वाहनों की आवाजाही में हो रही दिक्कतें दूर होने लगी हैं। बताया गया है कि एमपीआरडीसी द्वारा बरसात के समय में ही जब बारिश बंद रहती है उस दौरान उखड़ी हुई सडक़ में पैच लगाने का काम किया जा रहा है। बरसात के कारण मुख्य सडक़ों में जहां गड्ढे हो रहे हैं वहां पैच लग जाने के कारण दुर्घटना की संभावना भी नहीं रहती। इसी वजह से एमपीआरडीसी के बड़े अधिकारियों द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि बरसात के दिनों में मुख्य सडक़ें सबसे ज्यादा क्षतिग्रस्त होती हैं। यदि उनकी समय पर मरम्मत हो जाए तो समस्याएं दूर हो जाएंगी।

निगम के मुख्य अभियंता संधारण बीएस मीना द्वारा बताया गया कि मप्र सडक़ विकास निगम द्वारा आम जनता के सुलभ एवं सुगम यातायात हेतु वर्षा ऋतु में सडक़ सुधार हेतु यह अभियान चलाया गया है। निगम की प्राथमिकता है कि वर्षा ऋतु में नागरिकों को आवागमन में असुविधा न हो। इसी वजह से मुख्य सडक़ों में युद्ध स्तर पर अभियान चलाकर जहां क्षतिग्रस्त हैं वहां पैच लगाने का काम किया जा रहा है। जिन स्थानों में अभी सुधार नहीं हुआ है वहां भी जल्द ही सडक़ों का सुधार कार्य पैच के माध्यम से हो जाएगा। इसकी निगरानी भी बड़े अधिकारियों द्वारा मौके पर दौरा करके किया जा रहा है। जिससे सडक़ों की हालत बरसात एवं उसके आगे भी बेहतर बनी रहे और वाहनों की आवाजाही में किसी तरह की दिक्कतें सामने न आएं।

75 हजार रूपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृति

सीधी। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने सड़क दुर्घटना में मृतकों के परिजनों को 75 हजार रूपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की है। ग्राम अमगांव तहसील कुसमी जिला सीधी के सूरज सिंह की 29.04.2023 को सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो जाने से निकटतम वारिस पत्नी विद्यावती सिंह को 15 हजार रूपये, ग्राम पटेहरा खुर्द तहसील गोपद बनास जिला सीधी के संजय जायसवाल की दिनांक 30.03.2022 को सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो जाने से निकटतम वारिस पत्नी प्रियंका जायवाल को 15 हजार रूपये, ग्राम चमरदह खैरा तहसील बहरी जिला सीधी की सीतावती कुशवाहा की दिनांक 25.11.2022 को सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो जाने से निकटतम वारिस पुत्र प्रमोद कुशवाहा को 15 हजार रूपये, ग्राम फुलवारी तहसील बहरी के संदीप कुमार द्विवेदी की दिनांक 27.03.2023 को सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो जाने से निकटतम वारिस पत्नी पूजा द्विवेदी को 15 हजार रूपये एवं ग्राम डोल तहसील बहरी के संजय कुमार जायसवाल की दिनांक 20.05.2023 को सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो जाने से निकटतम वारिस पिता गुलाब जायसवाल को 15 हजार रूपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

एनएसयूआई ने शुरू किया कैंपस चलो अभियान, उठाई छात्रों की मांग

सीधी। एनएसयूआई सीधी द्वारा कैंपस चलो अभियान की शुरुआत करते हुए सीधी के प्रभारी रवि सुमित सिंह एवं अदनान अंसारी की विशेष उपस्थिति में जिला अध्यक्ष सौरभ सिंह द्वारा पत्रकार वार्ता का आयोजन कर अभियान के संबंध में जानकारी दी गई कैंपस चलो अभियान की जानकारी देते हुए जिला अध्यक्ष सौरभ सिंह ने बताया कि एनएसयूआई के राष्ट्रीय नेतृत्व के दिशा निर्देश और प्रदेश एनएसयूआई के निर्देशन में जिला एनएसयूआई द्वारा कैंपस चलो

अभियान की शुरुआत की गई है जिसमें हम छात्रों की मांगों को पुरजोर तरीके से उठाते हुए एक मांग पत्र जारी कर रहे हैं उन्होंने मांग पत्र के संबंध में बताते हुए कहा कि छात्र मांग पत्र भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन द्वारा जारी कर पेपर लीक पर कड़ा कानून दोषियों को 20 वर्ष की जेल व 10 करोड़ का जुर्माना समस्त परीक्षाओं पर हो लागू जिम्मेदारों की बर्खास्तगी व संस्थान की मान्यता निरस्त की जाय।

लोकसेवा गारंटी अधिनियम में शामिल हों समस्त छात्रवृत्तियां छात्रवृत्ति भुगतान तक अधिकारियों के वेतन आहरण पर रोक हो। फर्जी छात्रवृत्ति लेने वाले संस्थानों पर 50 करोड़ का जुर्माना व जेल 3 लाख सालाना से कम आय वाले समस्त छात्रों को मिले छात्रवृत्ति छात्रवृत्ति पोर्टल को सुगम बनाएँ सबको शिक्षा- सबको प्रवेश सीट वृद्धि के साथ- साथ प्रारम्भ हों नए पाठ्यक्रम, एनईपी के अनुरूप पसंदीदा विषय लेने की मिले छूट घिसे-पिटे सीलेबस की जगह लागू हों रोजगार मूलक सीलेबस स्ष्ठ/स्ञ्ज हॉस्टल की संख्या इसी सत्र में दोगुना की जाए। इसी सत्र में खोले जाएँ 100 महिला और 50 श्वङ्घस्र छात्रावास प्राध्यापकों के रिक्त पद शीघ्र भरे जाएँ। इसी सत्र से प्रारंभ छात्रसंघ चुनाव प्रारंभ करें। इन सभी मांगों को लेकर हम प्रत्येक कॉलेज कैंपस में छात्रों तक पहुंचेंगे और उन्हें भी अपने साथ जोड़कर इस आंदोलन का हिस्सा बनायेगे छात्रों के हितों के लिए एनएसयूआई हमेशा प्रतिबद्ध है।

दिव्यांग जनों की सहायता हेतु लोकसभा संसदीय क्षेत्र में लगेंगे चलित न्यायालय : डॉ राजेश

सीधी। लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद एवं रेड क्रॉस सोसाइटी के चेयरमैन डॉक्टर राजेश मिश्रा की पहल पर दिव्यांग जनों एवं निःशक्त जनों की सहायता के लिए चलित न्यायालय सीधी और सिंगरौली में लगाए जाएंगे।

सांसद एवं रेड क्रॉस सोसाइटी के चेयरमैन डॉ राजेश मिश्रा ने बताया कि प्रदेश एवं केंद्र सरकार की निशक्तजनों एवं दिव्यांग जनों की चल रही जनकल्याणकारी योजनाओं एवं उनकी सहायता हेतु

अति शीघ्र चलित न्यायालय लगाए जाएंगे, जिसके लिए आयुक्त नि:शक्तजन संदीप रजक की उपस्थिति में 28 अगस्त को सीधी, 29 अगस्त को सिंगरौली मे महत्वपूर्ण बैठक आयोजित होगी। सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने बताया कि मध्य प्रदेश रेडक्रॉस सोसाइटी विशेष मुहिम चला रही है। जिसके अतर्गत दिव्यांगों के प्रमाण पत्र, यू डी आई डी कार्ड उपलब्ध कराने, मोटराइज्ड ट्राईसाईकिल, कृत्रिम उपकरण, श्रवण यंत्र एवं स्वरोजगार हेतु ऋण उपलब्ध कराने जैसे महत्वपूर्ण कार्यों होगे। चलित न्यायालय के माध्यम लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सभी दिव्यांग जनों को त्वरित लाभ प्राप्त होगा।

भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव कार्यक्रम पूजा पार्क में मनाया जाएगा

सीधी। अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा जिला इकाई सीधी के जिला अध्यक्ष बाबूलाल यादव के द्वारा प्राप्त जानकारी के मुताबिक समर बहादुर यादव युवा प्रदेश महासचिव के द्वारा मीडिया को जानकारी देते हुए बताया गया है कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी भगवान श्री कृष्णा का जन्म उत्सव समारोह का कार्यक्रम एवं भंडारे का आयोजन किया गया हैं श्री कृष्ण का जन्म उत्सव समारोह कार्यक्रम बड़े ही धूमधाम के साथ पूजा पार्क मानस भवन सीधी में श्री कृष्ण जन्माष्टमी 26 अगस्त 2024 दिन सोमवार को दोपहर 12:00 से कार्यक्रम प्रारंभ होगा 12:00 पूजा पाठ होगा 2:00 बजे झांकी निकाली जाएगी जो शहर के चौतरफा मार्गो से होकर पुन: शाम को पूजा पार्क पहुंचेगी रात्रि 7:00 बजे से मंची कार्यक्रम होगा मुंबई से चलकर आए हुए सुप्रसिद्ध कलाकार गायिकाओं के द्वारा शु मधुर भजन एवं विभिन्न प्रकार की मनमोहक झांकियो की प्रस्तुतियां की जाएगी सुबह 5:00 तक यह कार्यक्रम चलता है और शाम को विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है जिसमें सीधी जिले के हमारे सभी कृष्ण भक्ति श्रद्धालु भक्तगण सादर आमंत्रित हैं आप सह परिवार कार्यक्रम में उपस्थित होकर भगवान श्री कृष्ण का जन्म उत्सव कार्यक्रम समारोह को सफल बनाएं।

विश्व हिन्दू परिषद स्थापना दिवस के षष्ठी पूर्ति पर 100 पुरोहितो का सम्मान किया गया

सीधी। विश्व हिन्दू परिषद का स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया गया। मानस भवन पूजा पार्क के सामने सर्व प्रथम भगवान राम दरबार के समक्ष दीप प्रज्वलित और स्वतिवचन कर कार्यक्रम आयोजित किया गया। अध्यक्षता गणेश सिंह जिलाध्यक्ष। पूज्य संत शिव मूरत देव मुख्या वक्ता राजेंद्रा सिंह प्रान्त सतसंग प्रमुख विशिष्ठ अतिथि लक्ष्मण सिंह, मंच संचालन जिला मंत्री अनिल कुमार मिश्र द्वारा किया गया।

जिलाध्यक्ष गणेश सिंह ने प्रस्थापना मे कहा विश्व हिन्दू परिषद की स्थापना 1964 में हुई। इसके संस्थापकों में स्वामी चिन्मयानंद, एसएस आपटे, मास्टर तारा सिंह थे।

पहली बार 21 मई 1964 में मुंबई के संदीपनी साधनाशाला में एक सम्मेलन हुआ। सम्मेलन आरएसएस सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर ने बुलाई थी। इस सम्मेलन में हिंदू, सिख, जैन और बौद्ध के कई प्रतिनिधि मौजूद थे। सम्मेलन में गोलवलकर ने कहा कि भारत के सभी मताबलंबियों को एकजुट होने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि हिंदू, हिन्दुस्तानियों के लिए प्रयुक्त होने वाला शब्द है और यह धर्मों से ऊपर है। मुख्य वक्ता राजेंद्र सिंह ने कहा सम्मेलन में तय हुआ कि प्रस्तावित संगठन का नाम विश्व हिंदू परिषद् होगा। 1966 के प्रयाग के कुंभ मेले में एक विश्व सम्मेलन के साथ ही इस संगठन का स्वरूप सामने आया। आगे यह फैसला किया गया कि यह गैर-राजनीतिक संगठन होगा और राजनीतिक पार्टी का अधिकारी विश्व हिंदू परिषद का अधिकारी नहीं होगा। संगठन के उद्देश्य और लक्ष्य कुछ इस तरह तय किए गए हिंदू समाज को मजबूत करना। हिंदू जीवन दर्शन और आध्यात्म की रक्षा, संवर्द्धन और प्रचार विदेशों में रहने वाले हिंदुओं से तालमेल रखना, हिंदू और हिंदुत्व की रक्षा के लिए उन्हें संगठित करना और मदद करना है। विश्व हिन्दू परिषद के षष्ठी पूर्ति पर 100 पुरोहितों का अंग वस्त्र से सम्मान संगठन के समस्त पदाधिकारियो ने सम्मान किया। श्रीमती अजीत द्विवेदी ने आभार प्रकट किया गया। उक्त कार्यक्रम में पुजेरी लाल मिश्र विभाग मंत्री, विभाग संयोजक शैलेन्द्र सिंह, विश्व रंजन प्रताप सिंह विभाग सेवा प्रमुख, रमेश त्रिपाठी विभाग विधि प्रमुख, उमापति सिंह जिला उपाध्यक्ष, रविराय बहादुर सिंह जिला उपाध्यक्ष, राजेश सिंह जिला उपाध्यक्ष, राजेन्द्र सोनी जिला कोषाध्यक्ष, राजकुमार पांडे जिला सह कोषाध्यक्ष, विवेक चौरसिया जिला सह मंत्री, रोहित राठौर जिला सहसंयोजक, अजीत सिंह जिला विशेष संपर्क प्रमुख, अशोक गुप्ता जिला सुरक्षा प्रमुख, उदय शंकर मिश्रा जिला गोरक्षा श्रीमती कुसुम सिंह नगर उपाध्यक्ष श्रीमती प्रियंका मिश्रा जिला मातृशक्ति संयोजिका संध्या मिश्रा जिला दुर्गा वाहिनी सयोंजिका अन्नू सिंह प्रखंड सिमरिया दुर्गा वाहिनी सयोंजिका भास्कर सिंह नगर अध्यक्ष राम सिंह नगर उपाध्यक्ष, विनोद शर्मा नगर उपाध्यक्ष, शेखर भारती नगर संयोजक, राज रखन गुप्ता मुकेश नामदेव दिनेश गुप्ता विनायक गुप्ता, राकेश कुशवाहा रोशन जायसवाल अर्जुन भुजवा, अमन श्रीवास्तव बंटू विश्वकर्मा प्रखंड सिहावल राजन शुक्ला विद्यासागर शुक्ला प्रखंड मझौली मनीष मिश्रा पंकज तिवारी लोकेश चतुर्वेदी बाहरी प्रखंड नागेश्वर द्विवेदी, चुरहट प्रखंड दयानंद पाठक विशेष संपर्क प्रमुख उपस्थित रहे। उक्त जानकारी धीरेश मिश्रा प्रचार प्रसार प्रमुख द्वारा दी गई।

संपादकीय

रिश्तों में संतुलन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को दो यूरोपीय देशों- पोलैंड और यूक्रेन की यात्रा पर थे। पीएम मोदी ने कहा भारत शांति का पक्षधर और दोनों देशों को बात से इस समस्या का हल निकालना चाहिए। पहले वह पोलैंड गये। लेकिन सबकी नजरें उनके यूक्रेन दौरे पर टिकी थी जहां युद्ध विशेष दौर में पहुंच चुका है। पीएम मोदी की पोलैंड यात्रा ऐसे समय हो रही है जब दोनों देशों के बीच कूटनीतिक रिश्तों के 70 वर्ष पूरे हो रहे हैं। वह पिछले 45 वर्षों में पोलैंड जाने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री हैं। उनकी इस यात्रा के दौरान द्विपक्षीय रिश्तों के विभिन्न पहलुओं पर बातचीत हुई। ध्यान रहे, पोलैंड में रह रहे भारतीयों की संख्या करीब 25000 है जिनमें 5000 से ज्यादा स्टूडेंट्स हैं। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद जब वहां फंसे भारतीयों को सुरक्षित निकालने की चुनौती सामने आई थी, तो पोलैंड का सहयोग अहम साबित हुआ था। तब 'ऑपरेशन गंगा' के दौरान करीब 4000 स्टूडेंट्स पोलैंड के रास्ते ही स्वदेश लाए गए थे।

23 अगस्त को पोलैंड से ही ट्रेन के जरिए पीएम मोदी यूक्रेन पहुँचे। यह किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यूक्रेन यात्रा है। खासकर रूस-यूक्रेन युद्ध के संदर्भ में इस यात्रा की अहमियत बहुत बढ़ गई। पिछले महीने जब पीएम मोदी रूस यात्रा पर गए थे और वहां रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पूतिन से मुलाकात की थी, तो उस पर निराशा जताने वालों में यूक्रेन के जेलेंस्की भी थे। एक महीने के अंदर हो रही प्रधानमंत्री मोदी की यूक्रेन यात्रा इस तथ्य को रेखांकित करती है कि भारत रूस और यूक्रेन दोनों के साथ अपने रिश्तों को लेकर गंभीर है और उनके बीच हो रहे युद्ध का असर अपने किसी रिश्ते पर नहीं पड़ने देना चाहता। दिलचस्प है कि जब पीएम मोदी कीव पहुंच रहे हैं तब यूक्रेन की सेना ने कुछ रूसी क्षेत्रों में दबाव बढ़ा रखा है। लेकिन भारत युद्ध के उतार-चढ़ावों से खुद को अलग रखे हुए है। उसका शुरू से कहना है कि कूटनीतिक बातचीत के जरिए ही सारे विवाद हल किए जाने चाहिए। पीएम मोदी जब 2022 में समरकंद में रूसी राष्ट्रपति पूतिन से मिले थे, तब भी उनसे कहा था कि यह युद्ध का दौर नहीं है।

मोदी के यूक्रेन दौरे ने कर दिया चमत्कार, पुतिन ने हमले रोकने के दिये निर्देश, यूक्रेनी जनता में खुशी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने युद्धग्रस्ऽत देश यूक्रेन की ऐतिहासिक यात्रा की और इस बात को दोहराया कि भारत का दृढ़ता से यह मानना है कि युद्ध के मैदान में किसी समस्या का हल नहीं निकलता। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि किसी भी संकट में निर्दोष लोगों की जान जाना पूरी मानवता के लिए बड़ी चुनौती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि शांति के प्रयासों में भारत सतत भूमिका निभाएगा। उन्होंने रूस और यूक्रेन को बिना समय गंवाए बातचीत करने की भी सलाह दी। हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री की इस यात्रा पर दुनिया भर की निगाहें रहीं। खास बात यह रही कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इस बात के निर्देश दे रखे थे कि जब तक मोदी यूक्रेन में हैं तब तक वहां कोई हमला नहीं किया जाये। इसके चलते आज यूक्रेन में कहीं भी सायरन की आवाज नहीं सुनाई दी बल्कि अमन और चैन नजर आ रहा था।

(नीरज कुमार दुबे)

हम आपको बता दें कि अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ रूस-यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान पर बातचीत की है जिसके सकारात्मक परिणाम आने वाले दिनों में मिलने की उम्मीद है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने युद्धग्रस्ऽत देश यूक्रेन की ऐतिहासिक यात्रा की और इस बात को दोहराया कि भारत का दृढ़ता से यह मानना है कि युद्ध के मैदान में किसी समस्या का हल नहीं निकलता। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि किसी भी संकट में निर्दोष लोगों की जान जाना पूरी मानवता के लिए बड़ी चुनौती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि शांति के प्रयासों में भारत सतत भूमिका निभाएगा। उन्होंने रूस और यूक्रेन को बिना समय गंवाए बातचीत करने की भी सलाह दी। हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री की इस यात्रा पर दुनिया भर की निगाहें रहीं। खास बात यह रही कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इस बात के निर्देश दे रखे थे कि जब तक मोदी यूक्रेन में हैं तब तक वहां कोई हमला नहीं किया जाये। इसके चलते आज यूक्रेन में कहीं भी सायरन की आवाज नहीं सुनाई दी बल्कि अमन और चैन नजर आ रहा था।

हम आपको याद दिला दें कि जब रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू हुआ था तब प्रधानमंत्री मोदी की अपील पर ही युद्ध को कुछ समय के लिए रोका गया था ताकि भारतीय छात्र और नागरिक सुरक्षित रूप से वहां से निकल सकें। आज जब गांधी और महात्मा बुद्ध की धरती के प्रधानमंत्री युद्धग्रस्त देश पहुँचे तो अमन का पैगाम लेकर गये। उनके स्वागत को आतुर हर व्यक्ति यही उम्मीद कर रहा था कि मोदी ही रूस को समझा सकते हैं और इस क्षेत्र में शांति ला सकते हैं। खुद राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की जिस बेसब्री के साथ मोदी का इंतजार कर रहे थे और जिस तरह रूस के द्वारा दिये गये जख्मों को मोदी को दिखा रहे थे उससे साफ प्रकट हो रहा था कि जेलेंस्की की आखिरी

उम्मीद भी मोदी ही हैं। जेलेंस्की के कंधे पर हाथ रखे मोदी जब यूक्रेन में तबाही का मंजर देख कर भावुक हुए तो यूक्रेनवासियों को भी लगा कि हमारे दर्द को समझने वाला कोई विश्व नेता आ गया है।

हम आपको बता दें कि अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ रूस-यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान पर बातचीत की है जिसके सकारात्मक परिणाम आने वाले दिनों में मिलने की उम्मीद है। मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ पहले आमने-सामने और फिर प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की, जिसमें रूस-यूक्रेन संघर्ष का बातचीत के जरिए समाधान निकालने के तरीकों पर ध्यान केंद्रित किया गया। बाद में दोनों देशों ने चार एतिहासिक समझौतों पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की। यह समझौते कृषि, विज्ञान, चिकित्सा और सांस्कृतिक क्षेत्रों में आपसी सहयोग बढ़ाने पर हुए। इसके अलावा भारत ने यूक्रेन को मानवीय मदद बढ़ाने की भी घोषणा की। इस दौरान दोनों नेताओं ने अपने विचार भी मीडिया के साथ साझा किये।

हम आपको बता दें कि यूक्रेन के 1991 में स्वतंत्र होने के बाद यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की देश की पहली यात्रा है और यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है, जब यूक्रेन ने हाल ही में रूसी क्षेत्र में आक्रामक सैन्य अभियान चला रखा है। हम आपको याद दिला दें कि मोदी ने इसी साल जून में इटली के अपुलिया में जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान जेलेंस्की से बातचीत की थी। बातचीत के दौरान मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति से कहा था कि भारत यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के पक्ष में वह सबकुछ करेगा, जो वह कर सकता है। उन्होंने कहा था कि 'बातचीत और कूटनीति' के माध्यम से ही शांति लाई जा सकती है। उसी बैठक में यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने प्रधानमंत्री मोदी को कीव आने का निमंत्रण दिया था।

दूसरी ओर, पोलैंड से करीब 10 घंटे की ट्रेन यात्रा के बाद हयात होटल पहुंचने पर भारतीय समुदाय के लोगों ने मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया। प्रधानमंत्री पोलैंड से कीव तक 'रेल फोर्स वन' ट्रेन से गए, जिसमें करीब 10 घंटे का समय लगा। कीव पहुँचने के तुरंत बाद मोदी ने यूक्रेन राष्ट्रीय संग्रहालय में शहीदों पर आधारित एक मल्टी-मीडिया प्रदर्शनी का मुआयना किया, जहां यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने गर्मजोशी से प्रधानमंत्री से हाथ मिलाया और उन्हें गले लगाया। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि संघर्ष में जान गंवाने वाले बच्चों की याद में स्थापित मार्मिक प्रदर्शनी देखकर प्रधानमंत्री भावुक हो गए। मोदी ने इस पर शोक जताया और मारे गए बच्चों के सम्मान में उन्हें याद करते हुए एक खिलौना रखा।

जेलेंस्की के साथ बातचीत से पहले मोदी ने कीव में 'ओएसिस ऑफ पीस' पार्क स्थित सत्य और अहिंसा के प्रतीक महात्मा गांधी की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि भी अर्पित की। विदेश मंत्रालय ने कहा कि मोदी ने सौहार्दपूर्ण समाज के निर्माण में गांधी के शांति के संदेश की कालातीत प्रासंगिकता को रेखांकित किया और कहा कि उनके द्वारा दिखाया गया मार्ग वर्तमान वैश्विक चुनौतियों का समाधान प्रदान करता है। इससे पहले, कीव पहुंचने पर प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर लिखा, ''आज सुबह कीव पहुंचा। भारतीय समुदाय ने बहुत गर्मजोशी से स्वागत किया।'' इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने कुछ तस्वीरें भी साझा कीं, जिनमें वह भारतीय समुदाय के लोगों का अभिवादन और उनसे बातचीत करते दिखते हैं।

हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री की कीव यात्रा को कई हलकों में कूटनीतिक संतुलन के तौर पर देखा जा रहा है, क्योंकि उनकी रूस यात्रा से पश्चिमी देशों में नाराजगी पैदा हो गई थी। कीव की यात्रा से लगभग छह सप्ताह पहले मोदी ने रूस की यात्रा की थी, जिसमें उन्होंने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ संघर्ष समाप्ति के मुद्दे पर गहन विचार-विमर्श किया था।

आरक्षण पर विवाद नहीं, बस स्वस्थ संवाद की जरूरत

विकसित भारत का सपना पूरा करने के लिए राजकीय सेवाओं को समावेशी बनाया जाना चाहिए, भागीदारी के अवसरों को न्यायसंगत करने के प्रति सकारात्मक दृष्टि अपनानी चाहिए। एससी/एसटी की आबादी बढ़ने के अनुसार सेवाओं में उनकी भागीदारी बढ़ाने के कारगर उपाय होने चाहिए। एससी/एसटी के हिस्से का बजट उनकी शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और आवास की बेहतरी पर ही व्यय होना चाहिए। उच्च शिक्षा में आज उनकी स्थिति क्या है, इसका अंदाजा इसी तथ्य से लगता है कि दिल्ली विश्वविद्यालय में सौ साल में मुस्लिम सहित सभी उच्च जातियों के कुलपति बने, परंतु एससी/एसटी से कभी कोई नहीं आया। ऐसा ही हाल बीएचयू, एमएमयू का रहा है।

(श्यौराज सिंह 'बेचैन', हिंदी विभागाध्यक्ष, दिल्ली विश्वविद्यालय)

अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों यानी एससी/एसटी में उपजाति-वर्गीकरण के मुद्दे को लेकर कई संगठन बुधवार को सड़कों पर उतर आए। उनकी चिंता को समझने की जरूरत है। अनुसूचित जातियों को अपनी स्थिति का बोध होना अच्छी बात है। बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर भी कहते थे, गुलाम को गुलामी का एहसास करा दो। बुद्ध कहा करते थे कि दुख का कारण जानो। बड़ा सवाल तो यही है कि इनमें कुछ उपजातियां विकास की मुख्यधारा में क्यों पिछड़ी हैं? विभाजन में समाधान ढूंढ़ने के माननीय सुप्रीम कोर्ट के सुझाव के बाद उपजाति-वर्गीकरण के मुद्दे को लेकर संवाद और भाईचारे पर अमल करना चाहिए। हमें डॉ आंबेडकर के संदेश का सार समझना चाहिए और किसी भी तनाव या टकराव से बचना चाहिए।

जिन उपजातियों की जनसंख्या के अनुपात से भी भागीदारी कमतर है, उनको बताया गया है कि अधिक संख्या वाले तुम्हारा हिस्सा खा रहे हैं, जबकि यह नतीजा है आरक्षित पदों के न भरे जाने का; आरक्षित वर्गों के लिए नए पद सृजित न करने का; निजी क्षेत्र में अमेरिका की तरह 'अफर्मेटिव डायवर्सिटी' (पिछड़े तबकों के लिए अवसर बढ़ाने वाली सकारात्मक विविधता) लागू नहीं किए जाने का; सरकारी शिक्षा को सीमित करने का और निजी क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दुर्लभ हो जाने का। इस संदर्भ में भारतीय विदेश सेवा से सेवानिवृत्त विवेक काटजू ने 15 दिसंबर, 2022 को संसद में राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों का विश्लेषण कर प्रशासनिक सेवाओं में उच्च पदों पर प्रतिनिधित्व के वस्तुपरक सुझाव दिए हैं। उसमें उन्होंने बताया है कि उच्च अधिकारियों के 322 पद हैं, जिनमें संयुक्त सचिव, सचिव और केंद्रीय अधीनस्थ स्टाफ और विभिन्न मंत्रालयों के विभागीय पद हैं। इनमें एससी और एसटी की भागीदारी क्रमशः चार और 4.9 फीसदी है। वे शीर्ष पदों पर हैं ही नहीं। यही कारण है कि संयुक्त सचिव, सचिव और निदेशकों के 45 पदों को लेटरल भर्ती को संभव नहीं होने दिया गया। इन भर्तियों में भी एससी/एसटी/ ओबीसी आरक्षण का प्रश्न खड़ा हो गया है।

काटजू का सुझाव है, 'शीर्ष पदों पर प्रतिनिधित्व पूरा करने के लिए पदोन्नति में रोका गया आरक्षण दिया जाए। पात्रता और आयु कारक को लेकर प्रशासनिक सेवाओं में सकारात्मक सुधार करके प्रतिनिधित्व पूरा किया जा सकता है। सिविल सेवा में सामान्य भर्ती के लिए आयु-सीमा 21 से 32 साल है, जबकि एससी/एसटी के लिए यह 37 साल होता है। होता यह है कि वे अधिक आयु में ही सेवा में जा पाते हैं और शीर्ष पर पहुंचने से पहले ही सेवानिवृत्त हो जाते हैं। उन्हें सेवा काल कम मिलता है, इसलिए सिविल सेवा में उनका कार्यकाल बढ़ाना चाहिए।

विकसित भारत का सपना पूरा करने के लिए राजकीय सेवाओं को समावेशी बनाया जाना चाहिए, भागीदारी के अवसरों को न्यायसंगत करने के प्रति सकारात्मक दृष्टि अपनानी चाहिए। एससी/एसटी की आबादी बढ़ने के अनुसार सेवाओं में उनकी भागीदारी बढ़ाने के कारगर उपाय होने चाहिए। एससी/एसटी के हिस्से का बजट उनकी शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और आवास की बेहतरी पर ही व्यय होना चाहिए। उच्च शिक्षा में आज उनकी स्थिति क्या है, इसका अंदाजा इसी तथ्य से लगता है कि दिल्ली विश्वविद्यालय में सौ साल में मुस्लिम सहित सभी उच्च जातियों के कुलपति बने, परंतु एससी/एसटी से कभी कोई नहीं आया। ऐसा ही हाल बीएचयू, एमएमयू का रहा है।

वस्तुस्थिति से अनभिज्ञ समाज के मानस में कैसी-कैसी धारणाएं पैठ जाती हैं, यह बिहार, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के लोक गीतों में सहज देखी जा सकती है। क्या एससी/एसटी से जुड़ी अत्याचार, उत्पीड़न, छुआछूत की आपराधिक घटनाएं किसी भी संवेदनशील नागरिक की आंखें खोलने को काफी नहीं हैं? सवाल यह भी है कि एससी वर्ग की कुछ उपजातियां आरक्षण में कम क्यों दिखती हैं? यह भ्रामक स्थिति साफ होनी ही चाहिए। अगर विभाजन हुआ, तो संसदीय आरक्षण का क्या होगा? वंचितों के शिक्षण-प्रशिक्षण की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर ध्यान दीजिए। बैकलॉग खाली है, एनएफएस जारी है। विभाजन इनमें इजाफा ही करेगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

वर्ग पहेली 5471

1	2	3		■	■	4	■
5			■	6			7
	■	8			■	9	
10	11		■	12			■
■	13		14		■	15	16
17		■		■	18		
	■	■		■	19		
20				■		■	■

संकेतः बाएं से दाएं
1. हिंदी और उर्दू के भारतीय लेखकों में अद्वितीय लेखक (मूल नाम धनपत राय श्रीवास्तव ने 8 अक्टूबर 1936 को इस दुनिया से अलविदा कहा) (4)
5. पदक, मैडल (3)
6. सहसा, अकस्मात, यकायक (4)
8. चाप, धनुष, प्रबंधालय, डी (3)
9. सारा के सारा, समस्त, पूरा (2)
10. अंतरात्मा, मन, कानशंस, हृदय (3)
12. बर्फ शब्द का अपभ्रंश (3)
13. लगातारघंटा बजने से होने वाला टन-टन शब्द (4)
15. स्याही को अंग्रेजी में यह कहते है (2)
17. पदार्थ का मुख्य और मूल अंश, सत, यथार्थ बात (2)
18. न टलने वाला, अटल, स्थाई (3)
19. हवा, समीर, समीर (3)
20. नामकरण करना, नाम कर्म करना, नाम देना (4)

ऊपर से नीचे
1. प्रेत का स्वामी होने के कारण यमराज को यह भी कहते है (4)
2. मेरा या मेरी (2)
3. स्वस्थ्य करना, नीरोग करना (5)
4. 1962 की निर्देशक मेहबूब खान की फिल्म जिसमें मास्टर साजिद, और कुमकुम आदि की भूमिकाऍं थी (7)
6. बिगाड़, झगड़ा, झंझट (4)
7. अव्यक्त मधुर ध्वनि, बीता या आने वाला दिन (2)
11. लंबाई नापने हेतु दार्शनिक प्रणाली की एक ईकाई (3)
14. छूकर पता लगाना, तलाश करना, मन की थाह लेना (4)
16. किनारे पर, पास, समीप, मेड़ (3)
17. तमस्या, पुरानी फिल्मों की एक दिवंगत अभिनेत्री (3)
18. स्त्री, नारी (3)

वर्ग पहेली 5470 का हल

बे	ग	म	अ	ख्त	र	■	स
गु	म	ना	म	■	त	ब	ला
ना	क	■	र	ट	ना	■	मी
ह	■	ता	ना	■	र	दी	■
■	रा	प	ध	■	■	ना	ता
औ	ह	दा	■	य	■	पा	ना
■	ना	ता	क	ती	■	ठ	■
रा	ई	■	ला	म	■	क	र्म

मोदी दुनिया के एकमात्र ऐसे नेता हैं जो युद्ध के बीच रूस और यूक्रेन, दोनों जगह हो आये हैं

(नीरज कुमार दुबे)

देखा जाये तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यूक्रेन यात्रा पर दुनिया भर की निगाहें रहीं। खास बात यह रही कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इस बात के निर्देश दे रखे थे कि जब तक मोदी यूक्रेन में हैं तब तक वहां कोई हमला नहीं किया जाये।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का यूक्रेन दौरा कई मायनों में अहम रहा। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यूक्रेन यात्रा भर नहीं थी बल्कि मोदी से पहले शायद ही किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने किसी युद्धग्रस्त देश की यात्रा की होगी। यही नहीं, मोदी ही पहले ऐसे भारतीय प्रधानमंत्री भी हैं जिन्होंने दो देशों के बीच चल रहे युद्ध को शांत करवाने के लिए बढ़-चढ़कर प्रयास किये हों। इसे अंतरराष्ट्रीय कूटनीति की शानदार मिसाल नहीं तो और क्या कहेंगे कि मोदी एक तरफ रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मित्रता निभा रहे हैं तो दूसरी ओर युद्ध से त्रस्त और पस्त यूक्रेन को मानवीय मदद भी मुहैया करा रहे हैं। यही नहीं, आप दुनिया के किसी भी देश को देख लीजिये या तो वह यूक्रेन के साथ है या रूस के। लेकिन मोदी के नेतृत्व वाला भारत दोनों देशों के साथ खड़ा है। मोदी से पहले दुनिया के बड़े-बड़े राष्ट्राध्यक्षों ने भले युद्धग्रस्त यूक्रेन का दौरा किया हो लेकिन भारतीय प्रधानमंत्री पहले ऐसे विश्व नेता बन गये हैं जो युद्ध के बीच रूस और यूक्रेन, दोनों जगह हो आये हैं और दोनों ही जगह उन्होंने शांति का संदेश दिया है।

देखा जाये तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यूक्रेन यात्रा पर दुनिया भर की निगाहें रहीं। खास बात यह रही कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इस बात के निर्देश दे रखे थे कि जब तक मोदी यूक्रेन में हैं तब तक वहां कोई हमला नहीं किया जाये। इसके चलते आज यूक्रेन में दिन भर कहीं भी सायरन की आवाज नहीं सुनाई दी बल्कि अमन और चैन नजर आ रहा था जिसके चलते यूक्रेनी जनता खुश नजर आ रही थी। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि जब रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू हुआ था तब प्रधानमंत्री मोदी की अपील पर ही युद्ध को कुछ समय के लिए रोका गया था ताकि भारतीय छात्र और नागरिक सुरक्षित रूप से वहां से निकल सकें।

आज जब गांधी और महात्मा बुद्ध की धरती के प्रधानमंत्री युद्धग्रस्त देश पहुँचे तो अमन का पैगाम लेकर गये। उनके स्वागत को आतुर हर व्यक्ति यही उम्मीद कर रहा था कि मोदी ही रूस को समझा सकते हैं और इस क्षेत्र में स्थायी शांति ला सकते हैं। खुद राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की जिस बेसब्री के साथ मोदी का इंतजार कर रहे थे और जिस तरह रूस के द्वारा दिये गये जख्मों को मोदी को दिखा रहे थे उससे साफ प्रकट हो रहा था कि जेलेंस्की की आखिरी उम्मीद भी मोदी ही हैं। जेलेंस्की के कंधे पर हाथ रखे मोदी जब यूक्रेन में तबाही का मंजर देख कर भावुक हुए तो यूक्रेनवासियों को भी लगा कि हमारे दर्द को समझने वाला कोई विश्व नेता आ गया है।

वैसे राजनीतिक हलकों में प्रधानमंत्री की कीव यात्रा को कूटनीतिक संतुलन के तौर पर भी देखा जा रहा है, क्योंकि उनकी रूस यात्रा से पश्चिमी देशों में नाराजगी पैदा हो गई थी। उल्लेखनीय है कि कीव की यात्रा से लगभग छह सप्ताह पहले मोदी ने रूस की यात्रा की थी, जिसमें उन्होंने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ संघर्ष समाप्ति के मुद्दे पर गहन विचार-विमर्श किया था।

आज का राशिफल

मेष
आज लाभ से भरा होगा और कारोबार में आपकी योजनाएं सफल होंगी। दिन भाग?यशाली हैं और योजनाएं सफल होंगी। आपके धन में वृद्धि होने से भाग?य का साथ मिलेगा और कारोबार में मुनाफा बढ़ेगा। आमदनी संतोषजनक रहेगी और ससुराल के लोगों से आपको लाभ मिल सकता है।

वृषभ
आज करियर के मामले में लाभ होगा और आपके सुख में वृद्धि होने से मन काफी प्रसन्न होगा। आपके परिवार में आनंद का माहौल रहेगा और आप सभी लोगों के साथ मिलकर रहेंगे। किसी बुजुर्ग से धन प्राप्ति हो सकती है। नौकरी में स्थान परिवर्तन के साथ ही आपकी उन्नति भी होगी और कारोबार से जुड़ी योजनाएं सफल होंगी।

मिथुन
आज करियर में लाभ होगा। कोई मुकदमा चल रहा है तो उसका फैसला आपके हित में आ सकता है और आपको शीघ्र ही इस मामले में कोई बड़ा फैसला लेना पड़ सकता है। यदि आप नौकरी करते हैं तो अधिकारियों की कृपा से अधिकारों में वृद्धि हो सकती है।

कर्क
आज करियर में सफलता का दिन है। आपके सुख सम्मान में वृद्धि होगी और आपका मन काफी प्रसन्न होगा। आपको सेहत को लेकर काफी कुछ भागदौड़ करनी पड़ सकती है और परिवार के लोगों के साथ कुछ विवाद हो सकते हैं।

सिंह
आज दिन आर्थिक मामलों में लाभ से भरा होगा। यदि आप व्यापारी हैं तो आपके व्यापार में कुछ बड़े परिवर्तन हो सकते हैं। नौकरीपेशा हैं तो आपके अधिकार में वृद्धि होगी। आपको आर्थिक मामलों में लाभ होगा और आपके सम्मान में वृद्धि होगी। परिवार की तरफ से भी शुभ समाचार मिलेगा।

कन्या
आज करियर के मामले में लाभ होगा और आपकी जिम्मेदारियां भी बढ़ सकती हैं। आप अपनी शानशौकत के लिए धन का अपव्यय कर सकते हैं। कोई भी काम बहुत संभलकर करें। आप दूसरों के काम के लिए काफी दौड़भाग करेंगे और अपना काम मन लगाकर करेंगे। इसका लाभ आज आपकी संतान को मिलेगा।

तुला
आज दिन सफलता से भरा होगा और आपके रुके कार्य पूर्ण होंगे। बिजनस में निवेश बढ़ाने का फैसला न लें वरना आपको नुकसान हो सकता है। कोई राजकीय दण्ड भी प्राप्त हो सकता है। इसलिए जोखिम के काम से दूर रहें। शाम से लेकर रात तक तक भी छोटे-मोटे कष्ट और दौड़भाग हो सकती है। मानहानि की संभावना बनी रहेगी।

वृश्चिक
आज लाभ का दिन है और आपके सुख में वृद्धि होने से आपका मन प्रसन्न रहेगा। आपके पद और अधिकारों में वृद्धि होगी। साहस और पराक्रम में वृद्धि होगी। आपके सामने शत्रु नतमस्तक होंगे। संतान के प्रति आपकी प्रेम भावना बढ़ेगी। शाम से लेकर रात का समय आनंद में बीतेगा और आपका मन अच्छे काम में लगेगा।

धनु
आज करियर में लाभ का दिन है और आपका मन अच्छे काम में लगेगा। आपके ज्ञान में वृद्धि होगी और आप बुद्धि विवेक से नई-नई खोज कर पाएंगे। शाम के वक्त आपकी सेहत में गिरावट आ सकती है। विश्वास प्राप्त व्यक्ति एवं नौकर चाकर विश्वासघात करने का प्रयास कर सकते हैं, सावधान रहें।

मकर
आज लाभ होगा और मन शक्ति और उत्साह से भरा रहेगा। ऐसे अनावश्यक खर्चे आपके सामने आएंगे कि आपको न चाहते हुए भी मजबूरी में करने पड़ेंगे। यदि आपकी प्रोन्नित रूकी हुई है तो अवश्य प्राप्त हो जाएगी। आपके हाथ में बड़ी मात्रा में पैसा आने से हर्ष होगा। शाम को परिवार के लोगों के साथ किसी शुभ कार्य में जाएंगे।

कुंभ
आज लाभ होगा और आपका मन प्रसन्न रहेगा। जल्दबाजी में किए गए कार्य से हानि हो सकती है। भौतिक सुख सुविधाओं की वृद्धि होगी। नए कार्य में निवेश करने के बारे में सोच सकते हैं। आगे चलकर लाभ होगा। संतान के सुख में प्रयासों में सफलता मिलेगी और लाभ होने से आपका मन प्रसन्न होगा।

मीन
आज लाभ का दिन है और आपके सुख सम्मान में वृद्धि होने से आपका मन काफी प्रसनन होगा। यदि आप किसी वित्तीय संस्था या व्यक्ति से ऋण लेना चाहते हैं तो आसानी से मिल जाएगा। नई-नई योजनाएं बनाकर उन्हें सफल बनाने का पूर्ण प्रयास करें। आपके साहस और पराक्रम में वृद्धि होगी और आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा।

संक्षिप्त समाचार

वृंदावन में सोम-चन्द्रिका' पोशाक धारण करेंगे राधा-कृष्ण

वृंदावन, एजेंसी। श्रीकृष्ण जन्मभूमि में अजन्मे का जन्मोत्सव 26 अगस्त को भव्य रूप से मनाया जाएगा। श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा-संस्थान के सचिव कपिल शर्मा और सदस्य गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी ने बताया कि ठाकुरजी के श्रृंगार, पोशाक, मंदिर की साज-सज्जा एवं व्यवस्थाएं नयनाभिराम होंगी। कंस के कारागार के रूप में प्रसिद्ध श्रीगर्भ-गृह एवं कृष्ण चबूतरा की साज-सज्जा भक्तों को द्वापरकालीन कंस के कारागार की अनुभूति कराये, ऐसी तैयारियां चल रही हैं। कारीगरों द्वारा कृष्ण चबूतरा एवं गर्भगृह को कारागार के रूप में सजाया जा रहा है। भगवान केशवदेव, श्रीगर्भगृह, राधा कृष्ण एवं योगमाया के श्रीविग्रह के लिए जरदोजी का कार्य, रेशम, जरी, रत्न-प्रतिकृति आदि के साथ सिल्क के वस्त्रत् पर किया जा रहा है। ठाकुरजी दिव्य मुकुट धारण करेंगे, भगवती योगमाया स्वर्ण मुकुट धारण कर दर्शन देंगी। राधा कृष्ण 'सोम-चन्द्रिका' पोशाक धारण करेंगे। नवरत्न जड़ित स्वर्ण कण्ठा भी ठाकुरजी को धारण कराया जायेगा। ठाकुरजी की पोशाक को 25अगस्त की शाम 6:00 बजे शोभायात्रा निकाल कर अर्पित की जाएगी। 26 अगस्त को प्रातः शहनाई एवं नगाड़ों की ध्वनि के साथ भगवान की मंगला आरती के दर्शन प्रातः 5:30 बजे से होंगे। प्रातः 8:00 बजे भगवान का दिव्य पंचामृत अभिषेक किया जायेगा, स्त्रत्तेतों का पाठ एवं पुष्पार्चन होगा। प्रातः 9:00 बजे भव्य पुष्पाजलि एवं महोत्सव संकल्प का कार्यक्रम युगल सरकार के श्रीचरणों में भागवत-भवन के दिव्य प्रांगण में आयोजित किया जायेगा। भगवान का कमल-पुष्प एवं तुलसीदल से पुष्पार्चन, मंगलार्चन वेदमंत्रों के मध्य किया जायेगा। ब्रज के गायक भजन-गायन करेंगे।

ला-दारचा मेले में महकी प्राकृतिक एवं पारंपरिक उत्पादों की खुशबू

काजा, एजेंसी। पर्यटन एवं धार्मिक स्थल काजा में आयोजित ला-दारचा मेले में जाइका वानिकी परियोजना के अंतर्गत स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार प्राकृतिक उत्पादों की खुशबू महकने लगी। तीन दिनों तक चलने वाले इस मेले में प्रदर्शनी एवं बिक्री के लिए जाइका वानिकी परियोजना के तीन स्टाल लगाए गए। जिसमें स्पीति की पारंपरिक गर्म वस्त्र, छरमा की चाय, छरमा का जूस, गलीचा, सूखे सेब समेत अन्य प्राकृतिक उत्पाद प्रमुख हैं। यहां पहुंचे सैलानियों से लेकर स्थानीय लोगों के लिए प्राकृतिक उत्पाद उनकी पहली पसंद बन गई। मेले के पहले दिन लाहौल-स्पीति की विधायक अनुराधा राणा जाइका वानिकी परियोजना से जुड़े विभिन्न स्वयं सहायता समूहों के स्टाल पर पहुंची, जहां पर उन्होंने उत्पादों की जमकर तारीफ की। उन्होंने क्षेत्र के लोगों को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए जाइका वानिकी परियोजना के प्रयासों की सराहना की। अनुराधा राणा ने निकलम स्वयं सहायता समूह डंखर द्वारा तैयार किए पारंपरिक व्यंजनों का लुत्फ भी उठाया। जाइका वानिकी परियोजना से जुड़े निकलम स्वयं सहायता समूह डंखर, यातो जोम्सा सवयं सहायता समूह देमुल, किथलिंग स्वयं सहायता समूह क्यूलिंग, जोम्सा स्वयं सहायता समूह क्यूलिंग और सेमथुन स्वयं सहायता समूह लंगजा द्वारा निर्मित विभिन्न प्रकार के उत्पादों की अच्छी बिक्री हो रही है। इस अवसर पर वन मंडलाधिकारी वण्य प्राणी स्पीति मंदार उमेश जेवरे, सहायक अरण्यपाल चमन लाल ठाकुर, वन रक्षक कमल किशोर, विषय वस्तु विशेषज्ञ आशुतोष पाठक, क्षेत्रीय तकनीकी इकाई समन्वयक ताबो छोड़न बोद्ध, क्षेत्रीय तकनीकी इकाई समन्वयक काजा मीनाक्षी बोद्ध समेत अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अमित शाह के सवालों का सही समय पर देंगे जवाब : तारिक हमीद कर्रा

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा ने कहा है कि भाजपा नेता व केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के सवालों का सही समय पर सही जवाब दिया जाएगा। गौरतलब है कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ कांग्रेस के चुनावी गठबंधन पर अमित शाह ने कांग्रेस से 10 सवाल पूछे थे। तारिक हमीद कर्रा ने शुक्रवार को अपनी पार्टी की बैठक के बारे में बताया कि इसमें पहले चरण में होने वाले 24 सीटों के बारे में चर्चा की गई और पार्टी का टिकट मांगने वाले दावेदारों के नामों पर मंथन किया गया। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी जल्द ही अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा करेगी। इसके बाद अगले चरण के लिए उम्मीदवारों के नामों पर विचार किया जाएगा। अनुच्छेद 370 के संबंध में नेशनल कॉन्फ्रेंस के रुख पर कांग्रेस पार्टी का विचार पूछे जाने पर पीसीसी अध्यक्ष कर्रा ने कहा किसही समय आने पर पार्टी अपने विचार को प्रकट करेगी। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 पर कांग्रेस का अपना एजेंडा है, जबकि नशनल कॉन्फ्रेरेन्स का अपना अलग एजेंडा है। कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा की नीतियां जन विरोधी हैं, इसलिए हमने इन नीतयिों का विरोध करने वाले समान विचारधारा के दलों के साथ मिलकर चुनाव लड़ने का फैसला किया है।

खेमेबाजी से परेशान कांग्रेस के लिए आसान नहीं हरियाणा की राह, कुमारी शैलजा ने ठोका सीएम कैंडिडेट पर दावा

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा में विधानसभा चुनाव का बिगुल फूंका जा चुका है। राज्य की सत्ता में वापसी का राह देख रही कांग्रेस पार्टी के लिए मुश्किलें कम नहीं हैं। पार्टी की वरिष्ठ पार्टी नेता कुमारी शैलजा ने कांग्रेस को बहुमत मिलने पर मुख्यमंत्री पद पर अपनी दावेदारी पेश कर रही है। उन्होंने कहा कि लोगों की व्यक्तिगत और सामुदायिक स्तर पर महत्वाकांक्षाएं होती हैं। सिरसा से लोकसभा चुनाव जीतने के महीनों बाद पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस के प्रमुख दलित चेहरे ने आगामी विधानसभा चुनाव लड़ने की अपनी इच्छा का भी संकेत दिया। उन्होंने कहा कि वह राज्य में काम करना चाहती हैं, लेकिन इस मामले पर अंतिम फैसला हाईकमान करेगा। समाचार एजेंसी के मुख्यालय में पीटीआई संपादकों के साथ बातचीत में कुमारी शैलजा ने गुटबाजी की बात को खारिज करते हुए कहा कि चुनाव आने पर सभी लोग एक कांग्रेस खेमे के रूप में जमीनी स्तर पर काम करते हैं। उन्होंने कहा, मैं बहुत व्यावहारिक हूं और मैं आपको बहुत स्पष्ट रूप से जवाब दूंगी। किसी भी संगठन में हमेशा धक्का-मुक्की और अपनी जगह बनाने की होड़ लगी रहती है। यह किसी भी संगठन का हिस्सा है और यह हमेशा रहेगा। महत्वाकांक्षा, काम करना, अपनी जगह बनाने की होड़, ये सब है। लेकिन ये तभी तक है जब तक कि टिकट घोषित नहीं हो जाते। मैं यह भी कहूंगी कि जब चुनाव आते हैं, हर कोई जमीनी काम में जुट जाता है। यह पूछे जाने पर कि क्या हरियाणा कांग्रेस में

विभिन्न खेमे एक साथ आएंगे, उन्होंने कहा, हर किसी की अपनी महत्वाकांक्षा है। यह कांग्रेस खेमा है। आखिरकार सभी पार्टी के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने वरिष्ठ नेताओं द्वारा चुनाव से पहले अलग-अलग प्रचार कार्यक्रम चलाने की गुटबाजी की बात को भी खारिज कर दिया, उन्होंने कहा कि वे सभी कांग्रेस के लिए ऐसा कर रहे हैं। चुनाव के बाद गठबंधन की संभावना पर चर्चा करते हुए कुमारी शैलजा ने जोर देकर कहा कि कोई त्रिशंकु विधानसभा नहीं होगी। कांग्रेस को शानदार बहुमत मिलेगा। उन्होंने कहा, हम जमीनी स्तर पर लोगों के संपर्क में हैं। वे पूरी तरह से भाजपा के खिलाफ हैं। लोकसभा के नतीजे आए और विधानसभा चुनावों में भी बहुत अच्छे नतीजे आएंगे और हम सरकार बनाएंगे। यह पूछे जाने पर कि क्या कांग्रेस चुनाव से पहले मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करेगी, शैलजा ने कहा कि पार्टी के काम करने के कुछ तरीके हैं। उन्होंने कहा, जब आप सरकार में होते हैं तो जाहिर है कि जो व्यक्ति सीएम रह चुका होता है वही पार्टी का नेतृत्व करता है। लेकिन जब आप विपक्ष में होते हैं, तो पार्टी शायद ही कभी मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार पेश करती है। कांग्रेस के बहुमत मिलने की स्थिति में क्या वह मुख्यमंत्री पद की दौड़ में हैं, इस सवाल पर शैलजा ने कहा, व्यक्तिगत और समुदाय के हिसाब से लोगों की अपनी महत्वाकांक्षाएं होती हैं। क्यों नहीं? हरियाणा के भावी मुख्यमंत्री के तौर पर देखे जाने पर उन्होंने कहा, यह मेरी पार्टी और हाईकमान को तय करना है। यह पूछे जाने पर कि क्या उनका कोई अधूरा काम या लक्ष्य है तो उन्होंने कहा, निश्चित रूप से, राज्य में मेरी भूमिका है। मैं इस बारे में कोई संकोच नहीं करती। उन्होंने यह भी कहा कि वह लंबे समय तक केंद्र में काम कर चुकी हैं और अब राज्य स्तर पर जाना चाहती हैं। कुमारी शैलजा ने कहा, मैंने केंद्र में बहुत राजनीति की है। अब मैं राज्य स्तर पर काम करना चाहती हूं। लोगों के काम राज्य से ज्यादा जुड़े होते हैं। इसलिए मैं राज्य में काम करना चाहती हूं। बाकी हाईकमान को आखिरकार फैसला करना है। लेकिन हां, मैं निश्चित रूप से ऐसा चाहती हूं।

बिहार में रिकॉर्ड तोड़ महंगाई, बेरोजगारी, गरीबी और अपराध के लिए कौन है जिम्मेदार : तेजस्वी यादव

पटना, एजेंसी। बिहार में विपक्ष के नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने राज्य मे बढ़ते अपराध को लेकर नीतीश कुमार की सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा, बिहार में व्याप्त इस रिकॉर्ड तोड़ महंगाई, बेरोजगारी, गरीबी, अपराध के जिम्मेदार कौन है? तेजस्वी यादव ने शनिवार को महंगाई, बेरोजगारी और अपराध को लेकर डबल इंजन की सरकार पर सवाल उठाए। पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट करते हुए लिखा- महंगाई के मामले में देश भर में बिहार सबसे टॉप पर है। देश में सबसे अधिक गरीबी, बेरोजगारी और अपराध बिहार में है। उन्होंने आगे कहा, नीति आयोग के सतत विकास सूचकांक में सबसे नीचे बिहार है तथा आमदनी गरीबी उन्मूलन में सबसे नीचे बिहार है। शून्य भूखमरी, गुणवतापूर्ण शिक्षा और लैंगिक समानता में भी सबसे पीछे बिहार है। उन्होंने सवाल पूछा कि आखिर इसका जिम्मेदार कौन है। 15 वर्षों से अधिक बिहार में एनडीए की सरकार है और 10 वर्षों से केंद्र में इनकी डबल इंजन की सरकार है। हमारे बीच के 17 महीनों के सेवाकाल में ही नौकरी-रोजगार, शिक्षा-स्वास्थ्य आदि क्षेत्रों में रिकॉर्ड तोड़ नियुक्तियां एवं अप्रत्याशित विकास कार्य हुए। तेजस्वी यादव ने आगे सवालिया लहजे में कहा कि लगभग दो दशक बाद भी आखिर कब तक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और भाजपा दूसरों के ऊपर दोष मढ़ अपनी जिम्मेदारी से भागते रहेंगे। आखिर देश में सबसे अधिक बिहार में व्याप्त इस रिकॉर्ड तोड़ महंगाई, बेरोजगारी, गरीबी, अपराध के जिम्मेदार कौन है? उन्होंने सवाल किया कि आखिर कब तक नीतीश कुमार अपनी सत्तालोलुपता, स्वार्थपूर्ति व अनैतिक असैद्धांतिक पलटा-पलटी का शिकार बिहार को बनाते रहेंगे?

नई पार्टी बनाने के पहले गांव-गांव घूम रहे चंपई, हेमंत ने भी उनके इलाके में विधायकों के साथ की बैठक

रांची, एजेंसी। राज्य के सीएम हेमंत सोरेन और उनके सबसे बड़े विश्वस्त रहे चंपई सोरेन के बीच सुलह के दरवाजे अब लगभग पूरी तरह बंद हो गए हैं। परिस्थितियां ऐसी बन गई हैं कि राज्य के कोल्हान प्रमंडल की धरती पर अब दोनों के एक-दूसरे के आमने-सामने होंगे। चंपई सोरेन ने फिलहाल हेमंत सोरेन की सरकार में मंत्री पद से इस्तीफा नहीं दिया है, लेकिन अब वह न तो अपने कार्यालय जा रहे हैं और न ही किसी सरकारी कार्यक्रम में शिरकत कर रहे हैं। 20 अगस्त की देर रात दिल्ली से लौटने के बाद वह लगातार अपने क्षेत्र में बने हुए हैं। वह गांव-गांव का दौरा और समर्थकों के साथ बैठक कर नया संगठन खड़ा करने की कवायद में जुटे हैं। शुक्रवार को भी उन्होंने गम्हरिया में एक होटल के सभागार में महिला कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। उन्होंने इस कार्यक्रम की तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए लिखा, 'नारी शक्ति का यह उत्साह देखिए। अति अल्प सूचना पर आयोजित इस बैठक के लिए हॉल छोटा पड़ गया। अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत से ही, मैंने सदैव उन लोगों के लिए आंदोलन किया है, जिनके बदन पर कपड़े और पैरों में चप्पल तक नहीं होते थे।'

चंपई ने लिखा, 'अपने जीवन के इस नये अध्याय में, भले नया संगठन बने अथवा किसी साथी से हाथ मिलाएं, लेकिन मुद्दे झारखंड की जनता के ही रहेंगे। उन लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने का प्रयास रहेगा, जिन्होंने इस नये राज्य के साथ अपने उज्जवल भविष्य के सपने देखे थे।' इधर, सीएम हेमंत सोरेन भी चंपई की बगावत से संभावित डैमेज कंट्रोल की रणनीति में जुट गए हैं। वह शुक्रवार को अपनी विधायक पत्नी कल्पना सोरेन के साथ जमशेदपुर पहुंचे और पार्टी के सांसद-विधायकों के साथ बैठक कर एकजुटता जताई।

विचाराधीन कैदियों को सुप्रीम कोर्ट ने दी बड़ी राहत, नए कानून के तहत मिलेगा फायदा

नईदिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने देशभर कीजेलों में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 479 को लागू करने का आदेश दिया है। इसके तहत विचाराधीन कैदियों को लाभ मिलेगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पहली बार अपराध करने वाले कैदियों ने अगर एक तिहाई सजा पूरी कर ली है तो उन्हें बॉन्ड पर रिहा कर दिया जाए। भारतीय न्याय संहिता की यह धारा विचाराधीन कैदियों को अधिकतम जेल में रखने के बारे में प्रावधान करती है।

बता दें कि इसी साल भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय न्याय संहिता और भारतीय साक्ष्य संहिता को लागू किया गया है। एएसजी ऐश्वर्य भाटी के आग्रह पर जस्टिस हिमा कोहली और संदीप मेहता की बेंच ने कहा कि गिरफ्तारी की तारीख को किनारे करके सभी विचाराधीन कैदियों पर यह धारा लागू होगी। वे इसका फायदा उठा सकते हैं। बेंच ने जेलों के सुपरिंटेंडेंट से कहा है कि पहली बार के अपराधियों को लेकर वे धारा 479 के तहत काम करना शुरू करें। अगर कैदियों ने एक तिहाई सजा काट ली है तो उन्हें बॉन्ड पर रिहा किया जाए। कोर्ट ने कहा है कि दो महीने के भीतर इस दायरे में आने वाले कैदियों को छोड़ा जाए और इसकी रिपोर्ट राज्य या केंद्र सरकार के संबंधित विभाग को दिया जाए।

पसमांदा संगठनों की मांग- कम से कम 12 मुस्लिम जातियों को भी मिले अनुसूचित जाति का दर्जा

नईदिल्ली, एजेंसी। अनुसूचित जाति में सब डिविजन को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद देशभर में इसको लेकर बहस चल रही है। इसी बीच पसमांदा मुसलमानों ने भी भी अनुसूचित जाति में शामिल करने को लेकर अपनी मांग रख दी है। ऑल इंडिया पसमांदा मुस्लिम मेहाज और अन्य मुस्लिम संगठनों ने मांग की है कि कम से कम 12 जातियों को अनुसूचित जाति में शामिल किया जाए। अलग-अलग धर्मों की जातियों को आर्थिक, सामाजिक और शैक्षिक स्तर के आधार पर अनुसूचित जाति में शामिल करने की रिपोर्ट तैयार करने के लिए बनाई गई जस्टिस (रिटायर्ड) केजी बालाकृष्णन कमेटी से भी मुस्लिम संगठनों ने मुलाकात की है। पूर्व सांसद अली अनवर का कहना है कि कम से कम 12 जातियों को अनुसूचित जाति में शामिल किया जाए। उन्होंने कहा, उनकी हालत हिंदू अनुसूचित जातियों से भी बुरी है। उन्हें उनके ही समुदाय के लोग अछूत मानते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक अनवर ने कहा, मुसलमानों में कम से कम 20 जातियां ऐसी हैं जिनकी आर्थिक स्थिति हिंदू दलितों से भी खराब है। बिहार जातिगत संवेक्षण में भी यह बात निकलकर सामने आई है। ये जातियां कुल मुस्लिमों की 6.62 फीसदी हैं। वहीं बिहार में इनकी आबादी 1.16 फीसदी है। बता दें कि बीजेपी भी पसमांदा मुसलमान वोटों को अपने पाले में लाने की कोशिश में लगी है। बीजेपी ने अल्पसंख्यक मोर्चा को 50 लाख

मुसलमानों को पार्टी में जोड़ने का काम सौंपा है। वहीं एआईपीएमएम की मांग है कि अनुसूचित जाति की नई सूची निष्पक्षता के साथ बनाई जाए और इसमें दलित मुसलमानों और ईसाइयों को भी शामिल किया जाए। बता दें कि आदिवासी और पिछड़े मुसलमानों के लिए पसमांदा शब्द का इस्तेमाल किया जाता है। अली अनवर ने कहा, काफी ज्यादा संख्या के बावजूद पसमांदा मुसलमानों को नौकरियों, विधायिकाओं और अल्पसंख्यक समुदायों में प्रतिनिधित्व नहीं मिल पा रहा है। दलित मूल के मुस्लिम और ईसाई लंबे समय से धार्मिक प्रतिबंधों को हटाने की मांग करते आए हैं। बता दें कि 2022 में केंद्र सरकार ने रिटायर्ड जस्टिस केजी बालाकृष्णन की अध्यक्षता में आयोग बनाया था। इसका उद्देश्य नई जातियों को अनुसूचित जाति में शामिल करने की संभावना पर विचार करना था। इसके तहत उन जातियों को महत्व दिया जाना है जो कभी हिंदू, बैद्ध या सिख धर्म से परिवर्तित होकर ईसाई या मुस्लिम बन गए हैं।

राजस्थान भाजपा में कलह, राजेंद्र राठौड़ समर्थकों ने खोला मोर्चा

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में बीजेपी के वरिष्ठ नेता राजेंद्र सिंह राठौड़ के समर्थकों ने प्रदेश प्रभारी राधा मोहन अग्रवाल के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। एक साथ 12000 से ज्यादा लोगों ने राठौर नहीं तो बीजेपी नहीं हैशटैग के साथ पोस्ट किया तो यह संदेश दिन भर ट्रेंडिंग पर बना रहा। हालात यह थे कि देर रात होते ही खुद राजेंद्र राठौड़ को सफाई भी देनी पड़ी और समर्थकों के इस विरोध पर पार्टी से माफी मांगी। दरअसल, दो दिन पहले भाजपा की सदस्यता अभियान को लेकर जयपुर में प्रदेश स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला छोड़कर पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ बीच में ही बाहर चले गए। राठौड़ के इस तरह से बीच कार्यशाला से चले जाने पर प्रदेश प्रभारी ज्यादा मोहनदास अग्रवाल ने कड़ी आपत्ति जताई और इसे संगठन की अनुशासनहीनता मानते हुए प्रदेश अध्यक्ष से रिपोर्ट मांगी।

राठौड़ के समर्थन में जिस तरह से

दिनभर सोशल मीडिया पर ट्रेंड चल, इसके बाद देर रात होते होते पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ को अपने समर्थकों के विरोध के बीच सफाई देनी पड़ी। उन्होंने पोस्ट करते हुए कहा कि सोशल मीडिया कुछ लोग मेरे और भाजपा संगठन के प्रति भ्रम फैलाकर अनर्गल ट्रेंड चला रहे हैं। जिसका मैं विरोध करता हूंप मैंने अपना पूरा राजनीतिक जीवन भाजपा संगठन के लिए समर्पित किया है। भविष्य में भी एक कार्यकर्ता के रूप में संगठन को मजबूती देने के लिए अनवरत कार्यरत रहूंगा। मेरी सभी समर्थकों और कार्यकर्ताओं से अपील है कि सोशल मीडिया पर अनर्गल टिप्पणियां न करें, भाजपा है तो हम हैं।

राधा मोहन दास ने राजेंद्र राठौड़ का नाम लेते हुए कहा था कि इस तरह से बीच में कार्यशाला छोड़कर चले जाना ठीक बात नहीं है। संगठन सर्वोपरि है और सबको यह मानना चाहिए। अग्रवाल के इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर भी राजेंद्र राठौड़ को लेकर कई तरह की चर्चा हुई, लेकिन बयान के दो दिन बाद अब सोशल मीडिया पर बीजेपी के खिलाफ राजेंद्र राठौड़ के समर्थ मोर्चा खोलते हुए अपना विरोध और रोष दर्ज कराया हालात यह रहे कि एक साथ बड़ी संख्या में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर राठौड़ नहीं तो बीजेपी नहीं हैशटैग किया। इसके बाद दिन भर यह जबरदस्त ट्रेंड हुआ।

महाराष्ट्र सीएम पद के लिए शरद पवार की ना, कहा- मुझे कोई दिलचस्पी नहीं

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र चुनाव को लेकर दोनों गठबंधनों में सुगबुगाहट तेज हो गई है। एनसीपी के अध्यक्ष शरद पवार ने मुख्यमंत्री पद के दावेदार बनने को लेकर कहा है कि उनकी इस पद में कोई दिलचस्पी नहीं है। उन्होंने कहा कि महाविकास अघाड़ी को मुख्यमंत्री पद से ज्यादा महायुति गठबंधन को हराने पर ध्यान देना चाहिए। दरअसल, मुख्यमंत्री पद का सवाल तब सामने आया जब पवार के गठबंधन सहयोगी शिवसेना और कांग्रेस ने कहा कि महा विकास अघाड़ी को आगामी विधानसभा चुनाव के लिए अपने मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार पेश करना चाहिए। इस पर पवार ने कहा कि मेरी पार्टी कोई इस पद में दिलचस्पी नहीं रखता। पहले हमें सत्ता में आना होगा उसके बाद हम यह तय कर लेंगे। पवार ने अपनी पार्टी के लिए बोलते हुए कहा कि हम किसी को मुख्यमंत्री पद के लिए पेश नहीं कर रहे हैं और हमें इसमें कोई दिलचस्पी नहीं है। उन्होंने कहा कि चुनाव के पहले ही मुख्यमंत्री पद के लिए किसी को आगे करने का कोई मुद्दा अभी नहीं है।

सीटों के बंटवारे को लेकर हुई बैठक, लेकिन अभी तय नहीं : आगामी विधान सभा चुनाव के लिए गठबंधन में सीटों के बंटवारे को लेकर शरद पवार ने कहा कि तीनों पार्टियों ने मिलकर सीट बंटवारे पर एक राय बनाने के लिए बैठक की थी लेकिन बदलापुर की घटना के बाद बैठक का एजेंडा

बदल गया। हम 27 अगस्त को फिर से मिलेंगे और चुनाव के लिए सीटों के बंटवारे पर काम करेंगे। मुझे उम्मीद है कि उस दिन सीट बंटवारे को लेकर सभी समस्याएं सुलझ जाएंगी, जिससे उम्मीदवारों को चुनाव प्रचार के लिए अधिक समय मिल सके।पवार ने कहा कि मुझे लगता है कि लेफ्ट पार्टियों को भी इस चुनाव में महाविकास अघाड़ी में शामिल होना चाहिए, जिससे हमें सत्ता में बैठे महायुति गठबंधन को उखाड़ फेंकने में मदद मिले। एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने कहा कि प्रतिद्वंद्वी नेता लगातार उनसे मिल रहे हैं और उनसे अपनी तरफ मिलाने के लिए कह रहे हैं लेकिन अभी उन्हें पार्टी में शामिल करने को लेकर कोई विचार नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि वह कोल्हापुर के कागल में एक रैली करेंगे जहां भाजपा नेता समरजीत सिंह घाटगे के एनसीपी में शामिल होने की संभावना है।

छत्तीसगढ़ में 16 लाख के इनामी दो नक्सलियों का आत्मसमर्पण, सुरक्षाबलों पर हुए कई हमलों में थे शामिल

सुकमा, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में शुक्रवार को सुरक्षाबलों को उस वक्त बड़ी कामयाबी मिली जब संयुक्त रूप से 16 लाख रुपए के इनामी दो नक्सलियों ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। इस बारे में जानकारी देते हुए एक अधिकारी ने बताया कि मड़कम सन्ना (35) और मड़कम मुया (22) माओवादियों की पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी बटालियन नंबर 1 के सदस्य थे, जो दक्षिण बस्तर में सक्रिय है। इन दोनों पर 8-8 लाख रुपए का इनाम घोषित था। अधिकारी ने बताया कि इन दोनों ने वरिष्ठ माओवादियों द्वारा किए जा रहे अत्याचारों तथा उनकी अमानवीय और खोखली माओवादी विचारधारा से निराश होकर पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण किया। साथ ही उन्होंने बताया कि दोनों नक्सली राज्य सरकार की नक्सल उन्मूलन नीति और सुकमा पुलिस के पुनर्वास अभियान पुना नरकोम (स्थानीय गोंडी बोली का शब्द, जिसका अर्थ है नई सुबह, नई शुरुआत) से भी प्रभावित हैं। अधिकारी ने बताया कि इनमें से सन्ना सुरक्षाकर्मियों पर हुए कई हमलों में शामिल था, जिसमें 2017 में बुर्कापाल माओवादी हमला भी शामिल है, जिसमें सीआरपीएफ के 25 जवान

मारे गए थे और 2021 में टेकलगुडा की घटना भी शामिल है, जिसमें 22 जवान शहीद हो गए थे। जबकि मुया कथित तौर पर पुलिस टीमों पर हमलों में शामिल था। उन्होंने बताया कि स्थानीय पुलिस, सीआरपीएफ की 219वीं बटालियन की खुफिया शाखा और पड़ोसी ओडिशा पुलिस ने दोनों के आत्मसमर्पण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अधिकारी ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को 25-25 हजार रुपए की सहायता दी गई है और सरकार की नीति के अनुसार उनका पुनर्वास किया जाएगा।

इससे पहले गुरुवार को धमतरी जिले में एक इनामी नक्सली ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण किया था। पुलिस के मुताबिक सीतानदी क्षेत्र समिति के सदस्य और नक्सली उप कमांडर अजय उर्फ अघन (26) ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण किया था। इस नक्सली पर 5 लाख रूपए का इनाम घोषित था। इस बारे में जानकारी देते हुए एक अधिकारी ने बताया था कि अजय उर्फ अघन सीतानदी में प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के उप कमांडर और क्षेत्र समिति सदस्य के रूप में सक्रिय था। अधिकारियों ने बताया कि नक्सली अजय ने माओवादियों की खोखली विचारधारा, भेदभाव-पूर्ण व्यवहार, उपेक्षा और प्रताड़ना से तंग आकर आत्मसमर्पण करने का फैसला किया। उन्होंने बताया कि नक्सली के खिलाफ ग्रामीण की हत्या, पुलिस दल पर हमला, बारूदी सुरंग लगाने समेत कई माओवादी घटनाओं में शामिल होने का आरोप था।

शिखर धवन ने क्रिकेट को कहा अलविदा

प्रारूप	मैच	रन	शतक	अर्धशतक
टेस्ट	34	2315	7	5
वनडे	167	6793	17	39
टी20	68	1759	0	11
IPL	222	6769	2	51

भावुक संदेश में बोले- दिल में भारत के लिए खेलने का सुकून

नई दिल्ली, एजेंसी। धवन ने 10 दिसंबर 2022 को अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला बांग्लादेश के खिलाफ खेला था। वनडे प्रारूप का यह मुकाबला चटगांव में खेला गया था। इस मैच धवन महज तीन रन बना पाए थे। इसी तरह धवन ने अपना आखिरी टी20 मैच कोलंबो में 29 जुलाई 2021 को श्रीलंका में खेला था। इस मैच में वे खाता भी नहीं खोल पाए थे। धवन ने अपना आखिरी टेस्ट सितंबर 2018 में इंग्लैंड के खिलाफ ओवल में खेला था। इस मैच की दोनों पारियों में तीन और एक रन बनाए थे।

शिखर धवन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का एलान कर दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर घरेलू और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा। 37 साल के इस खिलाड़ी ने 2010 में भारत के लिए डेब्यू किया था। अपने 13 साल के करियर में वह 34 टेस्ट, 167 वनडे और 68 टी20 मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

संन्यास का एलान करते हुए धवन ने कहा, संन्यास का एलान करते हुए धवन ने कहा कि नमस्कार दोस्तों! आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा हूं, जहां से मैं पीछे मुड़कर देखता हूं तो ढेरों यादें नजर आती हैं और जब आगे देखता हूं तो पूरी दुनिया। मेरी हमेशा से एक ही मंजिल थी इंडिया के खेलना और ऐसा हुआ भी। इसके लिए मैं कई लोगों का शुक्रिया अदा करना चाहूंगा, मेरा परिवार, मेरे बचपन के कोच तारिक सिन्हा, मदन शर्मा, जिनके अंडर मैंने क्रिकेट सीखी। फिर मेरी टीम जिनके साथ मैं वर्षों तक खेला। एक नया परिवार मिला। नाम मिला। साथ मिला। ढेर सारा प्यार मिला। कहते हैं न कि कहानी में आगे बढ़ने के लिए पन्ने पलटने जरूरी है। बस, मैं भी ऐसा करने जा रहा हूं। मैं अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट से संन्यास का एलान कर रहा हूं।

अब जब मैं इस क्रिकेट यात्रा को अलविदा कह रहा हूं कि तो मेरे दिल में एक सुकून है कि मैं लंबे समय तक देश के लिए खेला। मैं बीसीसीआई और डीडीसीए को भी शुक्रिया कहना चाहूंगा कि उन्होंने मुझ पर भरोसा जताया। मैं अपने फैंस का भी शुक्रिया अदा करता हूं, जिन्होंने मुझे बहुत प्यार दिया। मैं बस खुद से यही कहता हूं कि तुम इस बात से दुखी मत हो कि अब तुम देश के लिए नहीं खेलोगे, बल्कि इससे खुश हो कि तुम देश के लिए बहुत खेले।

शिखर धवन का टेस्ट करियर

धवन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मोहाली में पहला टेस्ट खेला था। 2013 से वह अब तक 34 टेस्ट में हिस्सा ले चुके हैं। धवन को पिछली बार 2018 में टेस्ट मैच में खेलने का मौका मिला था। उन्होंने क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में 40.61 की औसत से 2315 रन बनाए। इस दौरान सात शतक और पांच अर्धशतक लगाए। धवन का सर्वाधिक स्कोर 190 रन है।

वनडे और टी20 में भी सफल हुए धवन

शिखर ने भारत के लिए पहला वनडे 2010 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विशाखापट्टनम में खेला था। वह 167 मैचों में 6793 रन बना चुके हैं। धवन ने 44.11 की औसत और 91.35 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। उनके नाम 17 शतक और 39 अर्धशतक हैं। टी20 करियर की बात करें तो 68 मैचों में धवन ने 1759 रन बनाए हैं। उनके बल्ले से 11 अर्धशतक निकले हैं।

आईपीएल में भी चला है धवन का बल्ला

धवन ने आईपीएल में भी जमकर रन बनाए हैं। वह इस टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे सफल बल्लेबाजों में एक हैं।

वह सर्वाधिक रन बनाने के मामले में विराट कोहली के बाद दूसरे स्थान पर हैं। धवन ने 222आईपीएल मैचों में 6769 रन बनाए हैं। इस दौरान दो शतक और 51 अर्धशतक लगाए हैं। धवन का औसत 35.26 और स्ट्राइक रेट 127.14 का रहा है।

2022 में खेला था आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच

धवन ने 10 दिसंबर 2022 को अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला बांग्लादेश के खिलाफ खेला था।

वनडे प्रारूप का यह मुकाबला चटगांव में खेला गया था। इस मैच धवन महज तीन रन बना पाए थे। इसी तरह धवन ने अपना आखिरी टी20 मैच कोलंबो में 29 जुलाई 2021 को श्रीलंका में खेला था। इस मैच में वे खाता भी नहीं खोल पाए थे। धवन ने अपना आखिरी टेस्ट सितंबर 2018 में इंग्लैंड के खिलाफ ओवल में खेला था। इस मैच की दोनों पारियों में तीन और एक रन बनाए थे।

गंभीर, सहवाग, बीसीसीआई का शिखर धवन के संन्यास पर रिएक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने शनिवार सुबह अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की, जिसके बाद पूर्व खिलाड़ियों और बीसीसीआई ने उनके शानदार क्रिकेट करियर के लिए बधाई और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। सोशल मीडिया पर बाएं हाथ के बल्लेबाज ने अपने शानदार क्रिकेट करियर को विराम देने का ऐलान किया, जिसमें उन्होंने 269 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 24 शतक (वनडे में 17 और टेस्ट में 7) बनाए। उनका आखिरी प्रतिस्पर्धी मैच इस साल अप्रैल में इंडियन प्रीमियर लीग में पंजाब किंग्स के लिए था। भारतीय ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर उन्हें बधाई देते हुए भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने लिखा, आपके लिए शुभकामनाएं शिखी पा। शानदार करियर के लिए बधाई।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बाएं हाथ के इस खिलाड़ी को वर्षों से उनके शानदार योगदान के लिए बधाई दी। बीसीसीआई ने एक्स पर लिखा, शिखर धवन ने अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया है। हम उनके इस फैसले का सम्मान करते हैं और उन्हें आगे के सफर के लिए शुभकामनाएं देते हैं। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने एक्स पर लिखा, शानदार करियर के लिए शिखी को बधाई! मुझे पता है कि आप भविष्य में जो भी करेंगे, उसमें वह खुशी फैलाएंगे!

भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने लिखा, बधाई हो शिखी। जब से आपने मोहाली में मेरी जगह ली है, तब से आपने पीछे मुड़कर नहीं देखा और वर्षों से बेहतरीन प्रदर्शन किए हैं। आप ऐसे ही मौज-मस्ती करते रहें और जीवन को पूरी तरह से जिएं। हमेशा बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

पंजाब किंग्स ने उनकी उपलब्धियों का जश्न मनाया, रनों, ट्रॉफियों और यादगार पलों को याद किया, साथ ही उनके अगले अध्याय का बेसब्री से इंतजार किया।

पंजाब किंग्स ने एक्स पर लिखा, रन, ट्रॉफी और अनगिनत यादें! रिटायरमेंट की शुभकामनाएं, गब्बर! जीवन की अगली पारी में आपको शानदार प्रदर्शन करते देखने का इंतजार नहीं कर सकता!

पूर्व भारतीय क्रिकेटर वसीम जाफर ने एक्स पर लिखा, बड़े टूर्नामेंट के लिए एक खिलाड़ी। उसे कभी वह प्रशंसा नहीं मिली जिसका वह हकदार था, लेकिन उसे पता था कि जब तक टीम जीत रही थी, तब तक उसे परवाह नहीं थी कि प्रशंसा किसे मिल रही है। पूरी तरह से टीम मैन। शानदार करियर के लिए बधाई और आपकी दूसरी पारी के लिए शुभकामनाएं। 38 वर्षीय धवन का करियर भारत के लिए 13 साल से अधिक समय तक चला, जिसमें उन्होंने तीनों प्रारूपों में क्रमशः 34 टेस्ट, 167 वनडे और 68 टी20 मैच खेले और 2315, 6793 और 1579 रन बनाए। धवन ने भारत के लिए अपना अंतिम मैच दिसंबर 2022 में चटगांव में बांग्लादेश के खिलाफ वनडे मैच में खेला था, जबकि उनका अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच जुलाई 2021 में श्रीलंका में था। उन्होंने 2019 के बाद से भारत के लिए कोई टेस्ट नहीं खेला है।

निकोलस पूरन के तूफान में उड़ा साउथ अफ्रीका, स्टब्स की पारी गई बेकार

नईदिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज ने साउथ अफ्रीका को मात देकर टी20 सीरीज में जीत से शुरुआत की। त्रिनिदाद में खेले गए पहले टी20 मैच में वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों ने आग बरसाई जिसमें साउथ अफ्रीकी बल्लेबाज ड्रुलस गए। ट्रिस्टन स्टब्स की तूफानी पारी भी साउथ अफ्रीका को इस हार से नहीं बचा पाई। साउथ अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 174 रन बनाए।

वेस्टइंडीज ने यह लक्ष्य महज 17.5 ओवर में ही हासिल कर लिया। 176 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी रही। एलिक एथनाजे और शे होप ने पहले विकेट के लिए 84 रन की साझेदारी की। एलिक ने 30 गेंदों में 40 रन बनाए वहीं होप ने 36 गेंदों में 51 रन बनाए। होप ने अपनी पारी में तीन छक्के और दो चौके लगाए। इसके बाद निकोलस पूरन बल्लेबाजी करने आए और साउथ अफ्रीकी बल्लेबाजों को जमकर कूटा। उन्होंने होप के साथ मजबूत साझेदारी की। निकोलस पूरन ने 26 गेंदे खेली और 65 रन बना दिए। 250 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने दो चौके और सात छक्के लगाए। इसी कारण टीम ने 13 गेंद पहले ही लक्ष्य हासिल कर लिया।

रोहित शर्मा को IPL 2025 में 50 करोड़ मिलना तय!

● ऑक्शन में आते ही होंगे मालामाल, इन दो टीमों ने कसी कमर

नईदिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 से पहले मेगा ऑक्शन होने वाला है. कौन सी टीम किन खिलाड़ियों को रिटेन करेगी, इस तरह के सवाल ऑक्शन के प्रति लोगों के उत्साह को बढ़ा रहे हैं. आईपीएल में मुंबई इंडियंस को बतौर कप्तान 5 खिताब जिताने वाले रोहित शर्मा अगले सीजन के लिए इस टीम के साथ बने रहेंगे या नहीं ये सबसे बड़ा सवाल है. पिछले सीजन में रोहित शर्मा को कप्तानी से हटा दिया गया था. ऐसे में माना जा रहा है कि वह अब टीम से अलग हो सकते है. इसी बीच एक बड़ी खबर सामने आई है. आईपीएल की दो टीमों ने रोहित को अपनी टीम में शामिल करने के लिए कमर कस ली है.

आईपीएल 2025 से पहले सभी टीमों को कुछ ही खिलाड़ियों को रिटेन करने की इजाजत मिलेगी. ऐसे में रोहित शर्मा रिलीज होते हैं तो वह ऑक्शन में नजर आएंगे. इसी बीच कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि रोहित शर्मा अगर ऑक्शन में आते हैं तो उन पर ऐतिहासिक बोली लगने वाली है. रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपर जायंट्स ने रोहित को खरीदने के लिए अलग से 50-50 करोड़ रुपए बचाकर रखे हैं. यानी ये दोनों टीमें रोहित को अपनी टीम में शामिल करने के लिए बड़ी रकम खर्च करना चाहती हैं. हालांकि इस खबर में कितनी सच्चाई ये बताना मुश्किल है.

रोहित शर्मा ने अपने आईपीएल करियर की शुरुआत डेक्कन चार्जेस के साथ की थी. इसके बाद वह 2011 में मुंबई इंडियंस में शामिल हो गए थे. तब से ही वह इसी टीम के लिए खेल रहे हैं. मुंबई की टीम ने आईपीएल 2022 से पहले रोहित को 16 करोड़ रुपए में रिटेन किया था.

1 ही टी20 मैच में 3 सुपर ओवर

क्रिकेट इतिहास में पहली बार हुआ ऐसा

नईदिल्ली, एजेंसी। महाराजा टी20 ट्रॉफी में क्रिकेट के मैदान में 23 अगस्त को गजब को रोमांच देखने को मिला. हुबली टाइगर्स ने तीन सुपर ओवर के बाद रोमांचक जीत दर्ज की. हुबली टाइगर्स ने पहले खेलते हुए 164 रन बनाए. जवाब में बेंगलुरु ब्लास्टर्स भी 164 रन बना सकी. इसके बाद मैच सुपर ओवर में चला गया. संभवत- क्रिकेट इतिहास

में पहली बार एक ही मैच में तीन सुपर ओवर देखने को मिल. चिन्नास्वामी स्टेडियम में हुए इस महाथ्रिलर मुकाबले में हुबली टाइगर्स ने शुक्रवार को बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में महाराजा टी-20 ट्रॉफी के एक बेहद रोमांचक मैच में जीत हासिल की, जिसमें दोनों टीमों के बीच तीन सुपर ओवर तक रोमांच चला. बेंगलुरु ब्लास्टर्स की टीम तीन विकेट शेष रहते निर्धारित समय में हुबली को हराने के लिए शेष छह में से केवल पांच रन ही बना पाई. गणेश्वर नवीन ने 20वें ओवर की पहली ही गेंद पर चौका लगाकर ब्लास्टर्स को बढ़त दिलाई, लेकिन अगली ही गेंद पर आउट हो गए.

इसके बाद एलआर कुमार ने दो डॉट बॉल फेंकी, जिसके बाद लविश कौशल को पांचवीं गेंद पर रिटायर्ड आउट कर दिया गया, जबकि उन्होंने और उनके साथी बल्लेबाज क्रांति कुमार ने एक बाई रन भी लिया. आखिरी गेंद पर एक रन बचाने के लिए क्रांति रन आउट हो गए, जिससे खेल सुपर ओवर में चला गया.

पहला सुपर ओवर

बेंगलुरु ब्लास्टर्स के कप्तान मयंक अग्रवाल पहली गेंद पर आउट हो गए, लेकिन अनिरुद्ध जोशी के आखिरी गेंद पर लगाए गए छक्के की बदौलत टीम ने वापसी करते हुए 10 रन बनाए. मनीष पांडे ने टाइगर्स के लिए तीन में से आठ रन की जरूरत के समय एक बड़ा शॉट लगाया, लेकिन जब स्कोर 1 गेंद पर 2 रन रह गया, तो पांडे को गेंदबाज कौशल ने कैच कर लिया, फिर टाइगर्स ने एक रन लेकर सुपर ओवर को बराबर कर दिया.

दूसरा सुपर ओवर

पांडे इस बार मनवंत कुमार के साथ ओपनिंग करने उतरे. मनवंत वो खिलाड़ी थे, जिन्होंने इस मैच में 164 रन का बचाव करते हुए 33 रन देकर 4 विकेट चटकाए, इससे पहले उन्होंने 15 गेंदों में 28 रन की पारी भी खेली थी. लेकिन दूसरे सुपर ओवर में, वह और पांडे सिर्फ आठ रन ही बना सके.

इसके बाद तेज गेंदबाज विद्वत कवेरप्पा ने अपनी टीम के लिए शानदार गेंदबाजी की. शुरुआत में एक बाउंड्री देने के बावजूद, उन्होंने सिर्फ चार और रन दिए, जिससे खेल तीसरे सुपर ओवर में चला गया.

तीसरा सुपर ओवर का खेल

तीसरे सुपर ओवर में पहले बल्लेबाजी बेंगलुरु ब्लास्टर्स ने की. ओपनिंग करने अनिरूद्ध जोशी और शुभांग हेगड़े आए. लेकिन मनवंत ने पहली ही गेंद पर अनिरूद्ध को आउट कर दिया. लेकिन आखिरी गेंद पर शुभांग हेगड़े ने बैकवर्ड पॉइंट पर छक्का लगाकर ब्लास्टर्स का स्कोर 12 रन पर पहुंचा दिया. इसके बाद बारी हुबली टाइगर्स की थी.

ओपनिंग करने मनवंत कुमार और कप्तान मनीष पांडेय आए. गेंदबाजी क्रांति कुमार कर रहे थे. उन्होंने दूसरी गेंद पर चौका लगाकर खेल को आगे बढ़ाया. लेकिन क्रांति ने जोरदार वापसी की और अगली तीन गेंदों पर केवल तीन रन दिए (उनमें से एक अतिरिक्त था). टाइगर्स को अब अंतिम गेंद पर चार रन चाहिए थे और मनवंत ने चौका जड़कर मैच जीत लिया.

मार्क वुड की रफ्तार का शिकार हुए दिनेश चांदीमल

● बाउंसर पर हुए घायल, पहुंचे अस्पताल

ओल्ड ट्रैफर्ड , एजेंसी। श्रीलंका क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के तीसरे दिन लीड हासिल कर ली है। हालांकि मैच के तीसरे ही दिन टीम को बड़ा झटका लगा। उनके विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश चांदीमल इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड की रफ्तार का शिकार हुए और उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा।

श्रीलंका की पारी का 18वां ओवर चल रहा था। क्रिस वुड यह ओवर डालने आए। ओवर की दूसरी गेंद पर स्ट्राइक पर चांडदीमल थे। वुड की 145 किमी प्रति घंटे से ज्यादा रफ्तार से गेंद चांदमल के अंगूठे पर लगी। गेंद लगते ही वह दर्द से कराहने लगे। उनके चेहरे पर उनकी परेशानी साफ दिख रही थी।

ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले जा रहे इस मैच के तीसरे दिन इंग्लैंड की पहली पारी 358 रनों पर सिमट गई। इंग्लैंड की ओर से उनके युवा विकेटकीपर बल्लेबाज जेमी स्मिथ ने शतक जमाया। यह उनके करियर का पहला शतक था। जेमी स्मिथ 148 गेंदों में 111 रन बनाकर आउट हो गए। श्रीलंका की तरफ से पहली पारी में असिथा फर्नांडो ने सबसे ज्यादा 4 विकेट हासिल किए। इसके अलावा प्रभात जयसूर्या ने तीन लिए। विश्वा फर्नांडो ने दो और मिलन प्रियनाथ रथनायके को 1 विकेट मिला।

चांदीमल पहुंचे अस्पताल

मैदान पर फीजियो आए और उन्होंने चांदीमल की चोट पर स्प्रे किया और बैंडज लगाया। चांदीमल ने बल्लेबाजी करने की कोशिश की लेकिन वह नाकाम रहे। उनके अंगूठे और अंगुली में सूजन बढ़ गई थी। चांदीमल को वापस जाना पड़ा। उनके जाने के बाद धनंजया डि सिल्वा बल्लेबाजी करने आए। धनंजया डि सिल्वा को अस्पताल ले जाया गया।

डूरंड कप

मोहन बागान डूरंड कप फुटबॉल के सेमीफाइनल में

जमशेदपुर, एजेंसी। डिफेंडिंग चैंपियन मोहन बागान ने एशिया के सबसे पुराने टूर्नामेंट डूरंड कप फुटबॉल के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। इधर, बेंगलुरु एफसी ने केरल ब्लास्टर्स को 1-0 से हराते हुए टॉप-4 में जगह बनाई। दिन के अन्य क्वार्टर फाइनल में शिलांग लाजोंग और नार्थईस्ट यूनाइटेड ने भी जीत हासिल की। जमशेदपुर में शुक्रवार को मोहन बागान ने रोमांचक क्वार्टर फाइनल में पंजाब एफसी को सडन डेथ (टाईब्रेकर) में 6-5 से हराया।

इससे पहले मुकाबला तय समय के बाद 3-3 से बराबरी पर रहा। इधर, कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में एक अन्य क्वार्टर फाइनल के आखिरी पलों में पेरेरिया डियाज के गोल के दम पर बेंगलुरु ने केरल ब्लास्टर्स को हराया। मिस बागान के पहले मौके को भुनाने में चुक गए, लेकिन पंजाब के क्रोएशियाई डिफेंडर नोवोसेलेच के प्रयास को बागान के गोलकीपर विशाल कैथ ने विफल कर दिया।

पैरालंपिक गेम्स में उतरेंगे भारत के चार गोल्डमेडलिस्ट

नईदिल्ली, एजेंसी। पेरिस में 28 अगस्त से पैरालंपिक गेम्स की शुरुआत होने वाली है। भारत इस बार 84 खिलाड़ियों का दल पेरिस भेज रहा है जो कि अबतक का सबसे बड़ा दल है। भारतीय खिलाड़ी 25 मेडल्स का लक्ष्य लेकर पेरिस गए हैं। इन 84 खिलाड़ियों में चार ऐसे खिलाड़ी हैं जो कि अपने गोल्ड मेडल का बचाव करने उतरेंगे। इन चार खिलाड़ियों में दो निशानेबाज, एक एथलीट और एक बैडमिंटन खिलाड़ी शामिल हैं। पेरिस समर ओलंपिक में नीरज चोपड़ा अपने गोल्ड का बचाव नहीं कर सके थे लेकिन इन चारों पर अब नीरज का अधूरा काम पूरा करने का मौका है।

सुमित अंतिल

सुमित अंतिल पेरिस पैरालंपिक खेलों में भारत के ध्वजवाहक होंगे। सुमित जैविनथ्रो के एफ 64 कैटेगरी में हिस्सा लेते हैं। इस कैटेगरी

में पैर के निचले हिस्से में विकार वाले खिलाड़ियों से संबंधित है जो कृत्रिम (आर्टिफिशियल) पैर का इस्तेमाल करके खड़े होने की स्थिति वाले इवेंट मेंर भाग लेते है।

अवनी लेखरा

टोक्यो पैरालंपिक चैंपियन अवनी लेखरा भी अपने गोल्डा का बचाव करने उतरेंगी। उन्होंने टोक्यो में 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 राइफल इवेंट में गोल्ड और थ्री पॉजिशन इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीता था।

कृष्णा नागर

कृष्णा नागर भी अपने गोल्ड का बचाव करने उतरेंगे। नागर 2019 वर्ल्ड चैंपियनशिप में पैरा-बैडमिंटन में सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल जीत चुके हैं। साल 2020 टोक्यो पैरालंपिक में उन्होंने एसएच6 कैटेगरी में गोल्ड मैडल अपने नाम किया।

मनीष नरवाल

मनीष नरवाल ने टोक्यो 2020 में भारत का तीसरा स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने पुरुषों की 50 मीटर पिस्टल स्ा1 स्पर्धा में गोल्ड जीता था।

इसी इवेंट का सिल्वर भारत के ही सिंहराज अधाना को मिला था। मनीष नरवाल ने फाइनल में 218.2 का स्कोर करके पैरालंपिक रिकॉर्ड कायम किया था।

संक्षिप्त समाचार

डाकुओं और पुलिस के बीच मुठभेड़, 12 पुलिसकर्मियों की मौत और 7 घायल

लाहौर, एजेंसी। मीडिया के मुताबिक, पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के सिंध सीमा से सटे रहीम यार खान के कच्चा क्षेत्र में आज सुबह डाकुओं ने पुलिस के दो वाहनों पर आग्नेय अस्त्रों से हमला किया। इस हमले में 22 में से 12 पुलिसकर्मियों की मौत हो गई और 7 अन्य घायल हो गए। जबकि पाकिस्तान पुलिस ने केवल एक डाकू को ही मारा। खबरों के अनुसार, पुलिस ने 5 डाकुओं को घायल भी किया है। इन डाकुओं का संबंध पिछले कई दशकों से कच्चा क्षेत्र में सक्रिय आपराधिक गतिविधियों से रहा है। वे आमतौर पर संपन्न लोगों का अपहरण कर उनके परिवार वालों से भारी फिरौती वसूलते हैं। लाहौर पुलिस मुख्यालय ने इस घटना पर एक ट्वीट किया, जिसके नीचे पाकिस्तानी जनता ने पुलिस की कड़ी आलोचना की। लोगों का कहना है कि अगर पुलिस के मुताबिक 5 डाकू घायल हुए हैं, तो उन्हें पकड़ क्यों नहीं पाई? एक आलोचक ने यहां तक कहा कि अगर पुलिस ने उन सैकड़ों राजनेताओं की सुरक्षा में लगे अंगरक्षकों की आधी संख्या भी रहीम यार खान में तैनात की होती, तो शायद आज यह भयानक घटना नहीं होती। एक और आलोचक ने कहा कि डाकुओं ने पुलिस पर रॉकेट लॉन्चर का इस्तेमाल भी किया। अब सवाल यह है कि पुलिस, जो डाकुओं के खिलाफ लंबे समय से काम कर रही है, डाकुओं के शस्त्र आपूर्तिकर्ताओं के खिलाफ क्यों नहीं कार्रवाई कर पाई? कुल मिलाकर पाकिस्तान के अंदरूनी हालात बेहद खराब हो चुके हैं और पाकिस्तान सरकार बेबस नजर आ रही है।

अचानक जमीन ढहने से गहरे गड्ढे में गिरी भारतीय महिला, अभी तक कोई अता-पता नहीं

कुआलालंपुर, एजेंसी। मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर में एक भारतीय महिला शुक्रवार को अचानक जमीन ढह जाने से बने गड्ढे में गिर गई। पुलिस ने बताया कि जमीन के नीचे बह रहे पानी में महिला के बह जाने की आशंका है। स्थानीय पुलिस प्रमुख सुलिज्मी अफेंडी सुलेमान ने बताया कि यह हादसा मलेशिया की राजधानी के डांग वांगी क्षेत्र में हुआ है। उन्होंने प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से बताया कि जब महिला रास्ते से गुजर रही थी तो अचानक जमीन का एक हिस्सा ढह गया जिससे 26 फुट गहरा गड्ढा हो गया और वह उसमें गिर गई। उन्होंने बताया कि महिला भारत से मलेशिया घूमने के लिए आई थी और उसकी उम्र 48 वर्ष है। सुलेमान ने बताया कि बचावकर्मियों ने घटनास्थल के चारों ओर नाकेबंदी कर दी और गड्ढे से मलबा हटाने के लिए उत्खनन मशीन का इस्तेमाल किया गया, लेकिन महिला का अभी कुछ पता नहीं चल पाया है। जब सुलेमान से महिला की स्थिति या घटना के कारण के बारे में पूछा गया तो उन्होंने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। कुआलालंपुर के पुलिस प्रमुख रुस्दी मोहम्मद ईसा ने कहा कि जमीन के नीचे पानी का बहाव तेज था, इसलिए ऐसी आशंका है कि महिला बह गई होगी। उन्होंने बताया कि महिला अपने पति और कई मित्रों के साथ लगभग दो महीने पहले छुट्टियां मनाने मलेशिया आई थी और वे शनिवार को घर लौटने वाले थे।

अल-कायदा से जुड़े आतंकी संगठन के प्रमुख को सीरिया में मार गिराया, अमेरिकी सेना का दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने दावा किया है कि उन्होंने खूंखार आतंकी संगठन अल कायदा से जुड़े संगठन के प्रमुख को सीरिया में ढेर कर दिया है। अमेरिकी सेना ने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि हुरास अल दीन शूरा के परिषद सदस्य और शीर्ष आतंकी अबु अब्दुल रहमान अल मक्की को सीरिया में मार गिराया है। हुरास अल दीन, अल-कायदा से जुड़ा संगठन है और सीरिया में सक्रिय है। अमेरिका और पश्चिमी देशों के खिलाफ हमले में इस संगठन का नाम सामने आया है। ड्रोन हमले में किया ढेर सीरिया में युद्ध के हालात में मानवाधिकारों पर नजर रखने वाले एक संगठन ने बताया कि सीरिया के दक्षिणी इलाके इदलिब में एक मोटरसाइकिल पर ड्रोन हमला हुआ। इसी हमले में मक्की की मौत हो गई। मक्की को सऊदी अरब का नागरिक बताया जा रहा है। गौरतलब है कि सीरिया में अमेरिका के करीब 900 सैनिक तैनात हैं, जो अंतरराष्ट्रीय गठबंधन के तहत वहां मौजूद हैं। इस्लामिक कट्टरपंथियों से मुकाबले के लिए सीरिया में अंतरराष्ट्रीय सैनिकों की तैनाती की गई थी। अमेरिकी सेना ने बीते जून में भी सीरिया में एक हवाई हमले में खूंखार आतंकी संगठन आईएसआईएस के शीर्ष आतंकी को ढेर किया था। यूएस सेंट्रल कमांड ने जानकारी देते हुए बताया था कि मारे गए आतंकी की पहचान आईएसआईएस संगठन के सदस्य उसामा जमाल मुहम्मद इब्राहिम अल-जनाबी के रूप में की गई थी। वहीं यूएस अफ्रीका कमांड ने भी बीते दिनों सोमालिया में किए गए एक हवाई हमले में तीन आईएसआईएस आतंकियों को ढेर का दावा किया था।

रूस की जेल में संग्राम, आठ की मौत, आईएसआईएस कैदियों ने मुस्लिमों के उत्पीड़न का बदला लेना बताया मकसद

मॉस्को, एजेंसी। रूस की एक जेल में कैदियों के बीच संघर्ष में आठ लोगों की मौत हो गई। इनमें चार जेल कर्मचारी भी शामिल हैं। यह हिंसा रूस के वोल्गोग्राद क्षेत्र में उच्च सुरक्षा वाले आईके-19 सुरोविकिनो पीनल कॉलोनी में हुई है। जानकारी के मुताबिक कैदियों के एक समूह ने हिंसक विद्रोह कर दिया। चाकुओं से लैस यह कैदी इस्लामिक स्टेट से संबंधित बताए गए हैं। इन्होंने जेल में बंद कुछ कैदियों को बंधक बना लिया और जेल के एक हिस्से पर नियंत्रण कर लिया। हमला करने वालों का दावा था कि उन्होंने मुसलमानों के उत्पीड़न का बदला लेने के लिए ऐसा किया। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि संकट उस समय शुरू हुआ जब एक नियमित डिसिप्लिन बैठक होनी थी। यह बैठक चल रही थी उसी वक्त कैदियों के एक समूह, जिसकी पहचान रामजिदिन तोशेव (28), रुस्तमचोन नवरूजी (23), नजीरचोन तोशोव (28) और तैमूर खुसिनोव (29) के रूप में हुई, ने हमला शुरू कर दिया। उज्बेकिस्तान और ताजिकिस्तान के रहने वाले सभी चार लोगों ने गार्डों पर चाकुओं से हमला किया। इस हमले में कई घायल हो गए और आठ जेल कर्मचारियों और चार साथी दोषियों को बंधक बना लिया। सोशल मीडिया पर इस झगड़े की एक तस्वीर सामने आई है। इसमें नजर आ रहा है कि घेराबंदी के दौरान एक कैदी खून से लथपथ जेल गार्ड के ऊपर चाकू पकड़े हुए है। एक अन्य वीडियो में हमलावरों को जेल के यार्ड में दिखाया गया है। यहां एक बंधक खून से लथपथ चेहरे के साथ बैठा था।

हमलावरों ने वीडियो में आईएसआईएस के प्रति अपनी निष्ठा जताई। उन्होंने दावा किया कि हमला मुसलमानों के उत्पीड़न का बदला लेने का कार्य था। हालत खराब होने पर हथियारों से लैस स्पेशल रूसी फोर्स और स्नाइपर्स को तैनात किया गया।

जेलकर्मियों और कैदियों को आतंकियों ने बनाया बंधक : घटना शुक्रवार की है। दरअसल जेल में अनुशासन संबंधी बैठक चल रही थी। इसी दौरान कैदियों के एक समूह ने जेल कर्मचारियों पर चाकूओं से हमला कर दिया। हमला करने वाले कैदियों की पहचान रामजीदीन तोशेव (28 वर्षीय) रुस्तमचोन नवरूजी (23 वर्षीय) नाजिरचोन तोशोव (28 वर्षीय) और तैमूर खुशिनोव (29 वर्षीय) के रूप में हुई है। ये चारों उज्बेकिस्तान और ताजिकिस्तान मूल के थे। इन आतंकियों के हमले में चार सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई। साथ ही इन लोगों ने आठ अन्य सुरक्षाकर्मियों और चार कैदियों को बंधक भी बना लिया।

स्नाइपर्स के हमले में ढेर हुए आतंकी : जेल में हुए इस खूनी संघर्ष के वीडियो सोशल मीडिया पर भी साझा किए गए। वीडियो में आरोपी आतंकियों ने आतंकी संगठन आईएसआईएस से अपने जुड़ाव का एलान किया और साथ ही ये दावा किया कि मुस्लिमों पर हमलों का बदला लेने के लिए उन्होंने इस हमले को अंजाम दिया है। कैदियों के हमले के बाद रूस की स्पेशल फोर्स के स्नाइपर्स ने मोर्चा संभाला और चारों आतंकियों को ढेर कर दिया। इस घटना में कई कैदी और जेल कर्मचारी घायल भी हुए हैं। सुरक्षाबलों ने पहले बातचीत के जरिए आतंकियों के कब्जे से बंधकों को छुड़ाने की कोशिश की। इसके चलते जेल परिसर में कई घंटे तनावपूर्ण स्थिति बनी रही। आखिरकार विशेष बलों ने कार्रवाई कर चारों आतंकियों को गोली मार दी, जिससे उनकी मौत हो गई। वोल्गोग्राड घटना की जानकारी सुरक्षा अधिकारियों ने राष्ट्रपति पुतिन को भी दी। वोल्गोग्राड के गवर्नर आंद्रेई बोचारोव ने कहा, हमारे क्षेत्र में रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति को रूस के कानूनों का सम्मान करना और उनका पालन करना आवश्यक है। हम किसी को भी जातीय विवाद भड़काने की कोशिश करने की अनुमति नहीं देंगे। यह हाल के महीनों में दूसरी ऐसी घटना है, जून में रोस्तोव क्षेत्र की एक जेल में इसी तरह आईएसआईएस आतंकियों ने जेल जेल कर्मियों को बंधक बना लिया था। इस घटना में पांच कैदियों की मौत हो गई थी और एक को पकड़ लिया गया था।

अमेरिका के चिड़ियाघर में दिल दहला देने वाली घटना, बाघ के बाड़े के पास पहुंच गई लड़की

न्यू जर्सी , एजेंसी। अमेरिका के चिड़ियाघर में हाल ही में एक दिल-दहला देने वाली घटना घटी। न्यू जर्सी के कोहनजिक चिड़ियाघर में एक युवती बाड़े में बंद बाघ के बिल्कुल करीब पहुंच गई। वह बाड़े के पास लगी फेंसिंग को पार करते हुए बाघ के करीब पहुंची और उसे छूने की भी कोशिश की। इसी दौरान बाघ ने भी युवती पर हमला करने का प्रयास किया। हालांकि, राहतभरी बात यह रही कि बीच में जाल होने के चलते युवती को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। सोशल मीडिया पर इस घटना का वीडियो सामने आया है। इसमें एक युवती जिसने की सफेद रंग के शॉर्ट्स और गहरे कलर का टॉप पहन रखा है, वह बाघ के पास जाने की कोशिश कर रही होती है। वह बाड़े में बाघ की तरफ हाथ भी डालती है ताकि वह उसे छू सके। इसी दौरान बाघ उस पर हमला कर देता है, जिसके बाद युवती तेज से पीछे की ओर चली जाती है। यह घटना बीते रविवार के दोपहर की बताई जा रही है। इस घटना की स्थानीय पुलिस ने भी पुष्टि की है। हालांकि, बाद में उसने वीडियो को हटा लिया, लेकिन फॉक्स के रिपोर्ट स्टीव कीली ने एक्स अकाउंट पर पूरी घटना और उसका वीडियो शेयर किया है। अपनी पोस्ट में, कीली ने लिखा, कम्बरलैंड काउंटी के कोहनजिक चिड़ियाघर में बाड़ पर न चढ़ें के स्पष्ट संकेत के बावजूद युवती वहां गई। ब्रिजटन पुलिस को उम्मीद है कि जनता उन्हें उस युवती की पहचान करने में मदद कर सकती है, जिसे वहां कैद दो 7 वर्षीय, 500 पाउंड के बाघों में से एक ने लगभग काट लिया था। ब्रिजटन शहर के मनोरंजन और सार्वजनिक मामलों के निदेशक जॉन मेडिका ने एक बयान में बताया कि उनके जानवरों, मेहमानों की सुरक्षा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

राजनाथ सिंह ने की अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार से मुलाकात, रक्षा उद्योग सम्मेलन में हुए शामिल

वॉशिंगटन, एजेंसी। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह चार दिवसीय दौरे पर अमेरिका में हैं। उन्होंने यहां शनिवार को अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जेक सुलिवन से मुलाकात की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी। राजनाथ सिंह ने बताया कि उन्होंने आपसी हित के प्रमुख रणनीतिक मामलों पर चर्चा की। राजनाथ ने की अमेरिकी रक्षा कंपनियों के साथ बातचीत जेक सुलिवन से मिलने के अलावा राजनाथ सिंह ने यूएस इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम (यूएसआईएसपीएफ) द्वारा आयोजित रक्षा उद्योग सम्मेलन में अमेरिकी रक्षा कंपनियों के साथ भी बातचीत की। उन्होंने अमेरिकी कंपनियों को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने की दिशा में मेक इन इंडिया कार्यक्रम में तेजी लाने के लिए भारतीय भागीदारों के साथ काम करने के लिए आमंत्रित भी किया। अमेरिकी रक्षा सचिव से भी मिले शुक्रवार को राजनाथ सिंह ने अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन के साथ मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच रक्षा सहयोग की मजबूती को लेकर चर्चा हुई। इसके अलावा रक्षा मंत्री ने मौजूदा रक्षा सहयोग गतिविधियों की समीक्षा करने और उन्हें और गहरा करने पर भी सहमति जताई। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी।

प्रधानमंत्री मोदी के यूक्रेन दौरे की दुनियाभर में चर्चा

वॉशिंगटन, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यूक्रेन दौरे पर पूरी दुनिया की निगाहें रहीं। खासकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिस गर्मजोशी के साथ यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से गले मिले और युद्ध को लेकर अपनी बात रखी, उसकी पूरी दुनिया में चर्चा हो रही है। दुनियाभर के शीर्ष अखबारों ने इस पर खबरें प्रकाशित की हैं। तो आइए जानते हैं कि वैश्विक मीडिया ने पीएम मोदी के यूक्रेन दौरे पर क्या-क्या कहा।

न्यूयॉर्क टाइम्स : न्यूयॉर्क टाइम्स ने भारत की विदेश नीति को सराहा और लिखा कि प्रधानमंत्री मोदी युद्धग्रस्त रूस और यूक्रेन, दोनों के साथ अपने संबंधों को सावधानीपूर्वक बनाकर चल रहे हैं। वह बीते महीने मॉस्को दौरे पर थे और वहां राष्ट्रपति पुतिन से गले मिल रहे थे। भारत, रूस का अहम व्यापारिक साझेदार है। भारत ने जून में यूक्रेन में शांति समझौते में अपना प्रतिनिधि भेजा था, लेकिन यूक्रेन में शांति के लिए हुए एक अन्य सम्मेलन में भारत शामिल नहीं हुआ था।

बीबीसी : यूक्रेन के राष्ट्रपति के साथ मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि युद्ध के हालात में भारत कभी भी तटस्थ नहीं रहा है। पहले दिन से भारत शांति का पक्षधर रहा है। बीबीसी ने अपनी रिपोर्ट में इस बात को प्रमुखता से प्रकाशित किया है। हालांकि रिपोर्ट में इस बात को भी उठाया गया है कि भारत ने कभी भी रूस के यूक्रेन पर हमले की आलोचना नहीं की है। यहां तक कि भारत रूस की युद्ध अर्थव्यवस्था को मजबूत कर रहा है और रूस के तेल का सबसे बड़ा

आयातक बनकर उभरा है।

द गार्जियन : द गार्जियन ने भी प्रधानमंत्री मोदी के यूक्रेन दौरे पर विस्तृत रिपोर्ट प्रकाशित की है। इस रिपोर्ट में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के बयान को शीर्षक में लिया गया है, जिसमें जेलेंस्की ने पीएम मोदी के यूक्रेन दौरे को ऐतिहासिक करार दिया था। जेलेंस्की ने पीएम मोदी के यूक्रेन दौरे को लेकर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर लिखा कि आज इतिहास बना। भारत के प्रधानमंत्री ने देश की स्वतंत्रता के बाद पहली बार यूक्रेन का दौरा किया। भारत ने यूक्रेन की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का समर्थन किया और ये अहम है कि दुनियाभर के देश संयुक्त राष्ट्र चार्टर का सम्मान करें।

सीएनएन : अमेरिका के प्रमुख मीडिया चैनल सीएनएन ने पीएम मोदी के यूक्रेन दौरे पर लिखा कि पीएम मोदी का यह दौरा उनके रूस दौरे के कुछ हफ्तों बाद ही हो रहा है। हालांकि भारत द्वारा युद्धविराम की लगातार अपील की जा रही है, लेकिन भारत ने अभी तक रूस की आलोचना से खुद को दूर रखा है। भारत रूस की अर्थव्यवस्था के लिए लाइफ लाइन का काम कर रहा है और बड़ी संख्या में रूस से तेल का आयात कर रहा है। रिपोर्ट में पीएम मोदी के उस बयान का भी जिक्र है, जिसमें उन्होंने कहा था कि किसी भी समस्या का हल युद्ध के मैदान में नहीं हो सकता।

हिंसा और राजनीतिक स्थिरता के बाद अब बाढ़ से जूझ रहा बांग्लादेश, 15 लोगों की मौत, 40 लाख प्रभावित

ढाका, एजेंसी। मानसून की भारी बारिश से बांग्लादेश के डेल्टाई इलाकों और भारत के कुछ क्षेत्रों में बाढ़ आ गई है। इस कारण बांग्लादेश में कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई और 40 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। जो राजनीतिक परिवर्तन के बाद नवगठित अंतरिम सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती बन गई है।

खतरे के निशान से ऊपर बह रही कई नदियां : बांग्लादेश में कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं, खासकर पूर्वोत्तर, पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी हिस्से में, इस वजह से कई शहरों और कस्बों के अलावा सैकड़ों गांव जलमग्न हो गए हैं। इससे बुनियादी ढांचे को भी नुकसान पहुंचा है और संचार लाइन बाधित हो गई हैं।

सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस के मुताबिक, आपदा प्रबंधन मंत्रालय में सचिव कमर-उल-हसन ने कहा, बांग्लादेश में भारी बारिश के कारण आई बाढ़ के कारण कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई है और 11 जिलों के 48 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। हसन ने संवाददाताओं को बताया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सेना, नौसेना, तट

रक्षक, बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी), अग्निशमन कर्मी, पुलिस और छात्रों की तरफ से बचाव अभियान चलाया जा रहा है।

12 से ज्यादा क्षेत्रों में भारी बारिश से हाल बेहाल : एक अन्य अखबार के मुताबिक, इन क्षेत्रों में एक 12 से अधिक स्थानों पर 60 मिमी से अधिक वर्षा दर्ज की गई। कॉक्स बाजार में 151 मिमी और गोपालगंज में 62 मिमी तक वर्षा दर्ज की गई। मौसम विज्ञान विभाग ने बंगाल की खाड़ी में सक्रिय मानसून के कारण अगले तीन दिन में देश के कई क्षेत्रों में भारी वर्षा की आशंका जताई है। बांग्लादेश में 200 से ज्यादा नदियां बहती हैं, जिनमें से 54 नदियां भारत से होकर गुजरती हैं। बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र बनने के कारण बाढ़ की मौजूदा स्थिति बनी है। मौसम विशेषज्ञों ने शुक्रवार को कहा कि मूसलाधार बारिश के अलावा, उफनती नदियां, अल नीनो और जलवायु परिवर्तन की घटनाएं देश में व्यापक बाढ़ के लिए जिम्मेदार कारक हैं। वहीं आपदा प्रबंधन मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, हम ढाका स्थित अपने नियंत्रण कक्ष से बाढ़ की स्थिति और राहत गतिविधियों पर नजर रख रहे हैं। स्थानीय मीडिया में आयी खबरों के अनुसार, स्थिति विचित्र हो गई थी।

भारत आ रहे बांग्लादेश के पूर्व जज गिरफ्तार, बॉर्डर के करीब सिलहट में पकड़े गए

ढाका, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट के रिटायर जज शम्सुद्दीन चौधरी माणिक को शुक्रवार रात सिलहट में बॉर्डर के पास गिरफ्तार कर लिया गया। बांग्ला अखबार ढाका ट्रिब्यून के मुताबिक वे भारत भागने की कोशिश कर रहे थे, इस दौरान स्थानीय लोगों ने उन्हें पकड़ लिया। इसके बाद उन्हें बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के हवाले कर दिया गया। [illegible] ने इसकी पुष्टि की है। माणिक को देर रात तक बीजीबी चौकी में ही रखा गया था। शनिवार सुबह उन्हें सिलहट हेडक्वार्टर ले जाया गया। माणिक के खिलाफ गुरुवार को मानहानि का मुकदमा दायर किया गया था। उन पर खालिदा जिया के दिवंगत पति और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के संस्थापक जियाउर रहमान पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप लगा था।

खालिदा जिया के पति को रजाकार कहा मुताबिक जस्टिस माणिक ने अक्टूबर 2022 में एक निजी चैनल पर जियाउर रहमान के बारे में कहा था कि वे फ्रीडम फाइटर नहीं बल्कि एक रजाकार थे। बांग्लादेश में रजाकार का मतलब गद्दार होता है। सोशल मीडिया पर माणिक की गिरफ्तारी से जुड़े कई वीडियो वायरल हैं। एक वीडियो में पुलिस उनकी गर्दन को पकड़े हुए है। दूसरे वीडियो में वे केले के पत्ते पर सोए हुए हैं।

फ्रांस जा रहे पत्रकार दंपती गिरफ्तार : बांग्लादेश में शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद उनके

कई करीबी लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इससे पहले बांग्लादेश में शेख हसीना के समर्थक माने जाने वाले टीवी पत्रकार दंपती फरजाना रूपा और उनके पति शकील अहमद को गिरफ्तार किया गया था। इन्हें 21 अगस्त को शाहजलाल एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया गया। उनके साथ उनकी बेटी भी थी। वे पेरिस जाने की कोशिश कर रहे थे। पत्रकार दंपती को देश छोड़ने की परमिशन मिल गई थी। लेकिन विमान पर चढ़ने से पहले ही पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। उन्हें बताया गया कि उन पर हत्या से जुड़ा एक केस दर्ज है। बाद में उन्हें 4 दिन की रिमांड पर जेल भेज दिया गया। दंपती एकटोर टीवी में अहम पदों पर थे। लेकिन हसीना सरकार गिरने के बाद उन्हें 8 अगस्त को चैनल से निकाल दिया गया था।

पुरुषों को साफ-सफाई की हिदायत देना न्यूज एंकर को पड़ा भारी, नौकरी से निकाला बाहर

टोक्यो, एजेंसी। टोक्यो से एक अजीबोगरीब जानकारी सामने आई है। यहां एक टेलीविजन की न्यूज एंकर को पुरुषों की साफ-सफाई से जुड़ी आदतों की आलोचना करना महंगा पड़ गया। उसे नौकरी से तो हाथ धोना पड़ा ही, लेकिन अब सोशल मीडिया पर भी खरी-खोटी सुनने को मिल रही है।

फ्रीलांस एंकर हैं कावागुची : एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, 29 साल की यूरी कावागुची एक फ्रीलांस एंकर हैं, जो अपने फेमिस्ट विचारों के लिए जानी जाती हैं। वह अक्सर महिलाओं के अधिकारों और हितों को बढ़ावा देने की बात करती नजर आती हैं। इतना ही नहीं, वह उत्पीड़न रोकथाम पर व्याख्याता के रूप में भी काम करती हैं।

आलोचना के बाद हटाए पोस्ट : हालांकि, कावागुची सोशल मीडिया पर आजकल काफी चर्चाओं में हैं। दरअसल, उन्होंने पुरुषों के शरीर से आने वाली गंध को लेकर सोशल मीडिया पर एक सुझाव दिया था, जिसके कारण उन्हें काफी आलोचना झेलनी पड़ रही है। उन्होंने कहा था कि पुरुषों के शरीर से जो गंध आती है वो सहन करना मुश्किल होता है। इसलिए पुरुषों को अधिक बार नहाना चाहिए। हालांकि, अब यह पोस्ट हटा दिए गए हैं।

पुरुषों की गंध को बताया असहनीय : सोशल मीडिया मंच एक्स पर कावागुची ने गर्मियों के दौरान पुरुषों से आने वाली गंध के बारे में अपनी निराशा व्यक्त की थी। उन्होंने कहा था, मुझे माफ करना अगर कोई व्यक्तिगत स्थिति है, लेकिन गर्मी के मौसम में पुरुषों से आने वाली गंध या अस्वस्थ लोगों के शरीर की गंध बर्दाश्त करने वाली नहीं होती है। इसलिए पुरुषों को अधिक बार

नहाने और खुशबू वाले डिओडोरेंट का इस्तेमाल करने की सलाह है।

यह सलाह भी दी : 29 साल की महिला ने सलाह देते हुए कहा, मैं साफ रहना चाहती हूं, इसलिए मैं एक दिन में कई बार नहाती हूं। वाइप्स का इस्तेमाल करती हूं और साल भर पसीना रोकने के लिए कुछ चीजें लगाती हूं। मुझे लगता है कि अधिक से अधिक पुरुषों को ऐसा करना चाहिए।

सोशल मीडिया पर आलोचना : कावागुची की पोस्ट से सोशल मीडिया पर गुस्सा भड़क गया। उनकी बातों को भेदभावपूर्ण बताया। एक यूजर ने कहा, केवल पुरुषों को दोष देना निस्संदेह भेदभाव है। महिलाओं, विशेष रूप से वृद्ध महिलाओं से भी गंध आ सकती है। मैं वास्तव में इससे असहज हूं। फ्रीलांस एंकर की पोस्ट के बाद लोगों ने उनके तलाक सहित निजी जीवन के बारे में जमकर पढ़ा। उन्हें भौतिकवादी महिला बताया।

विवाद बढ़ा तो मांगी माफी : विवाद बढ़ने पर कावागुची ने सार्वजनिक रूप से माफी मांगी और पोस्ट को हटा दिया। उन्होंने कहा, मैं इस पर गहराई से विचार करूंगी। भविष्य में, मैं अपनी बातों से किसी को चोट न पहुंचाने के लिए कड़ी मेहनत करूंगी। मुझे वास्तव में खेद है। हालांकि, माफी के बाद भी हंगामा शांत नहीं हुआ। वॉयस नामक एजेंसी, जो उनका प्रबंधन करती है, ने एलान किया कि वह विपरीत लिंग का अपमान करने के कारण कावागुची के साथ अपना कॉन्ट्रैक्ट यानी अनुबंध खत्म कर रही है। एजेंसी ने एक बयान में कहा कि उसे कई शिकायतें और ईमेल मिले हैं। एक पेशेवर व्यक्ति द्वारा ऐसी भाषा का इस्तेमाल करना जो दूसरों को चोट पहुंचाए वो हमारे सिद्धांतों के खिलाफ है। उत्पीड़न रोकथाम शिक्षा के लिए लेक्चरर के रूप में एंकर को काम पर रखने वाली एक अन्य फर्म ने भी उसका अनुबंध समाप्त कर दिया। लेकिन इन दोनों कंपनियों के फैसले की जापानी लोगों ने आलोचना की।

राज्यमंत्री नगरीय विकास एवं आवास विभाग मध्यप्रदेश शासन का रीवा आगमन पर राजनिवास में नगर निगम आयुक्त द्वारा गुलदस्ता भेंट कर उनका स्वागत अभिनंदन किया गया।

राजस्व महाअभियान में 19348 प्रकरणों का हुआ निराकरण

रीवा

जिले भर में 18 जुलाई से 31 अगस्त तक चलाए जा रहे राजस्व महाअभियान में लंबित राजस्व प्रकरणों का निराकरण किया जा रहा है। अब तक विभिन्न राजस्व न्यायालयों में 19348 प्रकरण निराकृत किए गए हैं। इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि अपर कलेक्टर तथा एसडीएम न्यायालयों में 2207 प्रकरण निराकृत किए गए। तहसीलदार तथा नायब तहसीलदार न्यायालयों में 16354 प्रकरणों का अभियान के दौरान किया गया। इनमें अविवादित नामांतरण, बंटवारा तथा अभिलेखों में सुधार के प्रकरण शामिल हैं।

कलेक्टर ने बताया कि तहसीलदार हुजूर ने 2463, नायब तहसीलदार गोविंदगढ़ 909, नायब तहसीलदार बनकुइयाँ ने 903, तहसीलदार सिरमौर ने 638 तथा नायब तहसीलदार बैकुण्ठपुर ने 489 प्रकरणों का निराकरण किया। नायब तहसीलदार लालगांव ने 664, तहसीलदार सेमरिया 1000, नायब तहसीलदार शाहपुर ने 1014, नायब तहसीलदार मनगवां ने 517, नायब तहसीलदार गढ़ ने 493, नायब तहसीलदार सूरा ने 374 तथा नायब तहसीलदार डेल्ही ने 316 प्रकरणों का निराकरण किया। तहसीलदार रायपुर कर्चुलियान ने 531, नायब तहसीलदार मनिकवार ने 1163, नायब तहसीलदार पहड़िया ने 883, तहसीलदार त्योंथर ने 223, नायब तहसीलदार रायपुर सोनौरी ने 271 तथा नायब तहसीलदार चाक ने 319 प्रकरणों का निराकरण किया। नायब तहसीलदार गढ़ी ने 328, तहसीलदार जवा ने 404, नायब तहसीलदार अतरैला ने 435, नायब तहसीलदार डभौरा ने 352, तहसीलदार गुढ़ ने 1089 तथा नायब तहसीलदार दुआरी ने 576 प्रकरणों का निराकरण किया।

अभिलेखों में सुधार के 787 प्रकरण किए गए निराकृत

रीवा। राजस्व महाअभियान में नक्शा तरमीम और अभिलेखों में सुधार के प्रकरण सर्वोच्च प्राथमिकता से निराकृत किए जा रहे हैं। जिले भर में 18 जुलाई से 31 अगस्त तक चलाए जा रहे राजस्व महाअभियान में सभी एसडीएम अभिलेखों में सुधार के प्रकरणों का निराकरण कर रहे हैं। अभियान के दौरान अब तक अभिलेखों में सुधार के 787 प्रकरण निराकृत किए गए हैं। एसडीएम हुजूर ने 461, सिरमौर ने 48, सेमरिया ने 30, रायपुर कर्चुलियान ने 33, मनगवां ने 54, जवा ने 5, गुढ़ ने 105 तथा एसडीएम त्योंथर ने 51 प्रकरणों का निराकरण किया है। अभियान के दौरान अभिलेखों में सुधार के नए प्रकरण भी दर्ज किए जा रहे हैं।

उप चुनाव संबंधी सूचनाओं की मुनादी कराएं

रीवा। जिले में नगरीय निकायों तथा पंचायत राज संस्थाओं में रिक्त पदों के निर्वाचन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 21 अगस्त से नामांकन पत्र दाखिल किए जा रहे हैं। उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रेयश गोखले ने मुख्य नगर पालिका अधिकारियों तथा जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को जिन क्षेत्रों में उप चुनाव हो रहे हैं उनमें निर्वाचन संबंधी सूचनाओं को मुनादी के माध्यम से आमजनता तक पहुंचाने के निर्देश दिए हैं। श्री गोखले ने कहा है कि मतदान की तिथि, समय तथा मतगणना की सूचना मुनादी के माध्यम से आमजनता को अवश्य दें।

जन्माष्टमी पर्व समारोह पूर्वक भक्तिभाव के साथ मनाया जायेगा

रीवा। शासन द्वारा जन्माष्टमी पर्व मनाये जाने के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश जारी किये गये हैं। जन्माष्टमी पर्व पर प्रत्येक जिले में भगवान श्रीकृष्ण के मंदिरों की साफ-सफाई कार्य एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन तथा भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षा एवं मित्रता के प्रसंग तथा जीवन दर्शन पर आधारित विभिन्न विषयों पर विद्वानों के माध्यम से सभी शासकीय/ अशासकीय स्कूल/ कॉलेज में व्याख्यान एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।

प्रदेश के ऐसे स्थल जहां भगवान श्रीकृष्ण के जीवन में जुड़े विशेष प्रसंग रहे हैं वहाँ प्रसंगों के अनुकूल जन्माष्टमी के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जाने, शास्त्र सम्मत मंदिर निर्माण के स्थापत्य एवं उनकी विशिष्टियों को इन अवसरों पर प्रचारित प्रसारित करने, हमारे गौरवशाली इतिहास के प्रसंगों/ कथानकों/ आख्यानों से सभी वर्गों को अवगत कराने तथा सभी शासकीय/ अशासकीय विद्यालयों/ महाविद्यालयों में भारतीय विशिष्ट परंपराओं, योग आदि पर व्याख्यान एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जाने के भी निर्देश दिये गये हैं।

स्कूलों में जन्माष्टमी पर होंगे विशेष आयोजन

रीवा। जिले के सभी शासकीय तथा अशासकीय स्कूलों में 26 अगस्त जन्माष्टमी पर्व पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी सुदामालाल गुप्ता ने बताया कि सभी प्राचार्य शासन द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार स्कूलों में भगवान श्रीकृष्ण के जन्म, शिक्षा, मित्रता के महत्व तथा गीता ज्ञान पर आधारित कार्यक्रमों का आयोजन कराएं। जन्माष्टमी पर आयोजित कार्यक्रमों में देश की प्राचीन परंपराओं, योग, ध्यान और सांस्कृतिक विरासत का ध्यान रखें। सभी स्कूलों में हर्षोल्लास से जन्माष्टमी का पर्व मनाएं।

शहर के सिरमौर चौराहे पर सेक्स रैकेट का भंडाफोड़

तीन लड़कियां और तीन लड़के गिरफ्तार, तानसेन काम्प्लेक्स में चल रहा था देह व्यापार

रीवा। शहर में सिरमौर चौराहे पर स्थित तानसेन कॉम्पलेक्स में चल रहे सेक्स रैकेट का पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। गुरुवार शाम को डीएसपी प्रतिभा शर्मा के निर्देशन में अमहिया थाना पुलिस ने अचानक छापेमारी की और इस अवैध गतिविधि का पर्दाफाश किया। सूचना मिलने पर पुलिस ने कार्रवाई की और तीन लड़कियों और तीन लड़कों को गिरफ्तार कर लिया। सिरमौर चौराहा शहर का सबसे व्यस्त क्षेत्र है, जहां दिन के उजाले में देह व्यापार का धंधा चल रहा था। यह तथ्य पुलिस के लिए चौंकाने वाला था क्योंकि लंबे समय से इसकी जानकारी नहीं मिल पा रही थी। पुलिस के अनुसार, तानसेन कॉम्पलेक्स में एक किराए के मकान में महिला द्वारा सेक्स रैकेट चलाया जा रहा था।

डीएसपी प्रतिभा शर्मा ने बताया कि किराया नामा के अनुसार, यह रैकेट पिछले एक महीने से चल रहा था। छापेमारी के दौरान तीन लड़के और तीन लड़कियां पकड़ी गई। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में पुष्पा उर्फ राजकुमारी पटेल (38), संस्कार तिवारी (21), अभिषेक द्विवेदी (21) और अन्य शामिल हैं। फिलहाल, इनसे पूछताछ की जा रही है और आगे की कानूनी कार्यवाही जारी है।

जिले में अब तक 401.6 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

रीवा। जिले में पिछले 24 घंटों में हल्की से मध्यम वर्षा का क्रम जारी है। लगभग सभी तहसीलों में वर्षा हो रही है। जिले में 24 अगस्त को 14.5 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। इस दिन सर्वाधिक 50 मिलीमीटर वर्षा मनगवां में तथा 38 मिलीमीटर वर्षा गुढ़ तहसील में दर्ज की गई। जिले में एक जून से अब तक कुल 401.6 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। इस संबंध में अधीक्षक भू अभिलेख ने बताया कि इस अवधि में तहसील हुजूर में 438.5 मिलीमीटर, रायपुर कर्चुलियान में 259.5 मिलीमीटर, गुढ़ में 722 मिलीमीटर, सिरमौर में 424.4 मिलीमीटर, त्योंथर में 213.5 मिलीमीटर, सेमरिया में 301.2 मिलीमीटर, मनगवां में 592 मिलीमीटर तथा तहसील जवा में 262 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। जिले में गत वर्ष इसी अवधि में 516.6 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई थी। गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष अब तक 115 मिलीमीटर कम वर्षा हुई है। जिले की औसत वार्षिक वर्षा 1044.6 मिलीमीटर है।

50 हजार रिश्वत लेते पकड़ा गया अकाउंटेंट

विभाग के रिटायर्ड कर्मचारी से मांगे थे 1.5 लाख रुपए

रीवा

बीईओ कार्यालय राज कौशल्या में पदस्थ अकाउंटेंट को रीवा लोकायुक्त ने 50 हजार की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा है। शुक्रवार की दोपहर की गई कार्रवाई के बाद अकाउंटेंट दयाशंकर अवस्थी को जमानत पर रिहा कर दिया गया है।

लोकायुक्त कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, गत दिवस रायपुर कर्चुलियान, सुरसा गांव के रहने वीरेंद्र कुमार शर्मा ने शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि वह शिक्षा विभाग से सेवानिवृत्त हो चुके हैं। सेवा में रहते हुए अर्जित अवकाश का बिल लगाने की एवज में अकाउंटेंट दयाशंकर अवस्थी डेढ़ लाख रुपए रिश्वत की मांग कर रहे हैं।

विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय रायपुर कर्चुलियान में पदस्थ अकाउंटेंट की शिकायत की जांच करने के बाद शिकायत प्रमाणित पाई गई। शुक्रवार की देर दोपहर लोकायुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए उक्त अकाउंटेंट को 50 हजार की रिश्वत लेते हुए पकड़ लिया। लोकायुक्त पुलिस अकाउंटेंट के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला पंजीकृत उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया है।

अकाउंटेंट दयाशंकर अवस्थी शिकायतकर्ता वीरेंद्र कुमार शर्मा से उसके रिटायरमेंट के पश्चात अर्जित अवकाश नगदीकारण के बिल ट्रेजरी में लगाने के एवज में रिश्वत मांग रहा था। इस बात का सत्यापन लोकायुक्त संभाग रीवा के पुलिस अधीक्षक द्वारा कराया गया।

इस पर पता चला कि आरोपी दयाशंकर अवस्थी द्वारा शिकायतकर्ता वीरेंद्र कुमार शर्मा से 1,50,000 रुपए रिश्वत की मांग की गई। इसमें से आज पहेली किस्त 50 हजार रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ ट्रैप किया गया है।

कार्रवाई में प्रवीण सिंह परिहार उप पुलिस अधीक्षक, प्रमेंद्र कुमार उप पुलिस अधीक्षक, उप अधीक्षक राजेश खेड़े सहित 15 सदस्यीय टीम शामिल रहे।

राजस्व महाअभियान में नक्शा तरमीम के 158415 प्रकरण निराकृत

रीवा। जिले भर में 18 जुलाई से 31 अगस्त तक राजस्व महाअभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत लंबित राजस्व प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण किया जा रहा है। अभियान के दौरान अब तक नक्शा तरमीम के लंबित एक लाख 58 हजार 415 प्रकरण निराकृत किए गए हैं। इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि अभियान के दौरान तहसील हुजूर में 18133, त्योंथर में 19540, हुजूर नगर में 10586, तहसील हुजूर ग्रामीण में 15481 तथा तहसील सिरमौर में 22040 प्रकरण निराकृत किए गए हैं। इसी तरह तहसील जवा में 21671, सेमरिया में 20421, रायपुर कर्चुलियान में 13283 तथा तहसील गुढ़ में 17260 नक्शा तरमीम के प्रकरण निराकृत किए गए हैं। नामांतरण के सभी प्रकरणों में तत्काल ही नक्शा तरमीम कराया जा रहा है।

कार्यकर्ताओं के बल पर विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनी भाजपा : प्रतिमा बागरी

मऊगंज। भाजपा जिला सदस्यता अभियान की कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्रदेश की नगरी प्रशासन एवं आवास राज्य मंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने कार्यकर्ताओं से सदस्यता अभियान को सर्वोच्च प्राथमिकता से पूरा करने का आवाहन करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ता आधारित दल है आज पार्टी पूरे विश्व में सबसे बड़ा राजनीतिक दल कार्यकर्ताओं की मेहनत से बना है यह समय संगठन पर्व का है और इस के तहत हमें हर घर में जाना है समाज के सभी व्यक्तियों को भाजपा की रीत नीति और मोदी जी के द्वारा किए गए राष्ट्र हितैषी कामों से अवगत कराते हुए पार्टी की सदस्यता दिलानी है भाजपासर्वव्यापी राजनीतिक दल है हमारा आज पूरे देश में विस्तार है मऊगंज के हर घर से पार्टी को सदस्यता हो इसके लिए कार्यशाला में उपस्थित सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी निभानी होगी हर समाज का कोई भी व्यक्ति जो सामाजिक चेतना से सरोकार है वह भाजपा का सदस्य बने इसकी चिंता आपको करनी है मऊगंज में सदस्यता का रिकार्ड बनाना है और हमें अपनी ताकत और संगठन प्रभाव को जमीन तक पहुंचाने का काम करना है और सदस्यता संगठन पर्व को महापर्व बनाना कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ राजेंद्र मिश्रा ने कहा की सदस्यता अभियान में हमारे कार्यकर्ता सजग प्रहरी की भूमिका निभाएं और हर कार्यकर्ता इस जिम्मेदारी को उठाये की यह हमारा व्यक्तिगत काम है और पार्टीका हमें विस्तार करना है जहां पर हम कमजोर हैं उसे भूत में सशक्त संगठन खड़ा करने के लिए काम करने की जरूरत है मऊगंज के हमारे कार्यकर्ताओं ने जिस तरह से विधानसभा और लोकसभा में एतिहासिक रिकॉर्ड बनाने का काम किया है मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस संगठन पर्व में भी मऊगंज प्रदेश के सभी जिलों से अव्वल रहेगा करशाला में पार्टी की वरिष्ठ नेता पूर्व विधानसभा अध्यक्ष विधायक गिरीश गौतम विधायक प्रदीप पटेल जिला संगठन प्रभारी के के तिवारी शिवदत्त मिश्र महेंद्र सिंह विनोद को शहीद बड़ी संख्या में जिला पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बेडरूम का एसी आन करते ही ठंडी हवा के स्थान पर निकला सांप

रीवा। रीवा में वन विभाग ने घर के एयर कंडीशनर में घुसे हुए एक सांप का रेस्क्यू किया। पुलिस को सूचना मिली कि योगेश वर्मा निवासी ढेकहा के यहां एक जहरीला सांप बेडरूम के एयर कंडीशनर में घुस गया है। जिससे उनका पूरा परिवार डरा हुआ है। जिसे रेस्क्यू करने के लिए वन विभाग की टीम समय रहते मौके पर पहुंची। जिसे निकालने के लिए एसी रिपेयरिंग मिस्त्री को बुलाना पड़ा। जिसके बाद रेस्क्यू टीम ने सांप को सुरक्षित निकालकर गोविंदगढ़ के जंगल में छुड़वाया।

डीएफओ अनुपम शर्मा ने बताया कि एयर कंडीशनर में सर्प घुस जाना खतरनाक स्थिति हो सकती है। ऐसे में घबराने की वजाय सबसे पहले अपने परिवार को सुरक्षित जगह पर ले जाएं। सांप को खुद से हटाने की कोशिश ना करें। बल्कि तुरंत किसी सर्प विशेषज्ञ या रेस्क्यू टीम को इसकी सूचना दें। सर्प विशेषज्ञ जानते हैं कि कैसे सुरक्षित तरीके से सर्प को निकाला जाए। ऐसी स्थिति में सर्प को अंदर जाने से रोकने के लिए एयर कंडीशनर को बंद कर दें और दूरी बनाए रखें। पहले सर्प की प्रजाति जानना जरूरी हो जाता है, जिससे ये मालूम चलता है कि सर्प जहरीला है या नहीं।

वन विभाग की टीम सर्प को पकड़ने के लिए विशेष उपकरणों का उपयोग करती है। रेस्क्यू के बाद सर्प को किसी सुरक्षित जगह पर छोड़ दिया जाता है। सांप को खुद से निकालने की कोशिश में वो आपको काट सकता है। इसलिए सर्प को मारने की कोशिश न करें। यह कानूनन अपराध है और पर्यावरण के लिए भी हानिकारक है। सर्प हमारे पारिस्थितिक तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

ननि द्वारा निराला नगर स्थित बंसल बस्ती में सड़क किनारे अवैध रूप से बने झुग्गियों को हटाने की कार्रवाई की गई

रीवा। शहर में बढ़ रहे अतिक्रमण पर निगम आयुक्त डॉ0 सौरभ सोनवणे के निर्देशानुसार अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा अतिक्रमण हटाने का अभियान लगातार जारी है। दिनांक 24.08.2024 को निराला नगर स्थित बंसल बस्ती में सड़क किनारे अवैध रूप से बने झुग्गियों को हटाने की कार्रवाई की गई। झुग्गी में रह रहे लोगों को पहले से ही मुनादी कर बता दिया गया था, ताकि वे स्थान खाली कर सकें। सड़क के किनारे बसे इन झुग्गियों के कारण यातायात बाधित हो रहा था और दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया था। इसी प्रकार निराला नगर मोड़ से लेकर राजीव मार्ग तक अतिक्रमण हटवाया गया। साथ ही नगर निगम ने नागरिकों से अतिक्रमण न करने की अपील की गई है और चेतावनी दी है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी। साथ ही धोबिया टंकी एवं जिला अस्पताल तक एवं शहर के अन्य प्रमुख मार्गों पर सड़क पटरी पर किये गये अस्थाई अतिक्रमण को खाली कराया गया। उक्त कार्यवाही में अतिक्रमण प्रभारी के साथ अतिक्रमण दल मौजूद रहा।

खाट पर मरीज लेकर घुटनो तक कीचड़ में फंसते हुए 1 कि.मी चले लोग, तब मिल सका मरीज को इलाज

रीवा। एक तरफ जहां भारत आधुनिकता, तकनीक और तरक्की की दौड़ में दुनियाभर में अपना लोहा मनवा रहा है, वहीं दूसरी तरफ आजादी के 78 साल बाद भी यहां कई इलाके मूलभूत व्यवस्थाओं का अभाव झेल रही हैं। ऐसा ही एक मामला देश के दिल कहे जाने वाले मध्य प्रदेश के रीवा जिले से सामने आया, जहां के लोग आज भी आदि काल में जीवन गुजारने को मजबूर हैं। हालात ये हैं कि यहां एक गांव के लोगों के पास अबतक सड़क के नाम पर पगडंडी के अलावा कुछ नहीं है। वो भी ऐसी पगडंडी जिसे यहीं के लोगों ने कदमों के निशानों से बनाया है। इस गांव की हालत 'हर गांव को पक्की सड़कों और हाईवे' से जोड़ने के सरकारी दावे की पोल खोलती नजर आती है।

गांव में सड़क न होने से हर बार की तरह इस बार भी एक मरीज की जान पर बन आई। यहां के लोगों के पास सबकुछ है, लेकिन अस्पताल तक पहुंचने का रास्ता नहीं है। एंबुलेंस को बुलाना भी किसी ने इसलिए ठीक नहीं समझा, क्योंकि आजतक उन्होंने खुद ही कभी अपने गांव में एंबुलेंस आते नहीं देखी। बारिश के दिनों में तो हालात ये हो जाते हैं कि जिस रास्ते से गांव से बाहर जाते हैं, उससे घुटने-घुटने तक कच्ची जमीन में धसते हुए गुजरना पड़ता है। खासतौर पर बारिश के दिनों में तो

गांव के अधिकतर लोग खुद को गांव में मजबूरन कैद कर लेते हैं, ताकि बाहर निकलते में किसी मुसीबत में न फस जाएं। हालांकि, मरीज की हालत देखकर आसपास के लोगों ने खुद की परवाह किए बिना उसे खटिया पर लेटाया और 1 किलोमीटर पैदल चलते हुए बाहर आए, जिसके बाद मरीज को अस्पताल में भर्ती कराया जा सका। घटना का एक वीडियो अब सोशल मीडिया पर भी जमकर वायरल होने लगा है, जो प्रशासनिक दावों की कलई खोल रहा है।

मामला जिले के अंतर्गत आने वाले सोहागी कस्बे के वार्ड नंबर-1 का है। यहां रहने वाले 45 वर्षीय रामनरेश हरिजन पिता सच्चितानंद हरिजन निवासी सोहागी शुक्रवार सुबह अपने खेत गया था। यहां से वो अपने कुछ परिचितों से मिलने गांव चले गए, जहां अचानक उनकी तबियत बिगड़ गई। उनको पेट में काफी तेज दर्द उठा, जिसके चलते वो बेसुध हो गए। लोगों ने उन्हें अस्पताल पहुंचाने की कोशिश तो बहुत की, लेकिन गांव से हाईवे तक पहुंचने के लिए, यहां कोई सड़क ही नहीं थी। मिट्टी वाला रास्ता बारिश के दिनों में दलदल बन जाता है। जहां किसी वाहन का आ पाना तो बहुत दूर की बात पैदल चलना तक दूभर हो जाता है।

गांव की इस दुर्दशा से जूझ रहे स्थानीय लोगों ने आखिरकार मरीज को खटिया पर लेटाकर बाहर तक ले जाने का फैसला लिया और चारों लोगों ने खुद की परवाह किए बिना मरीज को खटिया पर लेटाकर अपने कांधे पर लेकर घुटनो तक कीचड़ में धसते हुए जोखिम भरे रास्ते से गुजरकर एक किलोमीटर दूर हाईवे पर ले आए, जहां से बाइक पर बीच में फंसाकर उन्हें त्योंथर अस्पताल लाया गया। अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। लेकिन, इस घटनाक्रम ने एक बार फिर प्रशासनिक दावों की पोल खोल दी है।

स्थानीय निवासी भानु प्रताप का कहना है कि 'वैसे तो साल भर गांव पहुंचने का मार्ग काफी जोखिम भरा होता है, लेकिन बारिश के दिनों में गांव का संपर्क मुख्य मार्ग से पूरी तरह से टूट जाता है। हर बार किसी न किसी ऐसी ही परिस्थिति में ग्रामीण मजबूरन गांव से बाहर निकलकर कीचड़ से जूझना पड़ता है। बारिश के दिनों में 4 महीने तो यहां किसी नर्क के समान गुजरते हैं। लंबे समय से स्थानीय लोग सड़क निर्माण के लिए संघर्ष कर रहे हैं लेकिन अभी तक उनकी सुनवाई नहीं हो सकी है।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक राजेन्द्र तिवारी द्वारा एस आर के प्रिंटिंग प्रेस विपि रोड खुटेही रीवा से मुद्रित कर जीडीसी के सामने उत्तरी करौंदिया सीधी से प्रकाशित। संपादक-राजेन्द्र तिवारी, आर.एन.आई नं. 47589/88, डाक पंजीयन : MP/SDL/DN/-30/2015-17, दूरभाष : 09424315633, 7389444833